ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

हमने सिद्धारमैया को पांच साल के लिए मुख्यमंत्री चुना : गृह मंत्री @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 30 अक्टूबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-296

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राफेल में भरी उड़ान, कहा

देश की रक्षा क्षमताओं पर गर्व

अंबाला, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

देश की तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को अंबाला वायु सेना स्टेशन से अत्याधुनिक राफेल लड़ाकू विमान में उड़ान भरकर इतिहास रच दिया। उड़ान के बाद उन्होंने इसे अविस्मरणीय अनुभव बताया और कहा कि उन्हें भारत की रक्षा क्षमताओं पर गहरा गर्व महसूस हो रहा है।

राष्ट्रपति मुर्मु इससे पहले सुखोई-30 लड़ाकू विमान में भी उड़ान भर चुकी हैं। दो अलग-अलग लड़ाकू विमानों में उड़ान भरने वाली वह देश की पहली राष्ट्रपति और लड़ाकू विमान में उड़ान भरने वाली दूसरी महिला राष्ट्रपति बन गई हैं।

उन्होंने 7 अप्रैल 2023 को तेजपुर एयरबेस से सुखोई विमान में उड़ान भरी थी। इससे पहले पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल और पूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम भी सुखोई में उड़ान भर चुके हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने राफेल में करीब 30 मिनट तक उड़ान भरी, जिसमें लगभग 200 किलोमीटर की दूरी तय

की गई। विमान ने समुद्र तल से करीब 15,000 फीट की ऊंचाई पर और 700 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से उड़ान भरी।

इस उड़ान का संचालन 17 स्काड्रन के कमांडिंग ऑफिसर ग्रुप कैप्टन अमित गेहानी ने किया।

भारतीय वायुसेना के इतिहास में दर्ज हुआ गौरवशाली क्षण

राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय वायु सेना के राफेल विमान पर अपनी पहली उड़ान के लिए अंबाला वायु सेना स्टेशन आकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हुई। राफेल पर उड़ान मेरे लिए एक अविस्मरणीय अनुभव है।

इस शक्तिशाली विमान ने मुझमें राष्ट्र की रक्षा क्षमताओं के प्रति गर्व की एक नई भावना जगाई है।

मैं इस उड़ान के सफल आयोजन के लिए भारतीय वायु सेना और अंबाला स्टेशन की पूरी टीम को बधाई देती हूं।राष्ट्रपति मुर्मू की राफेल उड़ान को नारी सशक्तिकरण का प्रतीक माना जा रहा है। उन्होंने उड़ान से पहले मौजूद अधिकारियों और जवानों का अभिवादन स्वीकार किया। इस अवसर पर वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्रपति ने पायलटों और अधिकारियों से बातचीत की और सलामी गारद का निरीक्षण भी किया।

उड़ान से पहले राष्ट्रपति को विमान की तकनीकी जानकारी दी गई और उनका व्यापक मेडिकल चेकअप किया गया। अंबाला वायुसेना स्टेशन का चयन इसलिए भी महत्वपूर्ण रहा क्योंकि फ्रांस से प्राप्त राफेल विमानों की पहली स्काड्रन यहीं वायुसेना में शामिल की गई थी।यह उड़ान न केवल राष्ट्रपति मुर्मू के लिए गौरवपूर्ण क्षण थी, बल्कि भारतीय वायुसेना और देश की महिलाओं के लिए प्रेरणा का प्रतीक बन गई।

भारत-चीन सीमा विवाद सुलझने की दिशा में बड़ा कदम

सैन्य कमांडरों की वार्ता में सकारात्मक सहमति

सीमा पर शांति और स्थिरता के लिए जोर

सीमा मुद्दों के स्थायी समाधान की दिशा में प्रगति

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत और चीन के बीच बुधवार को कोर कमांडर स्तर की 23वीं दौर की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। भारतीय विदेश मंत्रालय की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, चर्चा बेहद सकारात्मक माहौल में हुई और दोनों देशों ने सीमा क्षेत्रों में शांति एवं स्थिरता बनाए रखने पर जोर दिया। बैठक को भारत-चीन संबंधों में सामान्य स्थिति की ओर बढ़ने की अहम कड़ी माना जा रहा है। इसी सप्ताह, वर्ष 2020 के बाद पहली बार दोनों देशों के बीच सीधी उड़ान सेवा बहाल हुई। कोरोनाकाल के बाद दोनों देशों के संबंधों में तनाव पैदा हुआ, विशेषकर गलवन घाटी में सैन्य संघर्ष के बाद। बीते एक वर्ष में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग दो बार मिल चुके हैं, जिससे रिश्तों में सुधार संभव हुआ है।

▶10पर

चुनाव आयोग का डिजिटल दांव

अब एक क्लिक में मिलेगा हर चुनावी सवाल का जवाब

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

चुनाव आयोग ने मतदाताओं की सुविधा के लिए एक और डिजिटल पहल की है। अब नागरिक राष्ट्रीय मतदाता हेल्पलाइन नंबर 1950 और ईसीआईनेट प्लेटफ़ॉर्म के ज़रिए चुनाव संबंधी हर जानकारी और शिकायत का समाधान पा सकेंगे।

आयोग ने ङ्गबुक-अ-कॉल विद बीएलओफ सुविधा भी शुरू की है, जिससे मतदाता सीधे अपने बूथ लेवल अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। चुनाव आयोग के अनुसार, यह व्यवस्था शिकायत निवारण प्रणाली को और पारदर्शी, त्वरित और नागरिक-केंद्रित बनाएगी। हेल्पलाइन सुबह 8 से रात 8 बजे तक टोल-फ्री नंबर 1800-11-1950 पर संचालित होगी।

इसके साथ ही आयोग ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में राज्य और जिला संपर्क केंद्र स्थापित करने के निर्देश दिए हैं, जहाँ क्षेत्रीय भाषाओं में सहायता उपलब्ध रहेगी।

सभी शिकायतें अब राष्ट्रीय शिकायत सेवा पोर्टल पर दर्ज और ट्रैक की जाएँगी, जिससे नागरिकों को अपने प्रश्नों का 48 घंटे के भीतर समाधान मिल सकेगा।

डिजिटल पोर्ट्स की दिशा में तेजी से बढ़ रहा देश : मोदी

वैश्विक मैरीटाइम शक्ति के रूप में भारत, समुद्री नीति और व्यापार का केंद्र

मुंबई, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मुंबई में ग्लोबल मैरीटाइम लीडर्स कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 2025 भारत के समुद्री क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक वर्ष साबित हो रहा है। 85 से अधिक देशों की भागीदारी और अरबों रुपये के प्रोजेक्ट्स एवं एमओयू इस क्षेत्र में भारत के बढ़ते वैश्विक विश्वास को रेखांकित करते हैं। उन्होंने कहा कि 2016 में मुंबई में शुरू हुआ यह आयोजन अब वैश्विक मंच बन चुका है, जो समुद्री नीति, व्यापार, और तकनीक पर विचार-विमर्श का केंद्र है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, सम्मेलन में 85 से अधिक देशों की भागीदारी हमारे साझा संकल्प और भारत के नेतृत्व को उजागर करती है। हर लीडर यहां समुद्री सहयोग और विश्वास का प्रतीक

हैं। सम्मेलन के दौरान कई बड़े समुद्री प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और लाखों-करोड़ों रुपए के एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए, जिनमें बंदरगाह विकास, शिपबिल्डिंग, ग्रीन शिपिंग, डिजिटल नेविगेशन और समुद्री सुरक्षा से जुड़े प्रोजेक्ट शामिल हैं।

▶10पर

अदालतों में आरोप तय करने में देरी पर एससी सख्त, कहा

अब पूरे देश के लिए जारी होंगे स्पष्ट दिशा-निर्देश

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को देशभर की अदालतों में आपराधिक मामलों में आरोप तय करने में हो रही लंबी देरी पर गहरी चिंता जताई है। अदालत ने कहा कि यह देरी न्याय प्रणाली की दक्षता पर गंभीर सवाल खड़े करती है। कई बार आरोपी सालों तक जेल में बंद रहते हैं, लेकिन मुकदमा शुरू ही नहीं हो पाता।

जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एन.वी. अंजारिया की पीठ ने एक मामले की सुनवाई के दौरान टिप्पणी की कि देशभर में ऐसे अनेक मामले हैं, जिनमें चार्जशीट दाखिल हुए 3-4 साल बीत चुके हैं, फिर भी मुकदमा शुरू नहीं हुआ। अदालत ने संकेत दिया कि वह अब इस समस्या पर पूरे देश के लिए समान दिशा-निर्देश जारी करने पर विचार कर रही है, ताकि इस प्रणालीगत देरी को समाप्त किया जा सके।

सुप्रीम कोर्ट ने सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ लूथरा को अमाइकस क्यूरी (न्यायालय मित्र) नियुक्त किया है। साथ ही भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अटॉर्नी जनरल से भी इस विषय पर न्यायालय की सहायता करने को कहा गया है। बिहार राज्य के वकील को भी इस प्रक्रिया में शामिल किया गया है। ▶10पर

अमित शाह का बेगूसराय में विपक्ष पर तीखा प्रहार

बिहार में न सीएम पद खाली न दिल्ली में पीएम पद

बेगूसराय, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बिहार विधानसभा चुनाव अभियान के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को बेगूसराय में एक बड़ी जनसभा को संबोधित करते हुए विपक्ष पर जोरदार हमला बोला। शाह ने कहा, लालू जी अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं और सोनिया गांधी चाहती हैं कि उनका बेटा प्रधानमंत्री बने। लेकिन बिहार में मुख्यमंत्री पद खाली नहीं है और दिल्ली में प्रधानमंत्री पद भी खाली नहीं है। अब आपके बेटों का नंबर नहीं लगने वाला।

अपने भाषण की शुरुआत में शाह ने राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर को श्रद्धांजलि दी और कहा कि दिनकर जी ने जयप्रकाश नारायण के साथ मिलकर आपातकाल के खिलाफ जनांदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। शाह ने आरोप लगाया कि लालू-राबड़ी का शासन बिहार को एक बार फिर ङ्गजंगलराजफ की ओर ले जाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि कभी औद्योगिक पहचान वाला बेगूसराय, लालू-राबड़ी शासन में अपराध और अपहरण की राजधानी बन गया था। गृह मंत्री ने कहा, 15 साल तक बिहार की धरती खून और हिंसा से लाल रही, लेकिन एनडीए सरकार ▶10पर

भारत वापस लाया गया 64 हजार किलो सोना

अब देश की धरती पर सुरक्षित रखेगा रिज़र्व बैंक

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय रिज़र्व बैंक ने देश की आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए पिछले छह महीनों (मार्च से सितंबर 2025) के दौरान विदेशों में रखा अपना करीब 64,000 किलो यानी 64 टन सोना भारत वापस मंगा लिया है। यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जब दुनिया भर में भू-राजनीतिक तनाव, आर्थिक अस्थिरता और सैंक्शन की आशंकाएं बढ़ रही हैं।

आरबीआई का मानना है कि देश में सोना रखने से वैश्विक संकट या व्यापार प्रतिबंध जैसी परिस्थितियों में भारत की आर्थिक मजबूती और वित्तीय स्वायत्तता बनी रहेगी। यानी भारत अब अपने विदेशी मुद्रा भंडार और सोने के भंडार पर खुद का पूर्ण नियंत्रण रख सकेगा, बिना किसी बाहरी संस्थान की दखल के।

रूस, ईरान और वेनेजुएला जैसे देशों पर पश्चिमी प्रतिबंधों से सबक लेते हुए भारत ने यह फैसला जोखिम प्रबंधन और रणनीतिक विविधीकरण के तहत लिया है। आरबीआई की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर 2025 के अंत तक केंद्रीय बैंक के पास कुल 880.8 टन सोना है। ▶10पर

म्यांमार से थाईलैंड पहुंचे सैकड़ों भारतीय हिरासत में

सुरक्षित वापसी के लिए भारत सक्रिय

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि म्यांमार से थाईलैंड में प्रवेश करने वाले कई भारतीय नागरिकों को थाई अधिकारियों ने हिरासत में लिया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि बैंकॉक स्थित भारतीय दूतावास स्थानीय एजेंसियों के साथ मिलकर हिरासत में लिए गए लोगों की पहचान और सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने में जुटा है।

यह पलायन म्यांमार के सीमावर्ती क्षेत्र म्यावाड्डी के पास स्थित ङ्गकेके पार्कफ ऑनलाइन धोखाधड़ी केंद्र पर सैन्य छापे के बाद हुआ। कार्रवाई के डर से लगभग 1,000 लोगों, जिनमें करीब 500 भारतीय शामिल हैं, ने थाईलैंड के माई सोत शहर की ओर पलायन किया।

इनमें से कई लोग मानव तस्करी और झूठे रोजगार के झांसे में फँसे हुए थे। थाई अधिकारियों ने अस्थायी शिविरों में भोजन और चिकित्सा जैसी मानवीय सहायता की व्यवस्था की है।

भारत सरकार ने कहा है कि थाईलैंड के साथ समन्वय में सभी भारतीय नागरिकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी सुनिश्चित की जाएगी।

कार्टून कॉर्नर

पानी का सबसे भयानक दानव

रूस ने किया पोसीडॉन परमाणु टॉरपीडो का परीक्षण

मॉस्को, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

रूस ने एक बार फिर दुनिया को हिलाकर रख देने वाला सैन्य परीक्षण किया है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने घोषणा की है कि देश ने पानी के भीतर चलने वाले परमाणु ड्रोन 'पोसीडॉन टॉरपीडो' का सफल परीक्षण किया है - जिसे दुनिया का सबसे खतरनाक और विनाशकारी हथियार कहा जा रहा है।

पोसीडॉन की लंबाई करीब 60 फीट, वजन 90 टन और गति 115 किलोमीटर प्रति घंटा बताई जा रही है।

यह पानी के भीतर 1 किलोमीटर की गहराई तक जा सकता है और 2 मेगाटन तक के परमाणु या पारंपरिक वॉरहेड ले जा सकता है - यानी हिरोशिमा पर गिराए गए परमाणु बम से 133 गुना ज्यादा शक्तिशाली।

इसमें लगा छोटा न्यूक्लियर रिएक्टर इसे अनलिमिटेड रेंज देता है। यह समुद्र के भीतर हजारों किलोमीटर दूर तक जाकर बिना किसी रडार में पकड़े दुश्मन के

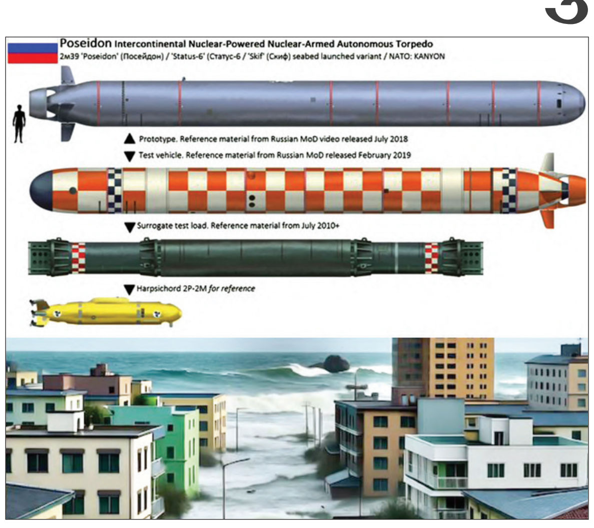

तटीय शहरों को तबाह कर सकता है। रूसी सैन्य विशेषज्ञों के अनुसार, यदि पोसीडॉन को लॉन्च किया जाए तो यह 500 मीटर ऊँचाई तक रेडियोएक्टिव सुनामी पैदा कर सकता है, जिससे कोई भी समुद्री शहर दशकों तक रहने योग्य नहीं रहेगा। पुतिन ने इस परीक्षण को रूस की आक्रामक रक्षा नीति का हिस्सा बताया और कहा कि इसकी ताकत सरमत इंटरकॉन्टिनेंटल मिसाइल ('सातान 2') से भी कहीं अधिक है।

यह रूस का एक सप्ताह में दूसरा परमाणु हथियार परीक्षण है। हाल ही में पुतिन ने बुरेवेस्तनिक न्यूक्लियर मिसाइल के सफल परीक्षण का ऐलान किया था।

2018 में पहली बार दुनिया को पोसीडॉन की झलक दिखाई गई थी, जिसे अब रूस की अगली पीढ़ी का पावरहाउस हथियार माना जा रहा है - ऐसा हथियार जो किसी भी पश्चिमी डिफेंस सिस्टम को मात दे सकता है।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,23,970/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,51,160/- (प्रति किलोग्राम)

सौंदर्य वही, जो भीतर की शांति और आत्मविश्वास से दमके: बबिता रायसोनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो लेडीज विंग बेंगलूरु साउथ द्वारा सक्षम के तत्वावधान में जीतो कार्यालय में मेकअप कार्यशाला ग्रेसफुली ग्लैम, आत्मविश्वास और आंतरिक सौंदर्य का उत्सव, का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आधुनिक, आत्मविश्वासी और सौम्य महिला के व्यक्तित्व को निखारने का एक सशक्त प्रयास था। जहाँ सौंदर्य केवल चेहरे का नहीं, आत्मा का भी उत्सव बना।

कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र और दीप प्रज्वलन से हुई, जिसने पूरे वातावरण में सकारात्मकता और ऊर्जा का संचार किया। चेयरपर्सन बबिता रायसोनी ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का हार्दिक स्वागत किया। अपने प्रेरक और भावनात्मक स्वागत भाषण में उन्होंने कहा- सौंदर्य वही, जो भीतर की शांति और आत्मविश्वास से दमके।

नवरसों में एक रस है शृंगार रस, जो व्यक्ति को सुंदर दर्शाता है। बाह्य सुंदरता भी आज कुछ अपेक्षित है, जो जीवन की आंतरिक सुंदरता के लिए माध्यम बन सकती है। ग्रेसफुली ग्लैम केवल मेकअप सीखने का अवसर नहीं, बल्कि स्वयं को पहचानने और आत्मसम्मान के भाव को पुनः जागृत करने का अवसर है। उन्होंने आगे कहा जीवन भी मेकअप की तरह है, इसमें धैर्य, प्रेम और आत्मविश्वास का सही मिश्रण ही सौंदर्य रचता है। जब हम खुद से प्रेम करते हैं, तो वही प्रेम हमारे व्यक्तित्व से झलकता है और दुनिया को सुंदर बना देता है। उनके इन शब्दों ने उपस्थित सभी महिलाओं के मन को गहराई से छुआ और हर चेहरे पर एक मुस्कान तथा आत्मविश्वास की चमक बिखेर दी। इसके बाद वाइस चेयरपर्सन एवं संयोजक लता बोहरा ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए प्रशिक्षक का परिचय कराया और कहा कि हर्षा चोपड़ा अग्रवाल केवल एक मेकअप आर्टिस्ट नहीं, बल्कि वे स्त्री की सहज सुंदरता को आत्मविश्वास में बदलने की कला जानती हैं। कार्यक्रम का संचालन जीवंतता और ऊर्जा से भरपूर अस्मिता चौहान ने किया। प्रसिद्ध सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट हर्षा चोपड़ा अग्रवाल ने अपने सहज अंदाज और गहन अनुभव से पूरे सत्र को जीवंत बना दिया। भारी मांग को देखते हुए यह कार्यशाला दो बैचों में 190 मेंबर्स के लिए आयोजित की गई ताकि हर प्रतिभागी को सीखने और प्रशिक्षक से संवाद का पूरा अवसर मिल सके। हर्षा ने सत्र की शुरुआत त्वचा की बनावट, उसकी देखभाल और अलग-अलग प्रकार की त्वचा पर पानी के तापमान के प्रभाव से की। उन्होंने बताया कि सौंदर्य की पहली सीढ़ी स्वस्थ त्वचा है और इसके लिए क्लेंजिंग, मॉइश्चराइज़र, सनस्क्रीन और टोनर का नियमित प्रयोग आवश्यक है। उन्होंने प्रेप और ग्लो के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि परिपक्व त्वचा पर भी सही तैयारी से प्राकृतिक चमक लाई जा सकती है। फ्लॉलेस बेस के जरिए उन्होंने मेलेज़्मा और पिगमेंटेशन को छिपाने की तकनीक सिखाई। ब्लश और लिफ्ट, सत्र में उन्होंने बताया कि हल्के कॉन्टूरिंग और सही ब्लशिंग से चेहरा तुरंत ताज़ा और जीवंत लग सकता है। उन्होंने, योर परफेक्ट मैच, की अवधारणा के माध्यम से यह सिखाया कि हर स्त्री की त्वचा अद्वितीय है और उसी के अनुरूप उत्पाद चुनना ही सच्ची सुंदरता का रहस्य है। हर्षा ने दो अलग अलग मॉडलों पर लाइव मेकअप प्रदर्शन किया, एक साफ़, युवा त्वचा और दूसरी परिपक्व, दाग धब्बों वाली त्वचा पर। उन्होंने दिखाया कि आत्मविश्वास और सही तकनीक से हर चेहरे में निखार लाया जा सकता है। उन्होंने आई मेकअप, चेहरे के हल्के शेड्स और ड्रेस के अनुसार लिपस्टिक के रंग चयन के महत्व को भी विस्तार से समझाया। उनकी कलर पैलेट प्रस्तुति ने प्रतिभागियों को मोहित कर दिया, क्योंकि यह हर स्त्री के दैनिक जीवन में उपयोगी थी। पूरा वातावरण उत्साह, सौंदर्य और आत्मविश्वास से भरा हुआ था। महिलाएँ केवल मेकअप नहीं सीख रही थीं, वे स्वयं को फिर से देखना, समझना और सराहना सीख रही थीं। ग्रेसफुली ग्लैम वास्तव में केवल मेकअप कार्यशाला नहीं थी, यह हर स्त्री के भीतर की रोशनी को बाहर लाने की एक खूबसूरत यात्रा थी। कार्यक्रम का समापन उल्लासपूर्ण माहौल में हुआ। हर चेहरे पर चमक और आँखों में आत्मविश्वास की झिलमिलाहट थी। ट्रेजरर संगीता पारख, वनिता बचावत, तरुणा मेहता, निशा कोठारी, नीतू गुलेचा और अर्पिता लढ़ानी का संयोग रहा। अंत में संगीता सियाल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

छठ पूजा में उमड़ा आस्था का सैलाब, दीपों से चमका छठ घाट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्वजन सेवा सहयोग के तत्वावधान में इस वर्ष छठ पूजा महोत्सव का आयोजन अत्यंत भव्यता और श्रद्धा के साथ मनाया गया। छठ घाट पर सूर्योदय से पहले ही श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा और पूरे परिसर में छठ मैया के गीतों की मधुर गूंज वातावरण को भक्तिमय बनाती रही। संध्या अर्घ्य के दौरान व्रतधारियों ने डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया।

वहीं प्रातःकालीन बेला में उगते सूर्य देव को अर्घ्य देकर महोत्सव का विधिवत समापन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न लोकप्रिय भजनों व छठ गीतों ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। इस अवसर पर विधायक के.आर.पुरम बैरती बसवराज, श्रीराम, रामाकृष्णा सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने छठ पूजा की अद्भुत भव्यता की प्रशंसा करते हुए स्वजन सेवा सहयोग के सामाजिक कार्यों को सराहा। संगठन के अध्यक्ष ने पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए टीम और सभी श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा- यह हमारी संस्कृति और एकता का प्रतीक है। सभी साथियों के सहयोग से ही यह आयोजन ऐतिहासिक बन पाया है। भीड़ को देखते हुए विधायक ने भविष्य में छठ घाट के विस्तार का आश्वासन भी दिया। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा, स्वच्छता व व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखा गया, जिसे उपस्थित जनों द्वारा खूब सराहा गया। महोत्सव के अंत में स्वजन सेवा सहयोग एवं पदाधिकारियों ने सभी श्रद्धालुओं को छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और संगठन द्वारा निरंतर समाज सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ पूजा महोत्सव सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री नवदुर्गा पूजा समिति द्वारा शहर के मुनीश्वरा लेआऊट, होंगसन्द्रा बेगूर में आयोजित लोक आस्था एवं सूर्योपासना के महापर्व छठ पूजा के चौथे दिन मंगलवार को छठ व्रतधारियों ने उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर भगवान दीनानाथ से अपने जीवन में सुख-समृद्धि व शांति की प्रार्थना करते हुए व्रत का समापन किया। शनिवार को नहाय खाय से प्रारंभ हुए छठ पूजा महोत्सव के तीसरे दिन सोमवार की शाम छठ व्रत रखने वाली महिलाओं ने अपनी अपनी वेदियों पर धूप-दीप, नैवेद्य एवं फल इत्यादि चढ़ाकर विधि-विधानपूर्वक पूजन किया और छठ पूजा के लिए बनाए गये अस्थायी जलाशय में स्नान कर अस्ताचल गामी भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। इस अवसर पर छठी मैया के लोकगीतों के साथ ही महिलाओं ने मंगलगीत भी गाये, जिससे माहौल भक्तिमय हो गया। अगले दिन मंगलवार को भोर में ही व्रती महिलाओं के साथ परिवार के पुरुष व बच्चे भी उगते हुए सूर्यदेव को अर्घ्य देने के लिए पहुँचे। छठ व्रतधारियों ने पूजा अर्चना के बाद जलाशय में उतरकर अपने परिवार के साथ ही साथ लोक कल्याण के मंगल की कामना से भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर व्रत का समापन किया तथा छठी मैया की जय-जयकार से वातावरण गुंजायमान हो उठा। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष चंदन उपाध्याय, उपाध्यक्ष शिबू प्रसाद प्रहराज, सचिव लवकुश शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यगण, गणमान्य लोग तथा बड़ी संख्या में छठी मैया के भक्त सपरिवार मौजूद थे।

हुब्बल्ली में पहली बार तेरापंथ हस्तकला उत्सव का आयोजन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ धर्मसंघ के इतिहास में पहली बार हुब्बल्ली में तेरापंथ हस्तकला उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में संस्कार स्कूल के संस्थापक अध्यक्ष समाजसेवी महेंद्र सिंघी ने किया। आयोजन में तेरापंथ युवक परिषद, हुब्बल्ली की सक्रिय भूमिका रही।

मुनि विनीत कुमार ने कहा कि तेरापंथ हस्तकला प्रदर्शनी एक अनोखी पहल है, जिसमें साधु-साध्वियों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प और चित्रकला के अद्भुत नमूने प्रदर्शित किए जाते हैं। इन कलाओं में सूक्ष्म अक्षर लिपि, चित्र शिल्प, सिलाई-रंगाई शिल्प और गुंथाई शिल्प जैसी अनेक विधाएँ शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी जीवन के मानवीय और आध्यात्मिक मूल्यों की अभिव्यक्ति है। जैन धर्म में यह कलात्मक परंपरा सदियों से चली आ रही है, जिसे तेरापंथ धर्मसंघ ने नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है। मुनि पुनीत कुमार ने तेरापंथ हस्तकला के विकास, उद्देश्य और इसकी साधनात्मक महत्ता पर विस्तार से जानकारी दी। उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि महेंद्र सिंघी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी प्रदर्शनी देखना मेरा सौभाग्य है। पूज्य मुनि विनीत कुमार जी के सान्निध्य में आयोजित इस प्रदर्शनी ने जैन समाज की कला, साधना और संस्कृति को निकट से समझने का अवसर दिया है। प्रदर्शनी में अनेक आकर्षक कलाएँ प्रदर्शित की गईं जिसके सूक्ष्म अक्षर लिपि में भीमद् भगवद्गीता, चौबीसी और पंचसूत्र जैसी कृतियों का लेखन, चित्र शिल्प में बुद्धिपरीक्षा, स्वर्ग और नरक तथा कर्म जगत के प्रतिफल विषयों पर चित्रांकन, पीपल के पत्तों पर चित्रांकन और सिलाई-रंगाई शिल्प में काष्ठ पात्र, नारियल की टोपसी, रजोहरण खोली जैसी हस्तनिर्मित वस्तुएँ, गुंथाई शिल्प में डोरिया और रंगीन जालीदार मालाएँ प्रदर्शनी का विशेष आकर्षण 500 से 800 वर्ष पुराने हस्तलिखित भक्तामर स्तोत्र और कल्याण मंदिर स्तोत्र रहे, जिन्होंने दर्शकों का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया।यह दो दिवसीय प्रदर्शनी नूतन वास-पूज्य भवन, केशवपुर, हुब्बल्ली में आयोजित की गई, जहाँ आगंतुकों ने कला, अध्यात्म और परंपरा के सुंदर संगम का अनुभव किया।

आचार्य मानजीस्वामी की जन्म जयंती मनाई

जहां से मिले वहां से गुणों को करें ग्रहण: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि गुणी मनुष्य की महिमा गाई जाती है। मानव जैसा भी है अगर उसमें गुण हैं तो एक न एक दिन उसकी पहचान होगी।

मनुष्य कितना भी सुंदर हो, कितना भी धनी हो। अगर गुणवान नहीं है तो सब मामला गड़बड़ है। संसार हो या स्वर्ग गुणी कि हर जगह पूछ होती है। जिसको गुण और ज्ञान प्राप्त हो गया, वह मनुष्य अहंकार से बहुत दूर हो जाता है।

अज्ञानी मानव थोड़ा सा ज्ञान होने पर अहंकार करने लगता है। लेकिन गुणी मानव ऐसा कभी नहीं करता है। जहां गुण और ज्ञान है वहां अहंकार नहीं होना चाहिए। इसलिए जहां से मिले वहां से गुण और ज्ञान प्राप्त कर लेना चाहिए। जब मनुष्य को अंतर ज्ञान प्राप्त हो जाता है तो वह संसार से मुक्त होने की कोशिश करने लगता है। संसार में मनुष्य का नहीं बल्कि उसके गुणों का आदर होता है। मानव कितना भी धनी हो, अगर ज्ञान नहीं है तो सब बेकार है। गुणी मनुष्य समय को समझते हुए आगे बढ़ने का कार्य करता है। गुरुदेव ने फरमाया कि भाग्य के बिना कुछ नहीं मिलता है। अगर भाग्य है तो बिना मांगे सब मिल जाता है। अच्छे बुरे कर्मों के हिसाब से ही मानव का भाग्य बदलता है। इस लिए अच्छा समय हो तो अच्छे कार्य करते हुए गुणों को ग्रहण करते रहो।

इसी बीच गुरुदेव के सानिध्य में आचार्य मानजीस्वामी की जन्म जयंती, दीक्षा दिवस और पुण्यतिथि मनाई गई। गुरुदेव ने फरमाया कि आचार्य मानजीस्वामी मेवाड़ के बहुत ही पुण्यवान संत हुए। उनका जन्म देवगढ़ में हुआ। उन्होंने 9 वर्ष की उम्र में दीक्षा ग्रहण की। कातीसुदी 5 को उनका जन्म हुआ। उसी दिन उन्होंने दीक्षा ली और उसी दिन उनका महानिर्वाण हुआ। मानजी स्वामी बहुत ही विनयवान और बहुत ही प्रतापी साधु थे। उनके भक्त उन्हें भगवान के रूप में पूजते हैं। जीवन में गुणवान मनुष्य को ही सम्मान मिलता है। अज्ञानी मानव कुछ नहीं कर पाता है। जहां ज्ञान नहीं वहां कुछ नहीं होता हैं। इसलिए मानव को जहां से हो वहां से ज्ञान प्राप्त कर लेना चाहिए। अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने सभी का स्वागत किया एवं कार्याध्यक्ष कांतिलाल तातेड़ ने आभार व्यक्त किया। संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड ने किया।

गोपाष्टमी महोत्सव पर गायों की सेवा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु सेंट्रल द्वारा आयोजित गोपाष्टमी महोत्सव ने रविवार को श्याम गौशाला, बनेरघट्टा रोड पर आस्था, भक्ति और मानवीय करुणा का अद्वितीय वातावरण निर्मित किया। यह आयोजन केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का जीवंत उदाहरण बन गया। कार्यक्रम में लगभग 85 श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दिनभर चले इस आयोजन में गौ दान, हवन, पूजन, 56 भोग और महाप्रसाद का भव्य आयोजन हुआ। पूरे परिसर में भक्ति और आनंद की लहर दौड़ गई। कार्यक्रम की सफलता में गौतम लोहिया, आयुष भिमसारिया, रोशन सुल्तानिया, पवन केजरीवाल, गोपाल गोयल तथा गौशाला के अध्यक्ष सतीश गोयल और मैनेजर संपत शर्मा का विशेष योगदान रहा। उनके संयुक्त प्रयासों से यह आयोजन श्रद्धा और समर्पण का प्रतीक बन सका। श्रद्धालुओं ने प्रेमपूर्वक गौमाता को ताजा आहार खिलाया और अपने हाथों से सेवा कर गौ-भक्ति का जीवंत अनुभव किया। हर सहभागी के चेहरे पर संतोष और आत्मिक आनंद की झलक थी। उपस्थित जनों ने कहा कि गौ पूजा और गौ सेवा का यह अनुभव उन्हें आत्मिक शांति और जीवन की सरलता का गहरा संदेश देता है। इसने समाज में पशु-संरक्षण, करुणा और कृतज्ञता की भावना को पुनः जागृत किया है। आयोजकों ने कहा कि गौ दान महोत्सव केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सांस्कृतिक जागृति और सामाजिक जिम्मेदारी का पर्व है। यह गाय के प्रति हमारी कर्तव्यनिष्ठा की पुनः स्मृति कराता है और आधुनिक जीवन में प्रकृति, पर्यावरण और मानवीय संवेदनाओं के संतुलन की दिशा में प्रेरणा देता है।

जहाँ थोड़ी सी भी पीड़ा या दुःख हो, वहाँ हिंसा है : साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि भगवान महावीर की सत्य साधना, सत्य से साक्षात्कार भगवान महावीर किसी गुरुकुल अथवा स्कूल में पढ़ने नहीं गये।

कोई किताब नहीं पढ़ी, फिर भी वे सत्य के अपूर्व शोधार्थी और महान् वक्ता थे। उनकी वाणी में असत्य को कहीं स्थान नहीं था क्योंकि उन्होंने वाह्य पदार्थ-जगत की बजाय आन्तरिक जगत का अन्वेषण-विश्लेषण किया। बारह वर्षों तक मौन साधना की। बहुत तपे। उपसर्ग सहे। सत्य को प्रकट करना उनका लक्ष्य था। घाती कर्मों का आवरण हटने पर रोशनी प्रकट हुई। वे उस स्थिति को प्राप्त हो गये, जहाँ समस्त जगत प्रत्यक्ष हो जाता है। महावीर ने सत्य को पहले अन्तस्तल से जाना, फिर उसका उपदेश दिया। उन्होंने आत्मज्ञान के अलोक में जो भी जाना-देखा-समझा, उसे शब्दों के माध्यम से जन-जन के कल्याण हेतु प्रसारित व प्रचारित किया। साधना के परिणामस्वरूप जो अमृत-घट उन्हें उपलब्ध हुआ, उसे कल्याणार्थ सभी को बांटा। प्रभु महावीर ने कहा-हर जीव स्वतंत्र है। जब जीव जीवन-दान देने में समर्थ नहीं है तो किसी के जीवन को छीनने का भी उसे कोई हक नहीं है। वह उद्दण्डता में बदलकर हिंसा का रूप धारण कर लेती है। स्वतंत्रता के संदेश ने अहिंसा को व्यापक रूप दिया। जहाँ किसी को थोड़ी सी भी पीड़ा या दुःख हो, प्राणों का हनन हो, वहाँ हिंसा है। वहाँ इसलिये अपने व्यवहार को इतना संतुलित संयमित बनाओ कि छोटे से छोटे जीव को भी जरा सी भी तकलीफ न हो। उनकी करूणा मनुष्य जाति तक ही नहीं बल्कि अबोल पेड़-पौधे, नदी-नाले,पर्वत-झरणे, खेत-खलिहान,धरती-आकाश के साथ-साथ अणु-अणु तक फैली। सत्य और अहिंसा के इस सिद्धांत ने जीवन को नैतिकता और आध्यात्मिकता के पथ पर गतिशील किया। सत्य के स्वर स्वतः मुखर हुए और कण-कण से अहिंसा की अनुगूंज प्रकट हुई। महेंद्र जैन ने बताया कि बेंगलुरु से अशोक बगानी,विजया बगानी,

विपिन पोरवाल, भारती पोरवाल, तोशीका जैन, भाविन जैन का बहुमान सुरेश पोरवाल, राजेंद्र पोरवाल, महेंद्र जैन, भावेश संघवी, भवरलाल जैन ने किया। महिलाओं का बहुमान नीलू जैन ने किया। राजु भंडारी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

हमने सिद्धारमैया को पांच साल के लिए मुख्यमंत्री चुना : गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य में संभावित सत्ता परिवर्तन और दलित मुख्यमंत्री की माँग पर चल रही बहस के बीच, कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने कहा कि कांग्रेस ने सिद्धारमैया को पाँच साल के लिए मुख्यमंत्री चुना है। उन्होंने कहा कि 2023 में जब उन्होंने कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) का नेता चुना था, तब मुख्यमंत्री के कार्यकाल की कोई सीमा नहीं थी। मंगलवार को पत्रकारों से बात करते हुए परमेश्वर ने कहा- हमने सिद्धारमैया को पाँच साल के लिए मुख्यमंत्री चुना है। हालाँकि, इस बीच अगर पार्टी आलाकमान कोई बदलाव करने का फैसला करता है, तो यह उन पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि

रोज़-रोज़ बयान देना ठीक नहीं है।

उन्होंने कहा, यह स्पष्ट होना चाहिए और मैं इस बारे में पार्टी आलाकमान से अपील करूँगा। परमेश्वर ने कहा कि विभिन्न दलित संगठन दलित मुख्यमंत्री की माँग कर रहे हैं। क्या इसमें कुछ ग़लत है? वे अपनी राय व्यक्त करते हैं। उद्योग मंत्री एमबी पाटिल के इस बयान की ओर ध्यान दिलाए जाने पर कि परमेश्वर और सतीश जारकीहोली मुख्यमंत्री बनने में सक्षम हैं, परमेश्वर ने कहा कि कांग्रेस में कई नेता सक्षम हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस एक प्रशिक्षण केंद्र की तरह है। हम यहाँ से लोगों को प्रशिक्षित करते हैं और उन्हें विभिन्न दलों में भेजते हैं। हमारे पास कई सक्षम नेता हैं और पार्टी आलाकमान तय करेगा कि किसे मुख्यमंत्री बनाया जाए। परमेश्वर ने कहा कि आलाकमान ने उन्हें प्रस्तावित दलित सम्मेलन स्थगित करने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा, पार्टी के हित में हम इसके लिए सहमत हुए थे। उन्होंने कहा कि दलित समुदाय हमेशा कांग्रेस के साथ रहेगा। उन्होंने आगे कहा, अगर हम सभी एकजुट रहना चाहते हैं, तो हमें समय-समय पर सम्मेलन आयोजित करने और दलित समुदाय को सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली योजनाओं के बारे में सूचित करने की आवश्यकता है। हमें समुदाय की बात सुननी चाहिए और उन्हें भविष्य के लिए आश्वासन देना चाहिए।

कर्नाटक कांग्रेस में कोई नवंबर क्रांति नहीं: सतीश

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

आंतरिक असंतोष की बढ़ती अटकलों का कड़ा खंडन करते हुए, लोक निर्माण मंत्री सतीश जरकीहोली ने सोमवार को घोषणा की कि राज्य कांग्रेस में किसी भी नवंबर क्रांति की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे या अजित पवार प्रकरण जैसी किसी भी बगावत की संभावना को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया। मंगलवार को बेंगलुरु में पत्रकारों से बात करते हुए, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के करीबी सतीश ने नेतृत्व परिवर्तन और संभावित मंत्रिमंडल फेरबदल की अफवाहों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि अंततः सभी मामलों का फैसला कांग्रेस आलाकमान ही करेगा। मंत्री ने कहा, सभी कांग्रेस में रहेंगे... कोई कहीं नहीं जा रहा है। केवल एकनाथ शिंदे हैं, और केवल एक अजित पवार। उनके जैसा कोई और

नहीं उभर सकता। कर्नाटक में ऐसे नेताओं का उभरना असंभव है। कांग्रेस नेतृत्व सार्वजनिक रूप से एकता का दावा करता है, लेकिन आंतरिक बारीकियाँ अंतर्निहित तनाव की ओर इशारा करती हैं। प्रमुख नेताओं ने एक समान सार्वजनिक रुख अपनाया है, हालाँकि एक विधायक ने आगे संभावित बदलावों के संकेत दिए हैं।

हाल के दिनों में, राजनीतिक हलकों में नवंबर क्रांति शब्द का चलन बढ़ गया है, जिसका इशारा अगले महीने सरकार के ढाई साल पूरे होने पर संभावित नेतृत्व परिवर्तन की ओर है। सतीश ने इन बातों को खारिज करते हुए कहा, पार्टी आलाकमान ऐसी किसी नवंबर क्रांति की अनुमति नहीं देगा।

नेतृत्व की इस चर्चा के बीच, दलित मुख्यमंत्री की मांग भी फिर से उभर आई है। इस बारे में पूछे जाने पर, सतीश ने इस भावना को स्वीकार किया, लेकिन दोहराया कि कांग्रेस आलाकमान पार्टी के सर्वोत्तम हित के आधार पर अंतिम निर्णय लेगा। इस आंतरिक चर्चा में एक और मोड़ तब आया जब मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बेटे यतींद्र ने हाल ही में मंत्री जरकीहोली को अपने पिता के वैचारिक उत्तराधिकारी के रूप में पेश किया। हालाँकि, बाद में यतींद्र ने स्पष्ट किया कि उनकी टिप्पणी विचारधारा को लेकर थी, न कि मुख्यमंत्री पद को लेकर, जबकि सतीश ने भी इस टिप्पणी को कमतर आँका।

यू टी खादर ने भ्रष्टाचार के आरोपों को खारिज किया, लिखित सबूत मांगे

मंगलुरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष यू टी खादर ने कहा है कि उनके या उनके कार्यालय के खिलाफ भ्रष्टाचार या अनियमितताओं का आरोप लगाने वाला कोई भी व्यक्ति बेंगलुरु स्थित उनके कार्यालय में आकर अपनी शिकायतें लिखित रूप में दे सकता है। उन्होंने कहा, किसी भी व्यक्ति को कोई प्रश्न हो तो वह मेरे कार्यालय आकर अपनी शिकायतें लिखित रूप में दे सकता है। मैं किसी भी चर्चा के लिए तैयार हूँ। अध्यक्ष का पद एक संवैधानिक पद है और मैं राज्य में कहीं से भी आने वाले आरोपों का लगातार जवाब नहीं दे सकता। अगर वे लिखित रूप में अपनी शिकायतें देते हैं, तो मैं

स्पष्टीकरण दूँगा। खादर ने कहा कि उन्होंने आरोपों पर ध्यान दिया है। उन्होंने कहा, ईर्ष्या का कोई इलाज नहीं है। विकास कार्य जारी रहेंगे। चूँकि मैं एक ज़िम्मेदार पद पर हूँ, इसलिए मैं अध्यक्ष पद और विधानसभा की गरिमा बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास करूँगा। डॉ. शेट्टी के इस आरोप पर कि विधान सौध के लाउंज को मसाज पार्लर में बदल दिया गया है, खादर ने कहा, यह सुनिश्चित करना मेरा कर्तव्य है कि विधायकों को उनकी जरूरत की सभी सुविधाएँ मिलें। मैं आने वाले दिनों में भी उनके लिए अच्छी सुविधाएँ प्रदान करता रहूँगा। अगर उन्हें मुझ पर आरोप लगाने में मज़ा आता है, तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है। आरोप मेरे लिए नए नहीं हैं। विधायक बनने के बाद से ही मैं इनका सामना कर रहा हूँ। ऐसे आरोपों को पार करके ही मैं इस मुकाम तक पहुँचा हूँ। मुझे विश्वास है कि मेरे निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता मुझे अच्छी तरह जानते हैं। संभावित मंत्रिमंडल फेरबदल और उन्हें नई जिम्मेदारी दिए जाने की अफवाहों के मुद्दे पर, अध्यक्ष ने कहा कि ऐसा कोई प्रस्ताव उनके संज्ञान में नहीं आया है।

स्विस कंपनियों और शोध संस्थानों ने कर्नाटक के क्वांटम सिटी विकास में रुचि दिखाई : मंत्री एन.एस. बोसराजू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

लघु सिंचाई, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री एन.एस. बोसराजू ने कहा कि क्वांटम प्रौद्योगिकी क्षेत्र की स्विस कंपनियों और प्रमुख शोध संस्थानों ने बेंगलुरु में प्रस्तावित क्वांटम सिटी में साझेदारी के अवसरों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है।

बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, मंत्री ने कहा कि कर्नाटक सरकार बेंगलुरु को क्वांटम क्षेत्र के लिए वैश्विक केंद्र बिंदु के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से कई कार्यक्रमों को लागू कर रही है। देश के पहले क्वांटम सम्मेलन में घोषणा के बाद, राज्य सरकार ने क्वांटम सिटी के लिए भूमि आवंटित कर दी है। अपनी

हालिया स्विट्जरलैंड यात्रा के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा कि शहर के विकास पर ईटीएच ज्यूरिख और सीईआरएन सहित प्रमुख वैश्विक क्वांटम अनुसंधान संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा हुई। मंत्री ने बताया कि कर्नाटक ने भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) के सहयोग से कुशल क्वांटम मानव संसाधन विकसित करने के लिए पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। उन्होंने राज्य में नए शोध के लिए विशेषज्ञ प्रतिभाओं की उपलब्धता और अनुकूल वातावरण पर जोर दिया। मंत्री ने कहा, ईटीएच ज्यूरिख बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. माइकल हेंगार्टनर ने शोध परियोजनाओं में सहयोग के हमारे अनुरोध पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। कर्नाटक ने स्विसनेक्स क्वांटम शिखर सम्मेलन में भाग लिया, जहाँ प्रतिनिधिमंडल ने प्रमुख वैश्विक क्वांटम कंपनियों के प्रतिनिधियों को निवेश के अवसरों के बारे में जानकारी प्रदान की। प्रस्तावित क्वांटम सिटी का एक प्रदर्शन भी प्रदर्शित किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने ईटीएच ज्यूरिख का दौरा किया, जो अल्बर्ट आइंस्टीन के शोध से जुड़ा एक प्रसिद्ध संस्थान है। मंत्री ने ईटीएच ज्यूरिख क्वांटम सेंटर के विश्व-प्रसिद्ध निदेशकों - प्रो. एंड्रियास वॉलराफ, प्रो. जोनाथन होम और प्रो. क्लॉस एन्सलिन - जो 20 से अधिक वर्षों से सुपरकंडक्टिंग क्यूबिट और ट्रैप्ड आयन सिस्टम अनुसंधान में अग्रणी हैं, को आगामी क्वांटम इंडिया सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया।

मंत्री ने बताया कि ईटीएच ज्यूरिख विश्वविद्यालय की प्रयोगशालाओं में कई शोध नवाचारों को सफलतापूर्वक स्टार्टअप्स में परिवर्तित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधिमंडल को क्वांटम सिटी में इसी तरह के पारिस्थितिकी तंत्र को अपनाने और सहयोग के अनुरोध के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। ज्यूरिख इंस्ट्रूमेंट्स के दौरे के दौरान, क्वांटम कंप्यूटिंग विकास के लिए आवश्यक उपकरणों के निर्माण के बारे में जानकारी एकत्र की गई। मंत्री ने आगे घोषणा की कि यह संस्थान कर्नाटक के शोध छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए सहमत हो गया है।

आरएसएस मार्च पर शांति बैठक हंगामे के साथ समाप्त

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।

चित्तपुर में 2 नवंबर को आरएसएस द्वारा आयोजित पथ संचलन के मुद्दे का समाधान खोजने के लिए मंगलवार को आयोजित शांति समिति की बैठक गतिरोध और हंगामे के साथ समाप्त हो गई।

क्योंकि संघ का विरोध करने वाले संगठन उसी दिन और उसी समय अपने-अपने मार्च निकालने पर अड़े रहे। कलबुर्गी की उपायुक्त फौजिया तरन्नुम की अध्यक्षता में यह बैठक कर्नाटक उच्च न्यायालय की कलबुर्गी पीठ द्वारा ऐसी बैठक आयोजित करने के निर्देश के बाद आयोजित की गई थी, जिसमें आरएसएस सहित अन्य संगठनों को समाधान खोजने के लिए आमंत्रित किया गया था। उपायुक्त ने आरएसएस, भीम आर्मी और भारतीय दलित पैंथर सहित 10 संगठनों को आमंत्रित किया। बैठक दोपहर 12 बजे शुरू हुई और इसमें कलबुर्गी के पुलिस अधीक्षक अडुरु श्रीनिवासलु, कलबुर्गी के पुलिस आयुक्त शरणप्पा एसडी, जिला पंचायत के सीईओ भमवरसिंह मीणा, चित्तपुर के तहसीलदार नागय्या हिरेमठ और अन्य शामिल हुए। उत्तर प्रांत के आरएसएस बौधिक प्रमुख कृष्ण जोशी ने कहा किआरएसएस किसी भी संगठन द्वारा रैली आयोजित करने का विरोध नहीं करता।

लेकिन चूँकि यह पहले लागू होता है, इसलिए इसे प्राथमिकता दी जानी चाहिए, उन्होंने कहा। उन्होंने बैठक में कहा, आरएसएस एक शांतिप्रिय संगठन है जिसने कर्नाटक के 500 से ज़्यादा शहरों और कस्बों में पथ संचलन आयोजित किए हैं। कहीं भी कानून-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न नहीं हुई है। हम चित्तपुर में अपने पथ संचलन के दौरान भी शांति बनाए रखने का आश्वासन देते हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या किसी संगठन ने पथ संचलन के दौरान लाठी ले जाने का विरोध किया, उन्होंने कहा कि कुछ संगठनों ने आरएसएस पंजीकरण और लाठी ले जाने का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा, हमने उनका जवाब नहीं दिया है क्योंकि ज़िला आरएसएस के बारे में पूरी तरह से जानता है।

भीम आर्मी, भारतीय दलित पैंथर और अन्य दलित संगठनों ने आरएसएस की रैली की अनुमति का विरोध किया और बैठक में कहा कि अगर आरएसएस को अनुमति दी जाती है, तो वे भी उसी दिन और उसी समय विरोध मार्च निकालेंगे। भाजपा दलित विंग के नेता अंबरया अस्तगी ने कहा कि लाठी ले जाना आरएसएस के ड्रेस कोड के अंतर्गत आता है। उन्होंने कहा कि आरएसएस को रैली आयोजित करने की अनुमति दी जानी चाहिए और उसके कार्यकर्ताओं को लाठी लेकर चलने की अनुमति दी जानी चाहिए। सौहार्द वेदिके नेता नीला के और आरके हुडगी ने सुझाव दिया कि रूट मार्च पर बैठक अगले महीने के लिए स्थगित कर दी जानी चाहिए।

आरएसएस विरोधी संगठनों के सदस्यों ने कहा कि अस्तगी आरएसएस कार्यकर्ता नहीं हैं और उन्हें आरएसएस की ओर से बोलने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। हंगामा बढ़ने पर उपायुक्त ने बैठक समाप्त कर दी। बैठक कक्ष से बाहर आकर आरएसएस विरोधी संगठनों ने इसके खिलाफ नारे लगाए। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि उच्च न्यायालय की कलबुर्गी पीठ के 24 अक्टूबर के निर्देशों के अनुसार, जिला प्रशासन को 28 अक्टूबर तक या उससे पहले शांति समिति की बैठक आयोजित करनी चाहिए और 30 अक्टूबर को अदालत को एक रिपोर्ट सौंपनी चाहिए।

डीके शिवकुमार ने बीजेपी पर साधा निशाना

हमने वही पैसा भेजा जो श्रीरामुलु ने बिहार चुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी को दिया था

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि भाजपा नेताओं को बेंगलुरु के विकास की कोई चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि श्रीरामुलु ने कांग्रेस पार्टी को पैसा दिया और उसे बिहार चुनाव के लिए भेज दिया। उन्होंने कहा कि सुरंग सड़क परियोजना पर तकनीकी विशेषज्ञों की एक टीम फैसला लेगी। शिवकुमार ने बुधवार को केपीसीसी कार्यालय में मीडिया के सवालों का जवाब दिया। सांसद तेजस्वी सूर्या के इस बयान के बारे में पूछे जाने पर कि वह सुरंग सड़क नहीं बनने देंगे, उन्होंने कहा, मैं इस मुद्दे पर तकनीकी विशेषज्ञ नहीं हूँ। वह भी विशेषज्ञ नहीं हैं। इसलिए तकनीकी विशेषज्ञों की एक अलग टीम है। वे कह रहे हैं कि शहरी रेल परियोजना होनी चाहिए। इसे होने दीजिए, इसमें कुछ भी गलत

नहीं है। उन्होंने कहा, इसके लिए केंद्र सरकार द्वारा आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा, हमारे अपने राज्य के सोमन्ना केंद्रीय मंत्री हैं। उन्हें उनकी मदद लेने दीजिए, उन्हें जो करना है करने दीजिए। अगर वह लड़ना चाहते हैं, तो लड़ने दें या नहीं, किसने कहा? तेजस्वी सूर्या और अशोक के अलावा, भाजपा में कोई और नेता बोल नहीं रहा है। स्टील ब्रिज की तरह सुरंग सड़क परियोजना के भी धराशायी होने के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने कहा, हम अपना काम करेंगे। हमारी रुचि देखकर, लोग हमारे प्रयासों का समर्थन कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि हमारा काम पूरा होगा। नवंबर क्रांति, मुख्यमंत्री परिवर्तन और दलित मुख्यमंत्री पर मंत्रियों की चर्चा के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने कहा, मेरा आपसे अनुरोध है कि आप बेवजह की बातों में न पड़ें। जब उनसे पूछा गया कि क्या राहुल गांधी इस महीने की 20 तारीख को राज्य का दौरा करेंगे और कांग्रेस कार्यालय की आधारशिला रखेंगे, तो उन्होंने बताया, तारीख अभी तय नहीं हुई है। मैंने एक अनुरोध प्रस्तुत किया है। कार्यालय निर्माण स्थल के दस्तावेज़ तैयार किए जा रहे हैं। आलाकमान के नेताओं ने मुझसे यह रिपोर्ट देने को कहा है कि इस कार्यालय के निर्माण में किसने रुचि दिखाई है, जिसमें मंत्री, सांसद, जिला कांग्रेस अध्यक्ष शामिल हैं, और किसने नहीं। मैं एक रिपोर्ट तैयार कर रहा हूँ और मुझे उसे भेजना है। फिर वे तारीख तय करेंगे।

कर्नाटक में चक्रवात मोंथा का असर, राज्य के कई जिलों में बारिश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक में भी चक्रवात मोंथा का असर दिखने लगा है. मोंथा के प्रभाव से राज्य के कई जिलों में बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने राज्य के 12 जिलों में येलो अलर्ट का ऐलान किया है। उत्तरी आंतरिक क्षेत्रों में भारी बारिश की संभावना है, जबकि दक्षिणी जिलों में मध्यम बारिश होगी। मौसम विभाग ने कहा है कि बेंगलूरु में मध्यम बारिश होगी। मौसम विभाग ने उत्तर कन्नड़, गडग, धारवाड़, हावेरी, बेलगाम, कोप्पल, रायचूर, बागलकोट, विजयपुरा, बीदर, कलबुर्गी और यादगीर जिलों के लिए येलो अलर्ट घोषित किया है। मौसम विभाग ने कहना है कि दक्षिण कन्नड़, उत्तर कन्नड़ और उडुपी के तटीय जिलों में 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से लगातार हवाओं के साथ बारिश होगी। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर-पूर्वी मानसून उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में सक्रिय रहा और तटीय

कर्नाटक एवं दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में सामान्य रहा. तटीय कर्नाटक के अधिकांश स्थानों और आंतरिक कर्नाटक के कई स्थानों पर वर्षा हुई। मौसम विभाग का कहना है कि बीदर, रायचूर, विजयपुरा और यादगीर जिलों में गरज के साथ भारी बारिश की संभावना है। बेल्लारी, दावणगेरे, चित्रदुर्ग, शिवमोग्गा, चिक्कमगलुरु और विजयनगर जिलों में मध्यम बारिश होगी, जबकि बेंगलुरु (ग्रामीण), बेंगलूरु (शहरी), चामराजनगर, चिक्कबल्लापुर, हसन, कोडागु, कोलार, मांड्या, मैसूर और तुमकुर जिलों में शुष्क मौसम रहेगा। बेंगलुरु शहर में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और बारिश की संभावना कम है। शहर का अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, हवा की गति 15-25 किलोमीटर प्रति घंटा रहेगी। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को दक्षिण कन्नड़, उडुपी और उत्तर कन्नड़ जिलों में अधिकांश स्थानों पर मध्यम वर्षा और निरंतर हवा (30-40 किमी प्रति घंटे) चलने की संभावना है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 30 अक्टूबर को उडुपी और उत्तर कन्नड़ जिलों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। दक्षिण कन्नड़ जिले में कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा होने की संभावना है।

31 अक्टूबर को दक्षिण कन्नड़, उडुपी और उत्तर कन्नड़ जिलों में एक या दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार एक नवंबर को दक्षिण कन्नड़, उडुपी और उत्तर कन्नड़ जिलों में एक या दो स्थानों पर हल्की बारिश होने की संभावना है।

आने वाले महीनों में इंडिया पोस्ट में दिखेंगे कई बड़े परिवर्तन: सिंधिया

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज नई दिल्ली में डाक विभाग की तिमाही व्यवसाय समीक्षा बैठक 2025-26 की अध्यक्षता की। चार घंटे चली इस बैठक में देशभर के 23 डाक परिमंडलों के अधिकारी शामिल रहे। यह वर्ष की दूसरी समीक्षा बैठक थी, पहली बैठक 15 जुलाई 2025 को हुई थी, जिसने संगठन में प्रदर्शन-आधारित और नवाचार-प्रधान कार्य संस्कृति की दिशा तय की थी।

बैठक के दौरान विभाग के छह प्रमुख क्षेत्रों में जुलाई से सितंबर 2025 तक की प्रगति, उपलब्धियों और चुनौतियों की समीक्षा की गई। सिंधिया ने विभाग के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि दूसरी तिमाही में विभाग ने 80% राजस्व लक्ष्य हासिल किया है यानी 4,184 करोड़ के लक्ष्य में 3,325 करोड़ का राजस्व दर्ज किया गया है। इसी तरह, अर्धवार्षिक लक्ष्य 8,772 करोड़ में से 6,633 करोड़ की उपलब्धि दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय सुधार है।

23 डाक परिमंडलों में से दिल्ली (149%) और तेलंगाना (112%) सर्वोच्च प्रदर्शनकर्ता रहे, जबकि 16 परिमंडलों ने अपने लक्ष्य का 70 से 99 प्रतिशत तक हासिल किया। केन्द्रीय मंत्री ने ओडिशा, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र, केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश के परिमंडलों में लक्षित सुधार के निर्देश दिए तथा दिल्ली और तेलंगाना के मॉडलों से सीखने पर जोर दिया।

सिंधिया ने कहा कि तकनीक ही परिवर्तन की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने निर्देश दिया कि आईटी 2.0 के सकारात्मक प्रभाव को सिटिजन सेंट्रिक सर्विसेज और पीओएसबी सिस्टम के अलावा अन्य संचालन इकाइयों में भी फैलाया जाए। उन्होंने बताया कि जनवरी और मार्च 2026 में छह नए उत्पाद लॉन्च किए जाएंगे, जो डाक विभाग के नवाचार और दक्षता को नई दिशा देंगे।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि डाक विभाग को अब एक आधुनिक लॉजिस्टिक्स संगठन के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिसमें पार्सल और मेल सेवाएं कुल राजस्व का न्यूनतम 75% हिस्सा देंगी। उन्होंने सभी परिमंडलों के मुख्य डाकमहाप्रबंधकों को निर्देश दिया कि वे मासिक समीक्षा बैठकें करें और पार्सल, मेल, अंतरराष्ट्रीय मेल व वैश्विक कारोबार, आरपीएलआई/पीएलआई, नागरिक सेवाएं और पीओएसबी सहित सभी छह प्रमुख वर्टिकल्स में प्रदर्शन का मूल्यांकन करें।

उन्होंने अधिकारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपने काम को सिर्फ प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि एक व्यवसायिक इकाई के रूप में नेतृत्व करें। उन्होंने कहा कि आप सभी केवल अधिकारी नहीं, बल्कि एक व्यवसाय चला रहे प्रमुख कार्यकारी अधिकारी (उएजी) हैं।

सिंधिया ने यह भी कहा कि सभी परिमंडल अपने संचालन की तुलना निजी क्षेत्र की कंपनियों से करें और प्रतिस्पर्धा एवं मूल्य शृंखला विश्लेषण के माध्यम से दक्षता और नवाचार को बढ़ाएं। उन्होंने अगले पाँच वर्षों में सरकारी और निजी व्यवसाय के बीच 20:80 अनुपात प्राप्त करने का लक्ष्य रखा, जिससे विभाग का राजस्व स्रोत अधिक विविध और स्थायी बन सके।

सिंधिया ने ग्रामीण डाक सेवकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनकी मेहनत, समर्पण और सफल कहानियों को व्यापक रूप से साझा किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इंडिया पोस्ट की असली ताकत हमारे ग्राम डाक सेवक हैं, जो देश के हर कोने में सेवा और भरोसे का संदेश पहुंचाते हैं।

बैठक के दौरान सिंधिया ने कहा कि आने वाले कुछ महीने इंडिया पोस्ट के लिए परिवर्तनकारी साबित होंगे। हम पूरे देश में डाक ढांचे के व्यापक आधुनिकीकरण की दिशा में अग्रसर हैं। 'प्रोजेक्ट ऐरो' को नई ऊंचाई पर ले जाकर इंडिया पोस्ट को एक विश्वस्तरीय लॉजिस्टिक्स संगठन के रूप में स्थापित किया जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि डाक सेवा ही जन सेवा की भावना के साथ सभी अधिकारियों को एक-दूसरे के साथ निरंतर संवाद और सहयोग बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि हम नियमित रूप से मिलें, अनुभव साझा करें और जिन क्षेत्रों में चुनौतियां हैं, उन पर चर्चा करें ताकि समाधान खोजा जा सके।

बैठक का समापन करते हुए सिंधिया ने सभी अधिकारियों से आह्वान किया कि वे 'वोकल फॉर लोकल' और 'लोकल टू ग्लोबल' की भावना के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि मेरा उद्देश्य है कि हमारे अधिकारी अपनी सुविधा के दायरे से बाहर निकलकर नई सोच और नई ऊर्जा के साथ काम करें। हम सब मिलकर इंडिया पोस्ट को नागरिक-केंद्रित, सेवा-प्रधान और भविष्य के लिए तैयार संगठन बनाएंगे।

आंध्र प्रदेश में तबाही

चक्रवात मोंथा काकीनाडा तट से टकराया

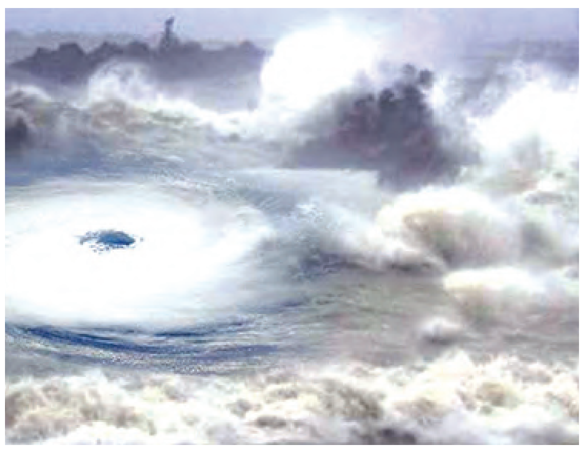

तेज हवाओं और बारिश से मचा कहर

काकीनाडा/विशाखापट्टनम, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

आंध्र प्रदेश में बुधवार सुबह चक्रवात मोंथा के टकराने से कई तटीय जिलों में तबाही मच गई। मौसम विभाग के अनुसार, चक्रवात ने काकीनाडा तट पर 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दस्तक दी, जिससे पेड़ उखड़ गए, बिजली आपूर्ति बाधित हुई और कई जगहों पर भारी नुकसान हुआ। कृष्णा, मछलीपट्टनम, और अल्लूरी सीताराम राजू जिलों में भारी बारिश के साथ तेज हवाएं चलीं। अल्लूरी जिले में एक पेड़ गिरने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हुए हैं। राज्य आपदा प्रबंधन दलों को राहत कार्यों के लिए तैनात किया गया है। आईएमडी ने कहा कि तूफान के कमजोर पड़ने के बावजूद यह दक्षिण भारत में अगले कुछ दिनों तक व्यापक वर्षा लाएगा।

तमिलनाडु, पुडुचेरी और कन्याकुमारी में अगले 6 दिनों तक मध्यम से भारी बारिश की संभावना जताई गई है। मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है।

चेन्नई सहित तटीय इलाकों में आपात नियंत्रण कक्ष सक्रिय कर दिए गए हैं। स्थानीय प्रशासन को नदियों और जलाशयों में जलस्तर की निगरानी करने और बाढ़-प्रवण क्षेत्रों में निवारक कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं।

लोकतंत्र की सुरक्षा के लिए एसआईआर पर दो नवंबर को बैठक, सभी दल शामिल हों: स्टालिन

चेन्नई, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बुधवार को कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर दो नवंबर को होने वाली सर्वदलीय बैठक लोकतंत्र को सुरक्षित रखने का एक प्रयास है और सभी दलों को राजनीतिक मतभेद भुलाकर इसमें शामिल होना चाहिए।

द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और उसके सहयोगी एसआईआर का विरोध करते रहे हैं। निर्वाचन आयोग द्वारा हाल ही में तमिलनाडु सहित अन्य चुनाव वाले राज्यों में अगले महीने से पुनरीक्षण लागू करने की घोषणा के बाद सरकार ने आगे की कार्रवाई तय करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई है।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस अभ्यास के माध्यम से तमिलनाडु के लोगों के मतदान के अधिकार को छीनने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, मैं इस मंच से दो-हराता हूं कि मतदान लोकतंत्र का आधार है।

हम इसे किसी भी कीमत पर कुर्बान नहीं करेंगे। हम मतदान के अधिकार छीनने और वोट चोरी जैसे भाजपा के प्रयासों पर काबू पाएंगे और तमिलनाडु के लोगों के मतदान के अधिकार की रक्षा करेंगे।

स्टालिन ने कहा कि केरल हमारे साथ जुड़ गया है, उनका स्पष्ट संदर्भ उस राज्य के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के एसआईआर के विरोध से था। प्रस्तावित सर्वदलीय बैठक के बारे में स्टालिन ने कहा, लोकतंत्र की रक्षा के उद्देश्य से किए जा रहे इस प्रयास में सभी राजनीतिक दलों को अपने राजनीतिक मतभेद भुलाकर भाग लेना चाहिए।

जयशंकर ने यूरोपीय प्रतिनिधिमंडल से एफटीए पर चर्चा की, 2025 अंत तक समझौता लक्ष्य

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को नई दिल्ली में यूरोपीय संसद की अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समिति के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की और अभिसरण को अधिकतम करने और सहयोग को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल के साथ अपनी बैठक के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर तस्वीर पोस्ट की। उन्होंने लिखा, गुरुवार को दिल्ली में यूर-ोपीय संसद की अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समिति (आईएनटीए) के प्रतिनिधिमंडल से मिलकर प्रसन्नता हुई। चर्चा हुई कि भारत और यूरोपीय संघ अभिसरण को कैसे अधिकतम कर सकते हैं और सहयोग को कैसे गहरा कर सकते हैं। इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था में स्थिरता आ सकती है और लोकतांत्रिक ताकतें मजबूत हो सकती हैं। भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का शीघ्र समापन इन उद्देश्यों में बड़ा बदलाव ला सकता है। इससे पहले 26-28 अक्टूबर को ब्रुसेल्स यात्रा पर रहे केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यूरोपीय व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफ्कोविक से एफटीए के लंबित मुद्दों पर सार्थक बातचीत की थी।

आधिकारिक बयान में कहा गया, फरवरी 2025 में आयुक्तों के कॉलेज की नई दिल्ली यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के स्पष्ट निर्देशों का पालन करते हुए, दोनों पक्षों ने 2025 के अंत तक भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को संपन्न करने की अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

यह बातचीत एक ऐसे व्यापार समझौते पर हुई जो दोनों पक्षों को फायदा दे, संतुलित हो और निष्पक्ष हो। यह समझौता भारत और यूरोपीय संघ के बीच गहरा भरोसा और मजबूत रणनीतिक रिश्ते दिखाएगा। साथ ही, दोनों एक-दूसरे की संवेदनशील बातों और प्राथमिकताओं का पूरा सम्मान करेंगे।

पिछले महीने, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ टेलीफोन पर बातचीत की थी। इस दौरान उन्होंने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वार्ता को शीघ्र पूरा करने और भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक (आईएमईईसी) गलियारे के कार्यान्वयन के लिए साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

बीजापुर में 51 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण 20 पर कुल 66 लाख रुपये का इनाम

बीजापुर, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई में एक बड़ी सफलता के रूप में छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में बुधवार को सुरक्षा बलों के सामने 51 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया, जिनमें 20 नक्सलियों पर कुल 66 लाख रुपये का इनाम घोषित था। अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण, जिसमें नौ महिला नक्सली भी शामिल थीं, राज्य सरकार द्वारा जारी शांति और पुनर्वास प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। बीजापुर के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव के अनुसार, माओवादी सरकार की पुनर्वास नीति और क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों से प्रेरित थे। यादव ने कहा कि हिंसा का रास्ता छोड़ने का उनका फैसला राज्य सरकार के शांति, संवाद और विकास के माध्यम से नक्सलवाद के उन्मूलन के चल रहे अभियान में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

आत्मसमर्पण करने वालों में पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) बटालियन संख्या 01 और कंपनी संख्या 01, 02 और 05 के पाँच सदस्य शामिल थे। एसपी ने बताया कि इस समूह में क्षेत्रीय समितियों और प्लाटून के सात सदस्य, स्थानीय संगठन दस्ते (एलओएस) के तीन सदस्य, एक मिलिशिया प्लाटून कमांडर, 14 मिलिशिया प्लाटून सदस्य और 20 निचले स्तर के कार्यकर्ता भी शामिल थे। अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले कई कार्यकर्ता हिंसक घटनाओं में शामिल थे और बीजापुर तथा आसपास के जिलों के आंतरिक वन क्षेत्रों में सक्रिय थे। उनके आत्मसमर्पण से क्षेत्र में माओ-ोवादी नेटवर्क के संगठनात्मक ढांचे के काफी कमजोर होने की आशंका है।

बस्तर रेंज पुलिस की पूना मार्गेम पहल पूरे छत्तीसगढ़ में ज़ोर पकड़ रही है, जहाँ कई पूर्व नक्सलियों ने अपने हिंसक संघर्ष को जारी रखने के बजाय आत्मसमर्पण करने का विकल्प चुना है। कई नक्सलियों ने शांतिपूर्ण जीवन की चाह, बेहतर आजीविका के अवसर और सरकार की पुनर्वास नीतियों में विश्वास को अपने इस फैसले के प्रमुख कारण बताया है। पुलिस अधीक्षक यादव ने बताया कि जनवरी 2024 से अब तक बीजापुर में 650 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है, जबकि 196 मुठभेड़ों में मारे गए और 986 अन्य गिरफ्तार किए गए।

पीएम मोदी का विजन शानदार

2047 तक भारत को पांचवां सबसे बड़ा शिपबिल्डर बनने का लक्ष्य व्यवहारिक : एनरिको

मुंबई, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत में इटली के राजदूत एंटोनियो एनरिको ने बुधवार को कहा कि विजन शब्द प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जुड़ा हुआ है। उनके पास हर सेक्टर के भविष्य के लिए शानदार विजन है और वह परिणामों पर आधारित होता है। देश की आर्थिक राजधानी में 'इंडिया मैरीटाइम वीक 2025' के साइडलाइन में समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भारत एक मैरीटाइम पावर के रूप में विकसित होना चाहता है और 2047 तक दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा शिपबिल्डर बनने का लक्ष्य काफी व्यवहारिक लगता है। बोथरा शिपिंग के कैप्टन धनंजय कुमार ने समाचार एजेंसी से कहा कि मैरीटाइम ग्रोथ को लेकर प्रधानमंत्री का विजन बिल्कुल स्पष्ट है। प्रधानमंत्री मोदी 2016 से ही इस क्षेत्र को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और इस दौरान देश ने वधावन, विझिंजम, पारादीप सहित कई समुद्री पोर्ट्स में बड़ा विस्तार देखा है।

उन्होंने आगे कहा कि पोर्ट्स, लॉजिस्टिक्स और रेल संपर्क के विकास से भारत को अधिक माल ढुलाई को कुशलतापूर्वक संभालने में मदद मिल रही है। प्रधानमंत्री मोदी का विजन 2047 मैरीटाइम सेक्टर को एक बड़ा बढ़ावा देगा, जिससे यह साबित होगा कि भारत ट्रेड और शिपिंग में ग्लोबल लीडर बन सकता है।

इंडियन मैरीटाइम यूनिवर्सिटी की वाइस चांसलर मालिनी वी. शंकर ने कहा कि कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने एमआईवी 2030 का जिक्र किया, जो कि लगभग पांच साल पहले शुरू किया गया था।

सोनम वांगचुक की पत्नी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को नोटिस, 10 दिनों में मांगा जवाब

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे आंगमो की याचिका पर सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने सोनम वांगचुक को हिरासत में रखने के फैसले पर केंद्र सरकार और लद्दाख प्रशासन से जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने 10 दिनों के भीतर जवाब देने का निर्देश दिया है। याचिका में गीतांजलि वांगचुक ने अपने पति सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी को चुनौती दी है।

जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने केंद्र सरकार और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा और मामले की सुनवाई 24 नवंबर तक टाल दी। पीठ ने गीतांजलि अंगमो की ओर से पेश वकील कपिल सिब्बल को भी अगर कोई है तो, जवाबी हलफनामा दाखिल करने की इजाजत भी दे दी।

इससे पहले गीतांजलि आंगमो ने सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली एक संशोधित याचिका दायर करने की मांग की थी। जिसे सुप्रीम कोर्ट ने मंजूर कर दिया और 15 अक्टूबर को पूर्व की याचिका पर सुनवाई टाल दी थी। सोनम वांगचुक फिलहाल राजस्थान के जोधपुर की सेंट्रल जेल में बंद हैं। इससे पहले, सिब्बल ने कोर्ट से अनुरोध किया था कि वांगचुक को अपनी पत्नी के साथ कुछ नोट्स शेयर करने की अनुमति दी जाए। जिस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोई आपत्ति नहीं जताई थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मंजूरी दे दी थी।

सोनम वांगचुक को 26 सितंबर को सख्त राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत हिरासत में लिया गया था। 24 सितंबर को लद्दाख को राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची का दर्जा देने मांग को लेकर लद्दाख में विरोध प्रदर्शन हुए, जो हिंसक हो गए। इस हिंसा में चार लोग मारे गए थे और 90 घायल हो गए थे। सरकार ने सोनम वांगचुक पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाते हुए हिरासत में ले लिया था।

प्रदेश को मिले तीन नए निजी विवि

संभल, फतेहपुर और बाराबंकी में होंगे शुरू, कैबिनेट ने लगाई मुहर

लखनऊ, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रदेश सरकार ने बुधवार को तीन निजी विश्वविद्यालयों के संचालन व स्थापना को हरी झंडी दे दी है। इसके लिए उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने इन विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों को बुधवार को संचालन प्राधिकारपत्र और आशयपत्र प्रदान किए।

इनमें राधा गोविंद विश्वविद्यालय चंदौसी, संभल व बोधिसत्व विश्वविद्यालय, बाराबंकी को संचालन प्राधिकारपत्र दिया गया। अब यहां प्रवेश लेकर पढ़ाई शुरू की जा सकेगी।

वहीं ठाकुर युगराज सिंह विश्वविद्यालय, फतेहपुर के प्रायोजक एंग्लो संस्कृत कॉलेज को विश्वविद्यालय के निर्माण के लिए आशयपत्र दिया गया। संस्था को पांच करोड़ रुपये की निधि और न्यूनतम 20 एकड़ भूमि की व्यवस्था करनी होगी।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि प्रदेश सरकार उच्च शिक्षा संस्थानों के विस्तार, कौशल आधारित शिक्षा और युवाओं के लिए स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण अध्ययन के अवसर उपलब्ध करा रही है। इन निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना से युवाओं को उनके आसपास ही उच्च शिक्षा, अनुसंधान और रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे। इस अवसर पर प्रमुख सचिव एमपी अग्रवाल, सचिव अमृत त्रिपाठी, विशेष सचिव गिरिजेश त्यागी आदि उपस्थित थे।

प्रदेश कैबिनेट द्वारा भदोही (संतकबीरनगर) में काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय को काशी नरेश विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित करने की हरी झंडी दे दी है। यह प्रदेश का 24वां राज्य विश्वविद्यालय होगा। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि ग्रामीण व पिछड़े क्षेत्रों के विद्यार्थियों को अपने ही जिले में कम शुल्क में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा मिले। दूसरी तरफ प्रदेश में अब तक 51 निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना भी की जा चुकी है।

चीनी मिल में आयकर विभाग की टीम ने मारा छापा, कर्मचारियों के फोन जब्त

बरेली , 29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बरेली के मीरगंज में धामपुर बायोआर्गेनिक लिमिटेड चीनी मिल में बुधवार तड़के पांच बजे के करीब आयकर विभाग की टीम ने छापा मारा। टीम के पहुंचते ही फैक्टरी परिसर में खलबली मच गई। टीम ने आते ही सभी कार्यकारियों के फोन जब्त कर लिए। कुछ देर के लिए बाहर से अंदर किसी को नहीं आने दिया गया। फिर बाद में कर्मचारियों का फोन जब्त करके अंदर प्रवेश दिया गया।

सूत्रों के अनुसार बरेली और लखनऊ दिल्ली से आई आयकर की संयुक्त टीम ने फैक्टरी में अचानक छापा मारा है। कार्रवाई के दौरान फैक्टरी के सभी गेट बंद करा दिए गए। किसी को भी अंदर या बाहर जाने की अनुमति नहीं दी गई।

टीम चीनी मिल में रिकॉर्ड, फाइलों एवं कंप्यूटर सिस्टम की गहन जांच कर रही है। आयकर अधिकारियों की नजर फैक्टरी से जुड़े वित्तीय लेन-देन और दस्तावेजों की पड़ताल पर है।

कार्रवाई के दौरान मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। फैक्टरी परिसर और आसपास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

मीडिया को भी बाहर के गेट से अंदर जाने नहीं दिया गया। शाम तक जांच जारी रही। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक यह कार्रवाई कर चोरी और वित्तीय अनियमितताओं की जांच से जुड़ी है।

रामपुर सीआरपीएफ कैंप हमला मामला

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 2008 हमले के सभी 5 आरोपी किए बरी, मौत की सजा पलटी

प्रयागराज, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 2008 के रामपुर सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर पर हुए आतंकी हमले से जुड़े एक महत्वपूर्ण फैसले में, निचली अदालत की ओर से चार दोषियों को दी गई मौत की सज़ा और एक दोषी को दी गई आजीवन कारावास की सज़ा को पलटते हुए सभी पांच आरोपियों को बरी कर दिया है। यह फैसला जस्टिस सिद्धार्थ वर्मा और जस्टिस राम मनोहर नारायण मिश्रा की खंडपीठ ने फैसला सुनाया।

यह मामला 31 दिसंबर 2007 की रात और 1 जनवरी 2008 की सुबह रामपुर सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर गेट नंबर-1 पर हुए आतंकी हमले से संबंधित है। इस हमले में सात सीआरपीएफ जवान (कांस्टेबल आनंद कुमार, हवलदार ऋषिकेश राय, हवलदार अफ़ज़ल अहमद, हवलदार रामजी सरन मिश्रा, कांस्टेबल मनवीर सिंह, कांस्टेबल देवेंद्र कुमार, और कांस्टेबल विकास कुमार) और एक रिक्शा चालक (किशन लाल) की मौत हो गई थी।

निचली अदालत, अतिरिक्त ज़िला एवं सत्र न्यायाधीश, रामपुर ने इस मामले में मोहम्मद शरीफ़, सबाउद्दीन, इमरान शहज़ाद, और मोहम्मद फ़ारूक को हत्या और अवैध हथियार रखने सहित अन्य गंभीर धाराओं में दोषी ठहराया था और उन्हें मौत की सज़ा सुनाई थी। वहीं, जंग बहादुर ख़ान को आजीवन कारावास की सज़ा दी गई थी। जांच में गंभीर खामियां पाते हुए सभी दोषियों की अपीलें स्वीकार कर लीं।

कोर्ट ने पाया कि जांच में कई गंभीर त्रुटियां थीं, जिन्होंने मामले की जड़ को प्रभावित किया। अभियोजन पक्ष मुख्य अपराधों के लिए आरोपियों के खिलाफ़ उचित संदेह से परे मामले को साबित करने में विफल रहा। जांच एजेंसियों ने मालखाने में हथियारों और गोला-बारूद के सुरक्षित रखरखाव से जुड़े सरकारी निर्देशों का पालन नहीं किया।

इन कारणों के आधार पर, हाईकोर्ट ने अपीलें स्वीकार कर लीं और सभी पाँचों आरोपियों को हत्या, आतंकवादी गतिविधियों और अन्य गंभीर धाराओं से बरी कर दिया। हालांकि, न्यायालय ने उन्हें आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-ए) के तहत दोषी माना। कोर्ट ने राज्य सरकार को जांच में हुई लापरवाही के लिए दोषी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ़ कानून के तहत कार्रवाई करने की छूट दी है।

31 दिसंबर 2007 की रात में नए वर्ष के जश्न पर आतंकियों ने ग्रहण लगा दिया था। आतंकियों ने सीआरपीएफ कैंप पर आतंकी हमला कर दिया था, जिसमें सात जवान शहीद हो गए थे। साथ ही एक-रिक्शा चालक की भी मौत हो गई थी। हमले की रिपोर्ट सिविल लाइंस कोतवाली के तत्कालीन दरोगा ओमप्रकाश शर्मा की ओर से दर्ज कराई गई थी। कोर्ट ने आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था।

विवेचना में पुलिस ने करीब दो सौ लोगों को गवाह बनाया था। जांच में यह सामने आया था कि लस्कर-ए-ताइबा के कमांडर सैफुल्ला ने पीओके में रामपुर सीआरपीएफ कैंप पर हमला करने के लिए आतंकी प्रशिक्षित किए थे। उस समय सैफुल्ला भारत के मोस्ट वांटेड हाफिज सईद का खास बताया गया था। हमले में गिरफ्तार पाक आतंकियों के कबूलनामे के बाद सैफुल्ला का नाम भी सामने आया था।

खुफिया विभाग के सूत्रों की माने तो रामपुर हमले में सैफुल्ला का नाम सामने आने पर जांच एजेंसियों ने उसे पकड़ने के लिए कोशिश की, लेकिन पाकिस्तान में होने की वजह से वह हाथ नहीं आ सका था।

पुलिस ने दो सौ लोगों को गवाह बनाया था, लेकिन कोर्ट में कुल 55 गवाह पेश हो पाए थे। इनमें से 38 गवाहों की गवाही सिर्फ सीआरपीएफ कांड के संबंध में हुई 17 की गवाही आरोपी फहीम अरशद पर दर्ज एक अन्य मामले में हुई।

कोर्ट ने नवंबर 2019 में पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) निवासी मोहम्मद फारुख, मधुबनी बिहार निवासी सबाउद्दीन उर्फ सबा, पीओके निवासी इमरान शहजाद उर्फ अब्बू जर्रार कामरू, मुरादबाद के मूढ़ापांडे निवासी जंग बहादुर और रामपुर के खजुरिया क्षेत्र निवासी मोहम्मद शरीफ को सीआरपीएफ आतंकी हमले का दोषी करार दिया था। जबकि, बरेली के बहेड़ी निवासी गुलाब खां और प्रतापगढ़ के कुंडा निवासी कौसर खां को बरी कर दिया था।

हमले के मामले में पाक अधिकृत कश्मीर के इमरान, मोहम्मद फारूख, मुंबई गोरे गांव के फहीम अंसारी, बिहार के मधुबनी का सबाउद्दीन सबा, प्रतापगढ़ के कुंडा के कौसर खां, बरेली के बहेड़ी के गुलाब खां, मुरादाबाद के मूंढापांडे के जंग बहादुर बाबा खान और रामपुर के खजुरिया गांव के मोहम्मद शरीफ को गिरफ्तार किया गया था। सभी को पुलिस ने 10 फरवरी 2008 को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। सभी को सुरक्षा के मद्देनजर लखनऊ और बरेली की जेलों में रखा गया था।

मुकदमे की सुनवाई के दौरान सभी को कड़ी सुरक्षा में यहां लाया जाता था। मुख्य मुकदमे में 38 की गवाही हुई, जबकि फहीम अंसारी पर अलग से चलाए गए फर्जी पासपोर्ट और पिस्टल बरामदगी मामले में भी 17 की गवाही हुई। 19 अक्तूबर को मुकदमे में बहस पूरी हो गई।

सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर पर हुए आतंकी हमले के मामले में कोर्ट ने छह दोषियों में से चार को फांसी की सजा सुनाई थी। वहीं दोषी जंग बहादुर को उम्रकैद तो वहीं फहीम को दस वर्ष की सजा सुनाई थी।

बता दें कि फहीम का नाम मुंबई में ताज होटल में हुए आतंकी हमले में भी आया था, हालांकि उसे बाद में बरी कर दिया गया था।

अतीक के बहनोई, वकील, ड्राइवर और नौकर की जमानत पर फैसला सुरक्षित

हाईकोर्ट में हुई सुनवाई

प्रयागराज, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बहुचर्चित उमेश पाल हत्याकांड में आरोपी माफिया अतीक अहमद के बहनोई डॉ अखलाख अहमद, वकील विजय मिश्रा, ड्राइवर कैश व नौकर नियाज़ की जमानत पर फैसला सुरक्षित कर लिया है। सभी आरोपियों की ओर से दाखिल अपराधिक अपील पर न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव की एकल पीठ सुनवाई कर रही है। मेरठ निवासी अतीक के बहनोई डॉ अखलाक अहमद पर हत्याकांड के बमबाज गुड्डू मुस्लिम को शरण देने का आरोप है। जबकि, बाकी मुल्जिमों पर हत्या की साजिश रचने का आरोप है। हत्याकांड के बाद से फरार बमबाज गुड्डू मुस्लिम पांच लाख का इनामी है। पुलिस का दावा है कि घटना को अंजाम देने के बाद इसने डॉ अखलाख के मेरठ स्थित घर पर शरण ली थी। मेरठ से गिरफ्तार एकलाख ने जमानत पर रिहाई के लिए सितम्बर 2023 में हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। डॉ अखलाक के अधिवक्ता के दलील दिया कि वह एफआईआर में नामजद नहीं है। वह पेशे से डॉक्टर है अपराध की दुनिया से उसका कोई वास्ता नहीं है। उसे केवल अतीक के रिश्तेदार होने के कारण फंसाया गया है। अतीक के वकील विजय पर उमेश पाल हत्याकांड में मुखबिरी करने का आरोप है। विजय की गिरफ्तारी लखनऊ से हुई थी। जमानत पर रिहाई की मांग करते हुए उनकी अधिवक्ता मंजू सिंह ने दलील कि उन्हें अतीक के वकील होने के कारण फंसाया जा रहा हैं। इसी तरह कैश व नियाज़ की ओर से भी बेगुनाह होने की दलीलें दी गई। उनके अधिवक्ता ने दलील दी कि कैश ड्राइवर था, जबकि काफी समय पहले से नौकरी छोड़ चुका था। कोई अपराधिक इतिहास नहीं है। नियाज़ के वकील ने भी उसे बेकसूर बताया। कहा कि उसका घटना से कोई सरोकार नहीं है। उसके पास से की बरामदगी नहीं है, न ही वह एफआईआर में नामजद है।

लंबी बहस में दौरान उमेश पाल की पत्नी जयपाल के अधिवक्त प्रवीण पांडे, सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल ने जमानत पर रिहाई का विरोध किया। कहा कि सभी आरोपी हत्याकांड में सक्रिय रूप से शामिल रहे है। अभी तक ट्रायल कोर्ट में आरोप निर्मित होने की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। मौजूदा समय में अतीक की इनामी बीबी शाइस्ता परवीन, अशरफ की बीबी जैनब व बमबाज गुड्डू मुस्लिम समेत कुल सात अन्य आरोपी फरार है।

आजम की मुश्किल फिर बढ़ी : आरपीएस मान्यता केस में पत्नी और सपा नेता पर आरोप तय

रामपुर, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सीतापुर जेल से रिहा होने के करीब एक माह बाद सपा नेता आजम खां पर फिर कानूनी शिकंजा कसा है। रामपुर पब्लिक स्कूल की मान्यता लेने में फर्जीवाड़ा करने पर कोर्ट में बुधवार को उन पर आरोप तय हुए। इस मामले में उनकी पत्नी डॉ. तजीन फात्मा व बीएसए दफ्तर के बाबू के खिलाफ भी आरोप तय किए गए हैं।

इससे पहले सपा नेता पत्नी के साथ कोर्ट में पेश हुए जहां उन्होंने कई मामलों में अपनी हाजिरी लगाई। इन मामलों में अलग-अलग तारीखों पर सुनवाई होनी होगी। सपा नेता आजम खां की मुश्किलें कम होती नजर नहीं आ रही है।

एक माह पहले सपा नेता जमानत पर रिहा हुए थे। उनकी रिहाई के करीब एक माह बाद सपा नेता पर अब कानूनी शिकंजा कसा है। सपा नेता के खिलाफ शहर कोतवाली में वर्ष 2019 में दर्ज फर्जी तरीके से रामपुर पब्लिक स्कूल की मान्यता लेने के संबंध में दर्ज मामले में एमपीए-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में सुनवाई चल रही है।

बुधवार को कोर्ट में इस मामले में सुनवाई हुई। इसके लिए सपा नेता आजम खां, उनकी पत्नी तजीन फात्मा व बीएसए दफ्तर के बाबू तौफीक अहमद कोर्ट में पेश हुए। कोर्ट में उनके खिलाफ इस मामले में आरोप तय कर दिए गए। कोर्ट में उनके खिलाफ धारा 420,467, 471 और 120 बी के तहत आरोप तय किए गए हैं। अब इस मामले की सुनवाई दस नंवबर को होगी।

सपा नेता आजम खां ने यतीमखाना बस्ती मामले समेत कई मामलों में कोर्ट में हाजिरी लगाई। यतीमखाना बस्ती मामले में सपा नेता कोर्ट में हाजिर हुए। इस दौरान बचाव पक्ष की ओर से गवाह पेश किया गया। इस मामले की सुनवाई सात नंवबर को होगी। वहीं दूसरी ओर फांसीघर की जमीन कब्जाने, जौहर यूनिवर्सिटी के गेट के मामले में भी सपा नेता पेश हुए।इन मामलों में अलग-अलग तारीख लगाई गई है।

सपा नेता आजम खां व उनकी पत्नी तंजीन फात्मा व बीएसए दफ्तर के बाबू पर आरपीएस मामले में चार्ज फ्रेम किए गए हैं। इसके अलावा अन्य मामलों में भी सपा नेता ने कोर्ट पहुंचकर हाजिरी लगाई है।

योगी सरकार में चौथी बार बढ़ा गन्ना मूल्य, अगेती खेती पर होगा ज्यादा भुगतान

लखनऊ, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

योगी सरकार ने पंचायत चुनाव से पहले गन्ना किसानों के लिए झोली खोल दी। पेराई सत्र 2025-26 के लिए गन्ना मूल्य में 30 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है। अगेती गन्ना प्रजाति का मूल्य 400 रुपये प्रति क्विंटल और सामान्य प्रजाति का मूल्य 390 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। इस वृद्धि से गन्ना किसानों को लगभग 3000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भुगतान होगा।

योगी सरकार के कार्यकाल में यह चौथी बार है, जब गन्ना मूल्य में बढ़ोतरी की गई है। यह निर्णय न केवल गन्ना किसानों की आमदनी में वृद्धि करेगा, बल्कि ग्रामीण अर्थतंत्र भी कुंलाचें भरेगा। इस बारे में गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने बुधवार को लोकभवन में प्रेस कांफ्रेंस करके विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हर किसान को उसकी उपज का उचित मूल्य सही समय पर उपलब्ध कराना हमारी सरकार की प्रतिबद्धता है।

उन्होंने बताया कि योगी सरकार के कार्यकाल में गन्ना किसानों को अब तक 290225 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। वर्ष 2007 से 2017 के बीच सपा और बसपा सरकारों में किसानों को मात्र 147346 करोड़ रुपये का भुगतान हुआ था। योगी सरकार ने मात्र साढ़े आठ वर्षों में पिछली सरकारों के मुकाबले 142879 करोड़ अधिक भुगतान कर इतिहास रचा है।

गन्ना मंत्री ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में 122 चीनी मिलें चल रही हैं, जिससे उत्तर प्रदेश देश में दूसरे स्थान पर है। पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल में जहां 21 मिलें औने-पौने दामों पर बेची गई थीं, वहीं योगी सरकार में इस उद्योग में 12000 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित हुआ है। पिछले आठ वर्षों में 4 नई चीनी मिलें स्थापित की गई, 6 बंद मिलें पुनः शुरू की गई और 42 मिलों की उत्पादन क्षमता में विस्तार हुआ। इससे प्रदेश में 8 नई बड़ी मिलों के बराबर उत्पादन क्षमता में वृद्धि दर्ज हुई है। दो मिलों में सीबीजी संयंत्र स्थापित किए गए हैं, जिससे गन्ना क्षेत्र में वैकल्पिक ऊर्जा उत्पादन को भी बल मिला है।

प्रदेश सरकार ने स्मार्ट गन्ना किसान प्रणाली के माध्यम से गन्ना क्षेत्रफल, सट्टा, कैलेंडरिंग और पर्ची जारी करने की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन कर दी है। अब किसानों को उनकी गन्ना पर्ची सीधे मोबाइल पर प्राप्त होती है और भुगतान डीबीटी के माध्यम से उनके बैंक खातों में पहुंचता है। इस प्रणाली को भारत सरकार ने मॉडल सिस्टम घोषित किया है, जिससे बिचौलियों की भूमिका पूरी तरह समाप्त हो गई है। गन्ना मंत्री ने बताया कि एथेनॉल उत्पादन में भी उत्तर प्रदेश ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है। एथेनॉल उत्पादन 41 करोड़ लीटर से बढ़कर 182 करोड़ लीटर तक पहुंच गया है और आसवनियों (डिस्टिलरी) की संख्या 61 से बढ़कर 97 हो गई है। इस सबका नतीजा है कि प्रदेश में गन्ना क्षेत्रफल 20 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 29.51 लाख हेक्टेयर तक पहुंच चुका है, जिससे उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर आ गया है।

सुरों के साथ भरें भविष्य की उड़ान

म्यूजिक के उस्ताद बनने के लिए

म्यूजिक के जरिए इंसान अपनी इमोशन, फीलिंग्स को पेश कर सकते हैं और यही नहीं इंसान अपने मन के भावों को भी बयान कर सकता हैं। इस क्षेत्र में उस्ताद बनना कोई आसान काम नहीं है इसके लिए सच्ची लगन और हॉर्ड वर्क की जरूरत होती हैं। साथ ही इस क्षेत्र में कामयाबी हासिल करने के लिए आपके पास नेचुरल टैलेन्ट होना बेहद जरूरी है। नैचुरल टैलेंट के जरिए ही आपको इस क्षेत्र में कामयाबी मिलेगी।

क्या चाहिए योग्यता...?

अगर आप ने 12वीं कक्षा पास कर ली हैं तो आप आसानी से म्यूजिक फील्ड से जुड़े कोर्सेज में एडमिशन ले सकते हैं और आप इसमें सर्टिफिकेट कोर्स, बैचलर कोर्स, डिप्लोमा

कोर्स और पोस्ट ग्रेजुएट लेवॅल के कोर्स भी कर सकते हैं। आपकी आवाज अच्छी है तो आप अपना म्यूजिक एलबम जारी कर सकते हैं, पार्श्व गायक बन सकते हैं, फिल्मों में गाने गा सकते हैं, टेलीविजन पर म्यूजिक-शो होस्ट कर सकते हैं, जिंगल्स और विज्ञापनों के लिए अपनी आवाज दे सकते हैं या फिर स्टेज-शो भी कर सकते हैं ।

डीजे/ वीजे और आरजे: अगर आप संगीत में रुचि रखते हैं पर गाना गाने में खुद को असमर्थ पाते हैं तो आप इन ऑफबीट करियर क्षेत्रों में आगे बढ़ सकते हैं। इनके जरिए आप हमेशा संगीत के संपर्क में बने रहेंगे।

संगीत संबंधी कोर्स करवाने वाले कुछ प्रमुख संस्थान

- डिपार्टमेंट ऑफ म्यूजिक, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- श्रीराम भरतिया, दिल्ली कला केंद्र, दिल्ली
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, बनारस, उत्तर प्रदेश
- भातखंडे म्यूजिक इंस्टीट्यूट, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

ऑफिस पार्टी में कैसे हों कपड़े...

पार्टी में खूबसूरत दिखने की चाह हर किसी को होती है, खास कर महिलाओं में। लेकिन ऑफिस पार्टी के लिए कपड़ों का चयन करते समय काफी सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है। आपके कपड़े ऐसे होने चाहिए, जिसमें आप खूबसूरत के साथ-साथ एलीगेंट भी दिखें। यही नहीं, आपका ड्रेसअप पार्टी कोड से मैच करता हुआ भी होना चाहिए। ज्वैलरी पार्टी के

मुताबिक होनी चाहिए। कोई भी ड्रैस सिलैक्ट करने से पहले आप अपने ऑफिस के एनवार्यमैंट व कल्चर का ध्यान अवश्य रखें। अगर आपके ऑफिस का माहोल थोड़ा कंसव्रेटिव (रूढ़िवादी) है तो आपको कपड़ों का चयन बहुत ध्यान से करना होगा, वहीं अगर आप किसी क्रिएटिव फील्ड से जुड़ी हैं और आपके ऑफिस का माहौल ओपन है तो आप अपने लुक के साथ थोड़ा एक्सपेरिमेंट कर सकती हैं। ऑफिस की हर पार्टी एक जैसी नहीं होती। कभी बिजनेस डिनर पार्टी तो कभी वर्क हॉलिडे पार्टी, हर ओकेजन के लिए ड्रैसअप भी अलग होता है। जहां डिनर पार्टी के लिए आप टॉप विद ब्लेजर और पैन्ट पहन सकती हैं वहीं डिनर पार्टी में आपका फॉर्मल लुक होना आवश्यक है। अगर आप अपने लुक को अलग दिखाना चाहती हैं तो इसके लिए ज्वैलरी का सही होना बेहद आवश्यक है। पार्टी में बेहतर होगा कि आप लाइटवेट व स्टेटमेंट नेकपीस ही पहनें। आप चाहें तो पर्ल नैकपीस भी पहन सकती हैं। वैसे तो ऑफिस पार्टी में आप लॉन्ग व शॉर्ट गाउन से लेकर वैस्टर्न वियर पहन सकती हैं लेकिन ऐसा जरूरी नहीं है। आप चाहें तो पार्टी में इंडियन वियर साड़ी या सूट भी पहन सकती हैं, लेकिन बेहतर होगा कि आप हैवी एंब्रायडडिड साड़ी के बजाय लाइट फैब्रिक से लेकर सॉफट प्रिंट व वाइब्रेंट शेड्स का ही चयन करें।

दिनों-दिन लंबे होंगे बाल...

ज्यादातर महिलाएं अपने बालों को लेकर परेशान रहती हैं। वे अपने बालों को लंबा और खूबसूरत बनाने के लिए न जाने कितने प्रॉड्क्ट का इस्तेमाल करती है लेकिन ये प्रॉड्क्ट कैमिकल्स वाले होते हैं। इनके इस्तेमाल से बालों पर साइड-इफेक्ट भी हो सकता है। आज हम आपको आसान सा तरीका बताएंगे, जिसके इस्तेमाल से आपके बाल लंबे और खूबसूरत होंगे। इसके लिए प्याज का रस और नारियल तेल की जरूरत होगी। नारियल तेल को प्याज के रस में मिलाकर बालों पर लगाएं और अच्छे से मसाज करें। फिर तौलिए को बालों पर लपेट कर भाप लें। ऐसा करने से बालों को पोषण मिलता है और उनकी ग्रोथ बढ़ती है। साथ ही बाल चमकदार और खूबसूरत बनते हैं।

त्वचा पर लौंग का तेल...

लौंग का इस्तेमाल कई तरीकों से किया जाता है। इसमें एंटी बैक्टीरियल, एंटी फंगल गुण पाया जाता है। लौंग का तेल एक बेहतरीन औषधि है। यह बहुत अच्छा ब्यूटी प्रोडक्ट भी है। इसका नियमित इस्तेमाल करने से त्वचा संबंधित कई परेशानियों से राहत मिलती है। लौंग के तेल की मसाज करने से दाग-धब्बे दूर हो जाते है। इसके अलावा यह मुंहासों को पनपने से रोकता है। लौंग का तेल दाग-धब्बों को ही नहीं बल्कि चोट के निशानों को भी मिटाने में मदद करता है। लौंग के तेल का इस्तेमाल कंडीशनर के रूप में भी किया जा सकता है। इसका उपयोग करने से आपके बाल लंबे और मुलायम होंगे। इसका इस्तेमाल झुर्रियों को दूर करने के लिए भी किया जाता है। रोज रात सोने से पहले लौंग के तेल की मसाज करें। लौंग का तेल बालों के लिए बहुत ही लाभदायक होता है। इसका इस्तेमाल करने से बाल जल्दी सफेद नहीं होते। यह बालों का झड़ना रोकता है। लौंग के तेल को नारियल के तेल के साथ मिलाकर बालों में लगाएं।

> वेलवेट एक बार फिर फैशन का हिस्सा बन रहा है। भारत के जाने माने फैशन डिजाइनर्स ने विंटर कलैक्शन 2016 में वेलवट ट्रैंड को प्रजेंट किया है। यानी इस विंटर में गर्म कपड़े व ब्राइट कलर्स के बीच वेलवेट आपके वार्डरोब में कुछ अलग ही नजर आएगा। अपने मखमली अंदाज का यह कपड़ा हर किसी को अपनी तरफ आकर्षित करता रहा है। कैजुअल वियर से लेकर पार्टी वियर तक वेलवेट की अपनी खास जगह है।

इस विंटर में रहेगा वेलवेट का जलवा...

फैशन वर्ल्ड में रोज नए एक्सपेरिमेंट हो रहे हैं। वेलवेट मखमली, मुलायम और गहरे रंगों से सजे ड्रेसेज हमेशा से मनुष्य को मोहते रहे हैं। राजा-महाराजाओं के समय से मखमल के हैवी एम्ब्रॉयडरी से सजे कपडों का चलन रहा है समय-समय पर वेलवेट या मखमल विभिन्न रंग-रूप में फैशन का हिस्सा बना है। यही कारण है कि इसका चलन कभी खत्म नहीं होता। आज के समय में भी रिच और हैवी लुक के लिए वेलवेट को पहनना जाता है। सर्दी के दिनों में तो वेलवेट दो तरह के फायदेमंद हो जाता है। एक तो इस फैब्रिक की मोटाई की वजह से आप ठंड से बच सकते हैं दूसरे इसके गहरे रंग सर्दी के दिनों में बहुत लुभावने लगते हैं। इसलिए खासतौर पर सर्दी के दिनों में ही वेलवेट पहनने का असल मजा है। वेलवेट बुना हुआ फैब्रिक है, जिसे बुनने के लिए विशेष प्रकार के लूम का उपयोग होता है। पूरी तरह सिल्क से बुना हुआ वेलवेट महंगा होता है, लेकिन सिल्क के अलावा इसे कॉटन, लिनने तथा वूल आदि से भी बनाया जाता है। जिनकी कीमत कुछ कम होती है। इन सबके अलावा सिंथेटिक वेलवेट भी बनाया जाने लगा है। वेलवेट को पूरा एक ड्रेस बनाने के अलावा इसे दूसरे मटेरियल्स के साथ मिक्स करके भी आजकल ड्रेसेस बनाए जा रहे हैं। जैसे वेलवेट, क्रेप तथा शिफॉन या सिल्क मिक्स डिजाइनर साड़ी या फिर वेलवेट और नेट मिक्स ड्रेसेस।

मनमोहक रेंज

दुल्हन के लहंगे से लेकर दूल्हे की शेरवानी तक और एक सुंदर से इवनिंग गाऊन से लेकर शानदार वेलवेट कोट तक इस सुंदर मटेरियल की रेंज मन मोह लेती है। शादियों के सीजन में तो वेलवेट का क्रेज और भी खास हो जाता है। लहंगे, साड़ी, शेरवानी, कोट, डिजाइनर टॉप, लांग स्कर्ट, डिजाइनर ब्लाऊज, कुर्ते आदि कई तरह के प्रयोग इस समय किए जा सकते हैं। आप चाहें तो शॉर्ट कुर्तेनुमा ब्लाऊज के साथ सिम्पल शिफॉन साडी को मैच कर सकती हैं। या फिर सिम्पल वेलवेट ब्लाऊज भी साडी के साथ मैच करके पहन सकती हैं।

कई कलर

आप फुल वेलवेट लहंगा-चोली, कॉटन, शिफॉन या अन्य फैब्रिक के साथ वेलवेट से की हुइ डिजाइन वाले लहंगे को अपना सकती हैं। यह आपको अलग तथा रिच लुक देगा। वेलवेट अपने आप में हैवी तथा गहरे रंग का फैब्रिक होता है अतः इसके साथ बहुत ज्यादा हैवी एक्सेसरीज की भी जरूरत नहीं होती। आप वेलवेट में मरून, पिंक, रेड, डार्क ग्रीन, डार्क ब्ल्यू ब्राउन, कॉफी, ऑरेंज, पर्पल, नैवी ब्ल्यू, मैजेंटा आदि कई रंगों में से मनपसंद रंग चुन सकते हैं। आजकल रेड और पर्पल हॉट फेवरेट कलर हैं। इसलिए इन रंगों के साथ आप अपना स्टाइल बना सकते हैं। सर्दियों में

ब्लैक कलर भी हर किसी का फेवरेट होता है। वेलवेट कपड़ों पर ज्यादा एक्सेसरीज अच्छी नहीं लगती, इस बात का ध्यान रखें। चाहें तो वेलवेट पर्स, बेल्ट व शूज में भी वेलवेट का प्रयोग कर सकती हैं।

कैसे पहनें

सर्दी का मौसम हो या किसी शादी-पार्टी की बात हो, वेलवेट से बेहतर कुछ भी नहीं। वेलवेट के साथ मिक्स एंड मैच कर क्रेप, शिफॉन, सिल्क वगैरह के कपड़े पहने जा सकते हैं। वेलवेट कपड़े की मोटाई की वजह से सर्दी के दिनों में ठंड नहीं लगती। सर्दी के मौसम में शादियों में अक्सर लोग शाल और स्वेटर से बचना चाहते हैं, उनके लिए वेलवेट बेहतर विकल्प है। वेलवेट के अलावा शनील एक ऐसा फैब्रिक है, जिसका मखमली अहसास लुभाता है। प्राचीन काल में राजाओं और नवाबों की यह पहली पसंद रही है। आज यही वेलवेट सर्दियों की पसंदीदा फैब्रिक बन रही है। सलवार कमीज, कुर्ती, कोट, पैंट, शेरवानी, ब्लाउज यहां तक कि साड़ी को डिजाइनर बनाने में भी वेलवेट का इस्तेमाल नए ढंग से किया जा रहा है।

वेलवेट लहंगा

इन दिनों वेलवेट लंहगा का खूब ट्रैंड चल रहा है। वैसे कुछ समय पहले पेस्टल कलर लहंगा का खूब ट्रैंड चला था लेकिन एक बार फिर डार्क कलर ट्रैंड में आ रहे हैं। ब्राइड बनने का सपना हर लड़की देखती है। इस दिन वह खुद को किसी परी की तरह सजाना चाहती है जिसे देखकर हर कोई समोहित हो जाए। ब्राइडल लहंगा, ज्यूलरी, मेकअप और फुटवियर उसकी खूबसूरती में और भी निखार ला देते हैं। ब्राइडल लहंगे का चुनाव करना सबसे मुश्किल काम है। एक बार लहंगा सलैक्ट हो जाए तो मेकअप, ज्यूलरी और फुटवियर अपने आप मैचिंग सलैक्ट हो जाते हैं। अगर आप भी ब्राइडल बनने जा रही हैं तो इस बात का जरूर ध्यान रखें कि जिस लहंगे का चुनाव आप कर रही हैं वो लेटेस्ट फैशन में हो।

एम्ब्रायडरी का शानदार मेल

लक्जरी और रिच स्टफ वेलवेट के साथ एम्ब्रायडरी का शानदार मेल इसकी ग्रैस को और भी बढ़ा देता है। साथ ही नेट स्टफ पल्लू भी लहंगे की शोभा दोगुनी कर देता है। वेलवेट के साथ एम्ब्रायडरी में जरदोजी, पर्ल और स्टॉन वर्क का अच्छा सुमेल देखने को मिलेगा। कलर कॉबिनेशन की बात करें तो नेवी ब्लू, मैहरून और एमराल्ड ग्रीन (पन्ना) बहुत ही अट्रैक्टिव कलर लगते हैं। लहंगे के साथ वेलवेट के ही फुल स्लीव ब्लाऊज अच्छा कॉबिनेशन देते हैं। इसे पहन कर आपकी लुक शाही प्लस डिसेंट सी लगेगी।

होठों को दें नया लुक...

लिपस्टिक मेकअप का एक अहम हिस्सा है। इसके प्रयोग से हम अपने होठों को आसानी से नया लुक दें सकते हैं। लिपस्टिक केवल होठों की ही खूबसूरती नहीं बढ़ाती बल्कि पूरे चेहरे पर एक अलग सा चार्म क्रिएट करती है। चेहरे का मेकअप करने के बाद यदि होठों का मेकअप न किया जाए तो चेहरा फीका सा लगने लगता है। यदि आप भी अपने लिप्स को लिपस्टिक से नया लुक देना चाहती हैं तो इसके लिए आप कुछ आसान बातों की सहायता लेकर अपने होंठो को सुंदर तथा आकर्षक बना सकती हैं। होठो पर लिपस्टिक लगाने के लिए होठों का स्वस्थ रहना बहुत ही जरूरी होता है। यदि होठ कोमल और मुलायम न हुए तो होठों पर लिपस्टिक भी अच्छी नही लगती, इसलिए जरुरी है कि अपने होंठो को किसी लिप बाम की मदद से कोमल बनाएं।

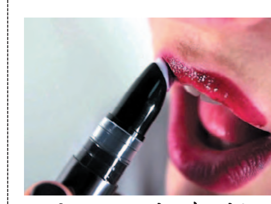

लिप स्टेनिंग

लिप्स को लाइन न देकर उसे हल्का सा कलर देना ही लिप-स्टेनिंग कहलाता है। बेशक यह लुक बिल्कुल परफेक्ट नहीं होता मगर फेस को काफी सुंदर लुक देता है। स्टेनिंग करने के कई तरीके होते हैं। लिपस्टिक को लिप स्टेन की तरह लगाने के लिए आप ब्रश की बजाय हाथों से टैब कर करके होठों पर लगाएं। इससे लिप्स पर बहुत डार्क शेड नहीं बल्कि स्मोकी स्मज ऑउट लुक नजर आएगा। डार्क कलर के साथ इस तकनीक का इस्तेमाल ज्यादा खूबसूरत दिखता है।

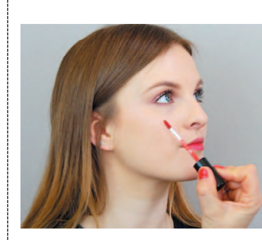

लिप एंड चीक्स स्टेन

यह जैल फार्म में होता है। इसका इस्तेमाल लिप्स के साथ-साथ चीक्स पर भी ब्लशऑन के तौर पर किया जा सकता है। लाइट लुक रिफलैक्ट होने के कारण यह दिन जैसे ब्रंच के वक्त अच्छा लगेगा।

लॉन्ग स्टे लिपस्टिक

इसका इस्तेमाल भी लिप्स पर हाथ से करें और फिर लोअर व अपरलिड को ब्लेंड कर लें। टिशू पेपर को मुंह में दबाएं, ऐसा करने से लिप्सटिक लाइट हो जाएगी। यह लुक ऑफिस गोइंग लोगों के लिए बेस्ट है क्योंकि इसमें बार-बार टचअप की जरूरत नहीं पड़ेगी।

पर्मानेंट लिपस्टिक

लिप्स को पर्मानेंट तौर पर कलरफुल बनाएं रखने के लिए पर्मामेंट लिपस्टिक एक वरदान है। ऐसे में आप नैचुरल शेड्स के साथ लिप-स्टेनिंग भी करवा सकती हैं।

न्यू ऑयल स्लिक लिप ट्रेंड

यह एक नया लिपग्लॉस स्टाइल है। इस मेसमराइजिंग लुक के लिए आपको पर्पल, ब्लू व ग्रे के मैटेलिक शेड्स को आपस में मर्ज करना होगा जिससे लिप्स पर रियल ऑयल की तरह एक स्विरली (घुमावदार) इफैक्ट आएगा।

ट्रांसपरेंट ग्लॉस कोट

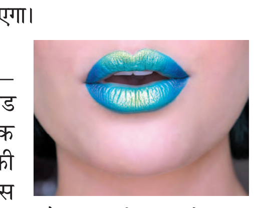

इस ट्रेंड को होलोग्राफिक या मरमेड लिप्स के नाम से भी जाना जाता है। यह लुक बेहद बोल्ड है जो थीम पार्टीज या क्लब की लाइट में बहुत एट्रैक्टिव नजर आता है। इस लुक के लिए आई-मेकअप बिल्कुल न्यूड व नैचुरल रखें। इसके लिए आंखों पर बेज या वनीला शेड लगाएं और आईज को फ्लॉन्ट करने के लिए डिजीटल व बोल्ड जैसे डबल विंग, बैटविंग या कैट-आई लाइनर लगाएं जो आपके लिप-मेकअप को बखूबी कांप्लिमैंट करेगा।

स्त्री विमर्श और हिन्दी स्त्री लेखन...

हिन्दी के साथ अन्य भारतीय भाषाओं में स्त्री चेतना तथा नारी के संघर्ष का जोशपूर्ण स्वर सुनाई देता है। कविता में व्यक्त संवेदना की अपेक्षा स्त्री चेतना की कथा साहित्य में व्यापकता मिलती है, यद्यपि कथा लेखन की शुरुआत देर से हुई, किन्तु शुरू होने के बाद स्त्री चर्चा के केन्द्र में निरन्तर रही। साहित्य में स्त्री विमर्श के अन्तर्गत स्त्री द्वारा लिखा गया और स्त्री के विषय में लिखा गया साहित्य 'साहित्यिक स्त्री विमर्श' माना जाता है तथा इसके मूल में अनुभव की प्रामाणिकता का तर्क दिया जाता है। स्त्री विमर्श के सम्बन्ध में यह विवाद का विषय रहा है कि यह स्त्री के लिए सुरक्षित क्षेत्र है या लेखक होने के नाते पुरुष की भागीदारी की सम्भावना भी वहां बनती है।

इस मत को लेकर विरोधाभास की स्थिति है। पुरुष के लिए नारीत्व अनुमान है और नारी के लिए अनुभव, अतः अपने जीवन का जैसा सजीव चित्रण वह हमें दे सकेंगी, वैसा पुरुष बहुत साधना के उपरान्त भी शायद ही दे सके। स्त्री होने के नाते स्त्री ही स्वानुभूति पर आधारित प्रामाणिक व विश्वसनीय साहित्य की रचना कर सकती है। पुरुष लेखक संवेदना के स्तर पर, समानानुभूति के आधार पर स्त्री पीड़ा को व्यक्त करने में सक्षम रहे हों, लेकिन स्त्री-पीड़ा का यथार्थ चित्रण उतनी ईमानदारी से नहीं कर सके हैं। यह बार-बार कहा गया है, किन्तु साहित्य के क्षेत्र में लैंगिक आधार पर स्वानुभूति व समानानुभूति के आधार पर हम स्त्री विमर्श को केवल लेखिकाओं के एकाधिकार का क्षेत्र नहीं मान सकते।

सही अर्थों में स्वतंत्रता

बीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध की हिन्दी लेखिकाएं स्त्री विमर्श के नाम पर जहां पुरुष समाज के विरुद्ध खड़ी नजर आती हैं, वहीं स्वयं भी पुरुषवादी मानसिकता की शिकार होती जा रही हैं, जो स्त्री विमर्श का विषय नहीं है। व्यापक अर्थ में स्त्री विमर्श स्त्री जीवन के अनछुए अनजाने पीड़ा जगत को व्यक्त करने का अवसर देता है, परन्तु उसका उद्देश्य, स्थिति पर आंसू बहाना और यथास्थिति स्वीकार करना नहीं है, बल्कि इनके जिम्मेदार तथ्यों की खोज करना भी है। स्त्री मुक्ति का अर्थ पुरुष हो जाना नहीं है। स्त्री की अपनी प्राकृतिक विशेषताएं हैं, उनके साथ ही समाज द्वारा बनाए

गए स्त्रीत्व के बंधनों से मुक्ति के साथ, मनुष्यत्व की दिशा में कदम बढाना, सही अर्थों में स्वतंत्रता है। स्त्री को अपनी धारणाओं को बदलते हुए, जो भी घटित हुआ, उसे नियति मानने की मानसिकता से उबरने की आवश्यकता है।

कथनी और करनी में समानता

हिन्दी में पहला स्त्री काव्य संकलन 'मृदुवाणी' (1905) शीर्षक से मुंशी देवी प्रसाद ने प्रकाशित करवाया। इसमें 35 कवियित्रियों की कविताएं शामिल थीं। इसके बाद गिरिजादत्त शुक्ल और ब्रजभूषण शुक्ल ने 'हिन्दी काव्य कोकिलाएं' (1933) कृति सम्पादित कर प्रकाशित की। ज्योतिप्रसाद मिश्र 'निर्मल' के प्रकाशन में 'स्त्री कवि संग्रह' (1938) प्रकाशित हुआ। इनके अतिरिक्त नामवर सिंह के प्रधान सम्पादकत्व में 'हिन्दी कथा लेखिकाओं की प्रतिनिधि कहानियां' (1984) एवं रमणिका गुप्ता संपादित 'आधुनिक महिला लेखन' (1985) महत्त्वपूर्ण कृतियां हैं। स्त्री चेतना में पत्र-पत्रिकाओं का भी महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। पहली पत्रिका 1874 में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र द्वारा प्रकाशित 'बाल बोधिनी' थी। इसके अतिरिक्त 'अर्पणा', 'आम आदमी', 'हंस', 'मानुषी', 'निमित्त', 'उत्तरार्द्ध', 'उद्भावना', 'साक्षात्कार' आदि पत्रिकाओं में स्त्री अंक प्रकाशित हुए। 1930 के आसपास महिला रचनाकारों की एक पीढ़ी पूरे उत्साह के साथ रचनाकर्म में जुटी, साथ ही साहित्यिक संगोष्ठियों में सहभागिता, पत्रिकाओं का संपादन, महिला और राजनीतिक संगठनों से जुड़कर सक्रिय रहीं। इन लेखिकाओं की एक विशेषता थी, 'कथनी और करनी में समानता।'

आजादी के बाद

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद नये नाम और जुडे, जिनमें दुर्गेश नन्दिनी, सुमित्र कुमारी सिन्हा, रजनी पणिकर, कंचनलता सब्बरवाल के नाम प्रमुख हैं। आधुनिक काल के स्त्री लेखन में गृहस्थी व परिवार से जुड़ी लेखिकाओं के साथ-साथ नौकरीपेशा महिलाएं भी शामिल होती गईं। इनमें मन्नू भण्डारी, कृष्णा सोबती, ऊषा प्रियंवदा, शिवानी, ममता कालिया, सूर्यबाला, नमिता सेठ, मंजुला भगत, शशिप्रभा, कृष्णा अग्निहोत्री, मणिका मोहिनी, दीप्ति खण्डेलवाल, सुनीता जैन, मृणाल पाण्डे, नासिरा शर्मा, मेहरून्निसा परवेज, सोमावीरा आदि हैं। सभी ने अलग-अलग समस्याओं को लेकर लिखा, स्त्री जीवन के विविध पक्षों पर लेखनी चलाई। नारी मुक्ति के अतिरिक्त देश व समाज की समस्याओं को केन्द्र में रखकर लेखन कार्य करने वाली लेखिकाओं में चित्र मुद्गल का विशेष स्थान है। इनके अतिरिक्त आधुनिक लेखिकाओं में अलका सरावगी, प्रभा खेतान, जया जादवानी, नीलाक्षी सिंह का भी महत्त्वपूर्ण स्थान है।

आधुनिक स्त्री लेखन

आधुनिक स्त्री लेखन निरन्तर चर्चा का विषय रहा है। महिला कथाकारों की सामाजिक जीवन व व्यक्तिगत जीवन से जुडे प्रश्नों के साथ, साहसिक अभिव्यक्ति जहां समाज में स्त्री की स्थिति को स्पष्ट करती है, वहीं आने वाली पीढ़ी का मार्ग प्रशस्त करती नजर आती हैं। कविता और कथा साहित्य में विशेष पहचान बनाने के बाद वर्तमान में आत्मकथा लेखन में महिलाएं अपनी साहसिक अभिव्यक्ति के लिए चर्चा में हैं। यूं तो आत्मकथा लेखन की शुरुआत भी पहले हो चुकी थी, किन्तु प्रकाश में नहीं आई। 'सरलाः एक विधवा की आत्म जीवनी' (2009) में प्रकाशित हुई। धारावाहिक रूप में 1915 में ही स्त्री दर्पण में प्रकाशित हो चुकी थी। उसमें लेखिका की जगह एक दुखिनी बाला का नाम छपता था। आज लेखिकाएं अपने जीवन का समग्र चित्रण बेबाकी से अपनी आत्मकथाओं में कर रही हैं।

ये काम करने से आएगी अच्छी नींद

पूरे सप्ताह एक ही वक्त पर सोना और समय पर उठना ही अच्छी सेहत बनाता है और बीमारियों से दूर रहने में मदद करता है। वैसे तो हम सभी हर रोज सोते हैं, लेकिन बहुत कम लोगों को पता है कि अच्छी व सेहतमंद नींद कैसी होती है और इसका क्या महत्व है।

कुछ विशेष प्रक्रियाएं सामान्य, गुणत्तापूर्ण नींद और दिनभर चुस्त रहने के लिए सेहतमंद नींद के लिए जरूरी हैं। सबसे ज्यादा जरूरी है नींद का समय निर्धारित होना। सोइए अपने शरीर की जरूरतों के अनुसार न कि बहुत कम या बहुत ज्यादा।

देश के ज्यादातर लोगों को यह जानकारी नहीं है कि मोटापा, तनाव, हाईपरटेंशन, मधुमेह, दिल के रोग आदि बीमारियां अनियमित निद्रा से जुड़ी हुई हैं। नींद की अनियमितता रिश्तों में तनाव, कामकाज की क्षमता पर प्रभाव, दुर्घटनाओं, याददाश्त और अन्य कमजोरियों और खराब किस्म के जीवन का कारण बनती है।

इन बातों का रखें ध्यान

* हर रोज एक ही समय पर सोने और उठने की कोशिश करें।
* अपने शयनकक्ष को सोने और अतरंग पलों के लिए ही रखें।
* अपने शयनकक्ष से टीवी, कंप्यूटर, स्मार्टफोन या टैबलेट और अन्य ध्यान भटकाने वाली चीजें दूर रखें।
* बहुत जरूरी हो तभी दिन में झपकी लें। बहुत ज्यादा नींद आने पर दोपहर में ली गई झपकी रात में हुई नींद की कमी को पूरा करने के लिए बेहतर विकल्प है, लेकिन यही झपकी आपके सोने की क्रिया को अस्त-व्यस्त भी कर सकती है।
* अगर फिर भी झपकी की जरूरत हो तो इसे 20 से 30 मिनट तक सीमित रखें।
* दोपहर के बाद कैफीन से दूर रहें और शराब भी बहुत कम लें।
* शराब नींद लाने का काम कर सकती है, लेकिन यह नींद को बिगाड़ भी कर सकती है।
* नियमित व्यायाम करें, लेकिन सोने से तीन घंटे पहले न करें।
* कामकाजी दिनों में नियमित व्यायाम जरूर करें और जरूरत पड़ने पर सप्ताहांत में नींद की कमी पूरा करें।

संपादकीय

कैसे फाड़ेंगे वक्फ कानून?

विपक्ष के मुख्यमंत्री चेहरा तेजस्वी यादव और राजद के कट्टरवादी छुटभैया नेता भी मुस्लिमवादी हैं। वे घोर मोदी-विरोधी हैं और अब भी उन्हें 2002 के गोधरा दंगों का 'खलनायक' करार देते हैं। देश के प्रधानमंत्री के तौर पर मुसलमानों के लिए भी उन्होंने योजनाएं बनाई हों, मुफ्त अनाज बांटा हो, देश के संसाधनों तक उनकी सहज पहुंच तय की हो, लेकिन वे मोदी को 'संहारक' मानते हैं। देश की सर्वोच्च अदालत का भी ऐसा कोई फैसला नहीं है, लेकिन ज्यादातर मुसलमान प्रधानमंत्री से नफरत करते हैं। 'मुस्लिम तुष्टिकरण' बहुत छोटे और अनुपयुक्त शब्द हैं। वक्फ कानून का विरोध ही 'सांप्रदायिक' है। पहले तेजस्वी ने एक सार्वजनिक मंच से वक्फ संशोधन कानून की मुखालफत करते हुए हुंकार भरी थी कि बिहार में 'इंडिया गठबंधन' की सरकार बनी, तो वक्फ कानून को कूड़ेदान में फेंक दिया जाएगा। अब राजद के विधान परिषद सदस्य कारी शोएब ने मुस्लिम वोट बैंक को उकसाने के मद्देनजर चुनावी मंच से धमकी-सी दी है कि जिन्होंने वक्फ बिल का समर्थन दिया था, उनका इलाज किया जाएगा। बिहार में तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद वक्फ समेत ऐसे तमाम बिलों को फाड़ कर फेंक दिया जाएगा। यह कैसा अनर्गल अलाप और चुनाव-प्रचार है? संविधान के तहत चुनाव लड़ रहे हैं और हाथों में संविधान की फर्जी प्रति लिए उसके 'रक्षक' होने का दंभ भरते हैं और सार्वजनिक मंचों से 'घोर असंवैधानिक' ऐलान करते हैं! सवाल है कि संसद के दोनों सदनों में पारित और राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद अधिसूचित केंद्रीय कानून का एक राज्य सरकार क्या बिगाड़ सकती है? यदि संशोधित कानून का दस्तावेजी कागज फाड़ भी देंगे, तो कानून का क्या बिगड़ेगा? कानून तो यथावत और लागू अवस्था में बरकरार रहेगा। जिस मुस्लिम छुटभैये ने 'इलाज' करने की धमकीनुमा भाषा का इस्तेमाल किया है, तो सवाल है कि कल्पित तेजस्वी सरकार किनका इलाज करेगी? संसद में चर्चा करने वाले और अंततः मत-विभाजन में वक्फ बिल का समर्थन करने वाले सांसदों का एक राज्य सरकार क्या 'इलाज' कर सकती है? देश में न्यायपालिका अभी जिंदा और संवेदनशील है। जागरूक और तटस्थ है। सर्वोच्च अदालत ने भी वक्फ संशोधन कानून पर रोक नहीं लगाई है, बल्कि कुछ प्रावधानों पर 'अंतरिम आदेश' सुनाया है। फिलहाल यह कानूनी लड़ाई जारी है। राजद के कठमुल्ला नेताओं के बयान बेमानी और अमान्य हैं। बिहार में सत्ता के लिए छटपटा रहे राजद-कांग्रेस नेता क्या सर्वोच्च अदालत का भी सम्मान नहीं करते? वे केंद्रीय कानूनों को फाड़ देने का दुष्प्रचार कैसे कर सकते हैं? दरअसल 'इलाज' और 'सबक सिखाने' की भाषा ही 'जंगलराज' का बुनियादी लक्षण है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी एक जनसभा को संबोधित करते हुए बिहारी जनता को आगाह किया है कि राजद-कांग्रेस के लोग 'छर्रा', 'कट्टा' और 'घर से उठाने' की धमकियां देने लगे हैं। किसी ने हारने की स्थिति में बिहार को ही जला देने की धमकी दी है। यकीनन ये 'जंगलराज' के स्पष्ट संकेत हैं। बेशक बिहार में जंगलराज अतीत का विषय कह दिया जाए, लेकिन उसके सूरमा और सूत्रधार अब भी मौजूद हैं, बेशक कुछ निष्क्रिय हैं। राजद-कांग्रेस के छुटभैया प्रवक्तानुमा नेता दावा कर रहे हैं कि यदि बिहार में एनडीए हार जाता है, तो उसका असर केंद्र सरकार पर भी पड़ेगा। अर्थात मोदी सरकार भी नहीं रहेगी। किस मुगालते में जी रहे हो भाई! देश की जनता बखूबी जानती है कि ये विधानसभा के चुनाव हैं और इनकी छाया भी भारत सरकार पर नहीं पड़ सकती। यह सिर्फ मुसलमानों के वोटों को लामबंद करने और राजद-कांग्रेस के पक्ष में अधिकाधिक वोट जुटाने की सियासी कोशिश भर है। तेजस्वी से बिहार की जनता पूछे कि पढ़ाई, कमाई, दवाई की जो बात करते थे, वे मुद्दे आज कहां गायब हो गए? अभी हाल ही में छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में वक्फ बोर्ड ने कुछ परिवारों को नोटिस भेज कर 48 घंटे में जवाब मांगा है। वहां के घरों में परिवार 60-65 साल से बसे हैं। सरकार इसीलिए वक्फ संशोधन बिल लाई थी कि वक्फ की निरंकुशता को खत्म किया जाए।

> देश की सर्वोच्च अदालत का भी ऐसा कोई फैसला नहीं है, लेकिन ज्यादातर मुसलमान प्रधानमंत्री से नफरत करते हैं। 'मुस्लिम तुष्टिकरण' बहुत छोटे और अनुपयुक्त शब्द हैं। वक्फ कानून का विरोध ही 'सांप्रदायिक' है। पहले तेजस्वी ने एक सार्वजनिक मंच से वक्फ संशोधन कानून की मुखालफत करते हुए हुंकार भरी थी कि बिहार में 'इंडिया गठबंधन' की सरकार बनी, तो वक्फ कानून को कूड़ेदान में फेंक दिया जाएगा। अब राजद के विधान परिषद सदस्य कारी शोएब ने मुस्लिम वोट बैंक को उकसाने के मद्देनजर चुनावी मंच से धमकी-सी दी है कि जिन्होंने वक्फ बिल का समर्थन दिया था, उनका इलाज किया जाएगा। बिहार में तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद वक्फ समेत ऐसे तमाम बिलों को फाड़ कर फेंक दिया जाएगा। यह कैसा अनर्गल अलाप और चुनाव-प्रचार है? संविधान के तहत चुनाव लड़ रहे हैं और हाथों में संविधान की फर्जी प्रति लिए उसके 'रक्षक' होने का दंभ भरते हैं और सार्वजनिक मंचों से 'घोर असंवैधानिक' ऐलान करते हैं! सवाल है कि संसद के दोनों सदनों में पारित और राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद अधिसूचित केंद्रीय कानून का एक राज्य सरकार क्या बिगाड़ सकती है? यदि संशोधित कानून का दस्तावेजी कागज फाड़ भी देंगे, तो कानून का क्या बिगड़ेगा? कानून तो यथावत और लागू अवस्था में बरकरार रहेगा।

महाराष्ट्र में प्रवासियों और स्थानीय लोगों के बीच तनाव का लंबा इतिहास रहा

मुंबई सबकी है — लेकिन क्या वाकई सबके लिए?

आरके जैन

बादलों के बीच 30,000 फीट की ऊंचाई पर, जब एक विमान कोलकाता से मुंबई की उड़ान भर रहा था, तब एक ऐसी घटना घटी, जिसने भारत की 'एकता में विविधता' की नींव को हिलाकर रख दिया। 23 अक्टूबर को एयर इंडिया की फ्लाइट (एआई-676) में एक महिला यात्री ने युवक से कहा—आप मुंबई जा रहे हैं, तो मराठी आनी चाहिए। यह कोई साधारण बहस नहीं थी; यह एक ऐसी धमकी थी, जिसने भाषा को हथियार बनाकर सांस्कृतिक एकता पर सवाल उठा दिया। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो ने लाखों लोगों का ध्यान खींचा, और बहस छिड़ गई: क्या भाषा अब हमें बाँधेगी या बाँटेगी? यह घटना एक विमान में घटी, जहां कोलकाता से मुंबई जा रहे एक यात्री ने शांतिपूर्वक कहा कि उसे मराठी नहीं आती। जवाब में उसे आक्रामक धमकी मिली—मुंबई जा रहे हो, तो मराठी सीखो। वायरल वीडियो में एक महिला यात्री को जबरन भाषा थोपने की कोशिश करते हुए देखा गया, जिसने माहौल को तनावपूर्ण बना दिया। केबिन क्रू ने हस्तक्षेप तो किया, पर केवल सीट बदलने की सलाह दी, बिना कोई सख्त कदम उठाए। सोशल मीडिया पर वीडियो के वायरल होने से तीखी बहस छिड़ गई। एक यूजर ने लिखा—भाषा थोपना हमारी समावेशी संस्कृति का अपमान है। कुछ का मानना था कि वीडियो पूरी कहानी नहीं दिखाता। फिर भी, यह सवाल गूंजता है— क्या भाषा, जो हमारी पहचान की धरोहर है, अब विवाद और विभाजन का हथियार बन रही है? भारत में भाषा का विवाद कोई नई बात नहीं। महाराष्ट्र में प्रवासियों और स्थानीय लोगों के बीच तनाव का लंबा इतिहास रहा है। 1960 के दशक में संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन ने मराठी को आधिकारिक दर्जा दिलाया, जो भाषाई गौरव का प्रतीक बना। किंतु समय के साथ यह गौरव कुछ मामलों में आक्रामकता में बदल गया। जुलाई 2025 में मुंबई की लोकल ट्रेन में एक महिला ने गैर-मराठी भाषी को धमकाया। 2019 में भी राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने मराठी न बोलने वालों को निशाना बनाया। ये घटनाएं दर्शाती हैं कि भाषा, जो हमारी संस्कृति का आभूषण है, कभी-कभी विभाजन का हथियार बन जाती है। सोशल मीडिया ने इस आग में घी डाला। एक पोस्ट में लिखा गया—मुंबई सबकी है, लेकिन क्या वाकई सबके लिए? वहीं, कुछ यूजर्स ने तर्क दिया कि स्थानीय भाषा का सम्मान जरूरी है, परंतु उसे थोपना अनुचित है। भारत में 22 आधिकारिक भाषाएं और सैकड़ों बोलियां हैं। संविधान के अनुच्छेद 343 के तहत हिंदी को संघ की आधिकारिक भाषा का दर्जा प्राप्त है, और क्षेत्रीय भाषाओं को समान सम्मान मिला है। 1956 के राज्य पुनर्गठन ने भाषा आधारित राज्यों को जन्म देकर एकता का संदेश दिया था। लेकिन आज, आर्थिक दबाव, बेरोजगारी और शहरीकरण ने भाषाई पहचान को संघर्ष का औजार बना दिया। मुंबई, जहां 40% से अधिक आबादी प्रवासी है, में स्थानीय और बाहरी के बीच तनाव बढ़ा है। यूनेस्को की एक रिपोर्ट के अनुसार, भाषाई विविधता सांस्कृतिक धरोहर है, लेकिन इसे थोपने से सामाजिक संघर्ष बढ़ता है। सोशल मीडिया पर एक सवाल गूंजा—क्या कॉर्पोरेट्स अपने कर्मचारियों को वास्तव में प्रभावी डायवर्सिटी ट्रेनिंग देते हैं? यह सवाल उस महिला यात्री की यूनिफॉर्म की ओर इशारा करता है, जो एक कंपनी से जुड़ी थी, और उसकी आक्रामकता ने इस मुद्दे को और गंभीर बना दिया। विमान कंपनी ने इस घटना पर रहस्यमयी चुप्पी साध रखी है। वायरल वीडियो में साफ दिखता है कि केबिन क्रू ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। सोशल मीडिया पर एक यूजर ने तीखा सवाल दागा—शराबी यात्रियों पर तुरंत एक्शन लेने वाली एयरलाइन भाषाई धमकी पर चुप क्यों? यह सवाल गहरी चोट करता है। एविएशन मंत्रालय को तत्काल कड़े दिशानिर्देश लागू करने चाहिए, जो भाषाई उत्पीड़न को घृणा अपराध की श्रेणी में लाए। कॉर्पोरेट्स की जवाबदेही भी कटघरे में है—यदि यूनिफॉर्मधारी कर्मचारी ऐसी हरकत करता है, तो कंपनी की साख और जिम्मेदारी पर गंभीर सवाल उठते हैं। ऐसी घटनाएं यात्रियों का भरोसा चकनाचूर करती हैं। सामाजिक स्तर पर, भाषाई संवेदनशीलता को बढ़ावा देना अनिवार्य है। स्कूलों में बहुभाषी शिक्षा और ₹भाषा जोड़े, न तोड़े₹ जैसे प्रभावशाली सार्वजनिक अभियान इस दिशा में क्रांतिकारी कदम हो सकते हैं। यह घटना केवल एक विवाद नहीं, बल्कि एक गहरा खतरे का संकेत है। यदि भाषा को हथियार बनाया गया, तो भारत की सांस्कृतिक आत्मा को गहरी ठेस पहुंच सकती है। हमें यह स्मरण रखना होगा कि हमारी विविधता ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। मुंबई में बंगाली, तमिल, या हिंदीभाषी को अपनी पहचान छोड़ने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। मराठी सीखना सम्मान का प्रतीक हो सकता है, पर इसे जबरन थोपना अन्यायपूर्ण है। 2017 में महाराष्ट्र सरकार ने स्कूलों में मराठी अनिवार्य करने की कोशिश की, लेकिन न्यायालय ने इसे खारिज कर दिया, यह साबित करते हुए कि संवाद और सहमति ही एकमात्र रास्ता है। हमारी भाषाएं हमारी ताकत हैं; इन्हें संघर्ष का औजार बनने से रोकना होगा। यह घटना हमें गहरे आत्ममंथन के लिए विवश करती है—क्या हम सचमुच 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के सपने को साकार कर रहे हैं? भाषा हमारी पहचान की आत्मा है, पर इसे विभाजन का हथियार नहीं, बल्कि एकता का सेतु बनना चाहिए। विमान में घटी इस घटना ने एक कटु सत्य को उघाड़ा—हमें अपनी सांस्कृतिक जड़ों को संजोते हुए एक-दूसरे के प्रति सम्मान और संवेदना को अपनाना होगा। अगली उड़ान में हम सिर्फ सामान नहीं, बल्कि मुस्कान, सहानुभूति और समावेशिता का भाव भी साथ लें। भारत महज एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि दिलों का संगम है। इस संगम को अटूट रखें, ताकि हमारा आकाश हमेशा खुला, उज्ज्वल और एकजुट रहे।

> सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो ने लाखों लोगों का ध्यान खींचा, और बहस छिड़ गई : क्या भाषा अब हमें बाँधेगी या बाँटेगी? यह घटना एक विमान में घटी, जहां कोलकाता से मुंबई जा रहे एक यात्री ने शांतिपूर्वक कहा कि उसे मराठी नहीं आती। जवाब में उसे आक्रामक धमकी मिली—मुंबई जा रहे हो, तो मराठी सीखो। वायरल वीडियो में एक महिला यात्री को जबरन भाषा थोपने की कोशिश करते हुए देखा गया, जिसने माहौल को तनावपूर्ण बना दिया। केबिन क्रू ने हस्तक्षेप तो किया, पर केवल सीट बदलने की सलाह दी, बिना कोई सख्त कदम उठाए। सोशल मीडिया पर वीडियो के वायरल होने से तीखी बहस छिड़ गई। एक यूजर ने लिखा—भाषा थोपना हमारी समावेशी संस्कृति का अपमान है।

देश दुनिया से

मानवता, शाकाहार और उपभोग में संयम

मानवता की उत्पत्ति के शुरुआत से ही मांसाहार और शाकाहार दोनों ही मानव की खाद्य आवश्यकताओं की पूर्ति करते रहे हैं। शायद उस वक्त शाकाहार और मांसाहार के बीच में अंतर नहीं होता था, लेकिन बाद में मानव ने मांसाहार और शाकाहार में अंतर करना प्रारंभ किया और आज यह स्थिति है कि प्यू रिसर्च सर्वेक्षण (2021) के सर्वेक्षण के अनुसार भारत में लगभग 39 प्रतिशत भारतीय किसी न किसी प्रकार से मांस के उपयोग से परहेज करते हैं। 39 प्रतिशत लोगों ने इस सर्वेक्षण में स्वयं को शाकाहारी ही कहा है। अधिकांश भारतीय कभी-कभार ही मांस का उपभोग करते हैं। यही कारण है कि भारत में प्रति व्यक्ति मांस का उपभोग 3.1 किलोग्राम प्रतिवर्ष है, जबकि अमरीका में यह 109 किलोग्राम, यूरोप में 84 किलोग्राम और सकल विश्व में यह 44.5 किलोग्राम प्रतिव्यक्ति प्रतिवर्ष है। देखा जाए तो भारतीय मांसाहारी होने पर भी धार्मिक आस्थाओं के आधार पर भी कुछ प्रकार के मांस का सेवन नहीं करते। उदाहरण के लिए हिंदू और सिख गाय के मांस से, मुस्लिम पोर्क के मांस से परहेज रखते हैं। भारत की तुलना में शेष विश्व में शाकाहार का चलन कम है। दुनिया के औसतन 3 से 5 प्रतिशत लोग ही शाकाहारी हैं। अकेले भारत में ही दुनिया के 70 प्रतिशत शाकाहारी रहते हैं। कई बार कुछ लोग आधुनिकीकरण को मांसाहार से जोडक़र देखने लगे हैं। लेकिन हमें समझना होगा कि आधुनिक और समझदारी का विचार मांसाहार में नहीं, बल्कि शाकाहार में है। पिछले कुछ समय से शाकाहार में भी एक अलग प्रकार का चलन बढ़ रहा है, जिसे वेगन अभियान के नाम से जाना जाता है। इसमें मांस के अतिरिक्त अन्य पशु उत्पाद जैसे दूध और दुग्ध उत्पादों के उपयोग से भी परहेज करने की सलाह दी जाती है। उनका कहना है कि दूध के उत्पादन के लिए पशुओं पर अत्याचार होता है। ऐसा माना जाता है कि विश्व में एक से दो प्रतिशत लोग 'वेगन' आहार अपना चुके हैं। हालांकि वेगनवाद का खासा विरोध भी हो रहा है कि इस दूध जो शाकाहारी माना जाता है, यदि उसके सेवन से बचा जाएगा, तो इस कारण से पशु पालन जैसे रोजगार के अवसरों पर चोट होने का खतरा उत्पन्न हो सकता है। समझना होगा कि भारत में दूध का उत्पादन और दुग्ध उत्पादों का सेवन हमारी संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। आज विश्व पर्यावरण असंतुलन, मौसम परिवर्तन और वैश्विक उष्णता यानी ग्लोबल वार्मिंग के भयंकर संकट से गुजर रहा है। औद्योगिकीकरण से पूर्व की तुलना में दुनिया का तापमान लगभग 2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ चुका है। तब से लेकर अब तक दुनिया की आबादी लगभग 5 गुणा तक बढ़ चुकी है। इस दौरान दुनिया में उपभोग में तो उससे भी ज़्यादा वृद्धि हुई है। वैश्विक उष्णता बढ़ाने में औद्योगिकरण का योगदान तो है ही, लेकिन साथ ही साथ इसके लिए जिम्मेदार ग्रीन हाऊस गैसों का उत्सर्जन इतनी बड़ी जनसंख्या के उपभोग के लिए आवश्यक खाद्य सामग्री और अन्य प्रकार के उत्पादनों के कारण भी हो रहा है। जीडीपी बढने के साथ-साथ लोगों की आमदनी भी बढ़ी है, और उसके साथ ही साथ उपभोक्ता वस्तुओं पर फिजूलखर्ची के साथ-साथ खाद्य सामग्री की बर्बादी भी बढ़ी है। पूर्व में जहां उपभोक्ता वस्तुओं का जीवन लंबा होता था, वर्तमान युग में यूज एंड थ्रो यानी इस्तेमाल करो और फेंक दो, की आदत के कारण दुनिया में न केवल कचरा बढ़ा है, बल्कि जरूरत से ज्यादा उत्पादन के कारण ग्रीन हाऊस गैसों का उत्सर्जन भी ज्यादा हुआ है। समझा जा सकता है कि इस वजह से संयमित उपभोग की जरूरत पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है। पूरी दुनिया में 71 प्रतिशत क्षेत्र में पानी है और मात्र 29 प्रतिशत ही भूमि है। और इस 29 प्रतिशत में सिर्फ 20 प्रतिशत ही रहने योग्य है, 10 प्रतिशत पर कृषि होती है और इस कृषि योग्य भूमि में सिर्फ 2.4 प्रतिशत पर ही फसलों की खेती होती है और 8 प्रतिशत भूमि पर पशुपालन के लिए जरूरी खेती होती है। इस 2.4 प्रतिशत भूमि पर होने वाली खेती से मनुष्यों की 83 प्रतिशत कैलोरी आवश्यकता पूर्ण होती है और पशुपालन के लिए जहां 8 प्रतिशत भूमि का इस्तेमाल हो रहा है, उससे मात्र 17 प्रतिशत कैलोरी आवश्यकता की पूर्ति होती है। 63 प्रतिशत प्रोटीन की आवश्यकता भी इसी 2.4 प्रतिशत भूमि होती है, जबकि 37 प्रतिशत प्रोटीन ही पशुपालन से उत्पन्न उत्पादों से मिलता है। भारत के पास दुनिया की सिर्फ 2 प्रतिशत ही भूमि है। जबकि हमारी जनसंख्या दुनिया की 18 प्रतिशत है। दुनिया के 30 प्रतिशत पशु और 8 प्रतिशत जैव संसाधन भारत में पाए जाते हैं। इतनी बड़ी जनसंख्या के लिए खाद्य उत्पादन करने के साथ-साथ भारत अपने जैव संसाधनों का संरक्षण करने में भी सफल रहा है। इसका कारण यह है कि भारत में अधिकांश लोग शाकाहारी हैं और जो मांस का उपभोग भी करते हैं, उनमें से भी अधिकांश कभी कभार ही मांस का सेवन करते हैं। भारत में होने वाला पशुपालन, दुनिया की मांसाहारी जनसंख्या की आवश्यकता की पूर्ति करता है। गौरतलब है कि भारत से प्रतिवर्ष 1.3 करोड़ मीट्रिक टन भैंस के मांस का निर्यात प्रतिवर्ष होता है। भारत की शाकाहारी आदतें दुनिया में खाद्य पदार्थों की कमी नहीं होने देती। यदि देखें तो विश्व की आबादी में शाकाहारी लोगों में से कुल 70 प्रतिशत अकेले भारत में ही रहते हैं। दुनिया में कुल ग्रीन हाऊस गैसों के उत्सर्जन में मांसाहार के लिए जरूरी पशुपालन से होने वाला उत्सर्जन 15 प्रतिशत है। एक किलो मांस के लिए उत्पादन के लिए उसके बराबर अनाज, दालों या सब्जी के उत्पादन की तुलना में 20 से 30 गुणा ज्यादा ग्रीन हाऊस गैसों का उत्सर्जन होता है। समझा जा सकता है कि दुनिया में यदि 10 प्रतिशत अतिरिक्त लोग भी शाकाहारी हो जाएं तो खाद्य उत्पादन से संबंधित ग्रीन हाऊस गैसों का उत्सर्जन 35 से 30 प्रतिशत कम हो सकता है। मांस के उत्पादन में कहीं ज्यादा, लेकिन डेयरी से मात्र 3-4 प्रतिशत ग्रीन हाऊस गैसों का ही उत्सर्जन होता है, जिसमें आधा मिथेन गैस के उत्सर्जन से, और शेष चारे, यातायात, प्रोसेसिंग, और खाद्य निर्माण में होता है। समझना होगा कि जहां प्रति किलो मांस उत्पादन में 60 किलो ग्रीन हाऊस गैसों (सीओ2ई) का उत्सर्जन होता है, एक लीटर दूध में मात्र 3.2 किलो सीओ2ई का उत्सर्जन होता है। यदि दुनिया को वैश्विक उष्णता और मौसम परिवर्तन के कष्टों से मुक्ति दिलानी हो तो दुनिया में तेजी से शाकाहार को बढ़ाना होगा। इसी के साथ-साथ यदि भारत की मितव्ययी आदतों को दुनिया अपनाना शुरू कर दें और यूज एंड थ्रो की मानसिकता से बाहर आ जाएं, तो वैश्विक उष्णता के संकट से जल्दी निजात पाया जाएगा। दुर्भाग्य का विषय यह है कि दुनिया में पर्यावरण सम्मेलनों में पर्यावरण से निपटने के लिए टेक्नोलॉजी और उपकरणों की बात तो होती है, क्योंकि उससे वैश्विक कंपनियों को लाभ कमाना होता है, लेकिन वैश्विक उष्णता के लिए जिम्मेदार मांसाहार और उपभोग में बर्बादी और फिजूलखर्ची पर कोई बात करने के लिए तैयार नहीं।

आप का नजरिया

सुर्खियों भरे एहसास

हिमाचल की जरूरतें और जिम्मेदारियों के फलक पर मंत्रिमंडल की बैठकों की इच्छाशक्ति और दूरगामी संदेशों पर नजर दौड़ाएं, तो सुक्खू सरकार ने अपने संदर्भों का क्षेत्ररक्षण करना शुरू कर दिया है। अब सरकार अगले चुनावों को अपने इरादों में परिभाषित करने का हर अवसर बड़ा करेगी। जाहिर है सरकारी नौकरियों की मंडी सजेगी और सरकारी नौकर भी पूजे जाएंगे। सरकारी क्षेत्र में रोजगार के 732 नए अवसर, तमाम बेरोजगारों के आवेदनों में सुर्खी भरेंगे, तो स्पोर्ट्स कोटे में 19 खेलों से खिलाडियों के लिए सरकारी कार्यालय की छत का प्रश्रय मिलेगा। शिक्षा विभाग के पिटारे में 805 प्रधानाचार्यों के कार्यालयों का ताला भी खुल रहा है। मंत्रिमंडलीय बैठक का एजेंडा, अपने लिए ऊर्जा के कई स्रोत, संदेश और महत्त्वाकांक्षा खोज कर पेश हुआ है। स्थानीय निकायों की चुनावी फेहरिस्त भले ही घुंघरू पहनने में देरी कर रही हो, लेकिन कुछ बुनियादी प्रश्नों पर सरकार की ओर से फेरबदल स्पष्ट है। नगर निगमों की बिसात पुनः बदल रही है। अब ढाई-ढाई साल की पारियों के बजाय महापौर व उपमहापौर पूरे पांच साल की जिम्मेदारी में नापे जाएंगे, हालांकि पारदर्शिता के लिहाज से इनके प्रत्यक्ष चुनाव की दिशा में अभी फैसला नहीं आया है। दूसरी ओर पंचायतों के पुनर्गठन के लिए हदें खोल दी गई हैं। स्थानीय निकायों के चुनावों से गुजरने की तैयारी में अब एक युद्ध क्षेत्र चिन्हित हो रहा है। हिमाचल निर्माण की तैयारियों में हर सरकार को स्थानीय निकाय चुनावों के हवाले से अपने कार्यकाल का सामाजिक, राजनीतिक व प्रशासनिक ब्यौरा देना पड़ता है और इसी परिप्रेक्ष्य में प्रदेश एक बड़े राजनीतिक मुकाबले की ओर बढ़ रहा है। वर्तमान सरकार हिमाचल में नियोजित विकास के बीच शहरीकरण से ग्रामीण उत्थान तक निर्माण की आचार संहिता को संबोधित करने का प्रयास कर रही है। ग्रामीण स्तर तक निर्माण की अफरातफरी को रोका-टोका जाएगा, तो इसके लिए नियमों की प्रणाली बनाने की गुंजाइश को मंत्रिमंडल की उपसमिति गठित की जा रही है। जाहिर तौर पर टीसीपी कानून के तहत जो अपेक्षाएं सृजित होनी थी, वे कहीं अनिर्णायक स्थिति में रहीं और नियोजन की वास्तविकता शहर तक भी कबाड़ख़ाना बन गई। हिमाचल के किसी भी शहर को व्यवस्थित तथा भविष्य के अनुरूप नहीं ठहराया जा सकता, जबकि ग्रामीण इलाके भी अधूरे शहरीकरण की बदसूरती में गुम हो रहे हैं। हिमाचल की तमाम विकास योजनाओं और प्राथमिकताओं के बीच राजनीनिक सोच को हटाकर, दीर्घकालीन मंतव्य पैदा नहीं होते तो सारी कसौटियां सिर्फ चुनावी सफर की कहानियां ही बनी रहेंगी। मंत्रिमंडल ने विभागीय तौर पर प्राकृतिक खेती के आधार को चुस्त-दुरुस्त करने का सपना उगाया है, तो सौर ऊर्जा के निवेश में सहयोगी के रूप में हिमाचल के निजी परिदृश्य को मजबूत किया जा रहा है। स्वरोजगार के अहम पहलुओं में सौर ऊर्जा के अलावा परिवहन क्षेत्र का संबल प्रदान किया जा रहा है। राजीव गांधी स्वरोजगार योजनाओं के तहत मौजूदा एक हजार टैक्सियों को 40 प्रतिशत सबसिडी के साथ, ई टैक्सियों में बदला जाएगा। यहां जरूरी यह भी है कि इलेक्ट्रिक टैक्सियों का इनकी दरों के हिसाब से लाभ आम जनता व पर्यटकों को भी मिले। पर्यटन क्षेत्र को स्वरोजगार व निजी निवेश के आधार पर मजबूत करने के उद्देश्य से सरकार निवेश संवर्धन परिषद का गठन कर रही है। यह एक व्यापक अभियान की शुरुआत हो सकता है, बशर्ते पूरे प्रदेश की संभावनाओं का एक मानचित्र खड़ा किया जाए। हिमाचल में पढ़े लिखे या प्रदेश के बाहर व्यावसायिक अनुभव प्राप्त युवक लौट कर प्रदेश में ही नए कारोबार का श्रीगणेश कर रहे हैं। बेहतर होगा युवा निवेशकों या स्वरोजगार के जरिए सफल हो रहे युवाओं के अनुभव से सरकार अपनी नीतियों को व्यावहारिक बनाए। रोजगार की सबसे सफल पूंजी प्रदेश में आठ-दस आईटी पार्क हो सकते हैं, लेकिन इस संभावना का लगातार तिरस्कार ही हो रहा है।

> जाहिर है सरकारी नौकरियों की मंडी सजेगी और सरकारी नौकर भी पूजे जाएंगे। सरकारी क्षेत्र में रोजगार के 732 नए अवसर, तमाम बेरोजगारों के आवेदनों में सुर्खी भरेंगे, तो स्पोर्ट्स कोटे में 19 खेलों से खिलाडियों के लिए सरकारी कार्यालय की छत का प्रश्रय मिलेगा। शिक्षा विभाग के पिटारे में 805 प्रधानाचार्यों के कार्यालयों का ताला भी खुल रहा है। मंत्रिमंडलीय बैठक का एजेंडा, अपने लिए ऊर्जा के कई स्रोत, संदेश और महत्त्वाकांक्षा खोज कर पेश हुआ है। स्थानीय निकायों की चुनावी फेहरिस्त भले ही घुंघरू पहनने में देरी कर रही हो, लेकिन कुछ बुनियादी प्रश्नों पर सरकार की ओर से फेरबदल स्पष्ट है। नगर निगमों की बिसात पुनः बदल रही है। अब ढाई-ढाई साल की पारियों के बजाय महापौर व उपमहापौर पूरे पांच साल की जिम्मेदारी में नापे जाएंगे, हालांकि पारदर्शिता के लिहाज से इनके प्रत्यक्ष चुनाव की दिशा में अभी फैसला नहीं आया है। दूसरी ओर पंचायतों के पुनर्गठन के लिए हदें खोल दी गई हैं। स्थानीय निकायों के चुनावों से गुजरने की तैयारी में अब एक युद्ध क्षेत्र चिन्हित हो रहा है। हिमाचल निर्माण की तैयारियों में हर सरकार को स्थानीय निकाय चुनावों के हवाले से अपने कार्यकाल का सामाजिक, राजनीतिक व प्रशासनिक ब्यौरा देना पड़ता है और इसी परिप्रेक्ष्य में प्रदेश एक बड़े राजनीतिक मुकाबले की ओर बढ़ रहा है। वर्तमान सरकार हिमाचल में नियोजित विकास के बीच शहरीकरण से ग्रामीण उत्थान तक निर्माण की आचार संहिता को संबोधित करने का प्रयास कर रही है।

कुछ अलग

अपुन को नोबेल मांगता...

ऐ भिड़, अपने को नोबेल मांगता, समझा क्या! तू सोचता होयंगा, नोबेल मिलना कोई ईमानदारी का गेम है। अरे भाई, यहां तो फिल्मफेयर तक के लिए पैसा घुसाना पड़ता है। नोबेल तो सीधा लॉबिंग का बिजनेस है। कौन कितना भारी कॉरपोरेट से जुड़ा है, कौन किस सरकार से लाइन में है, वो सीन आफिस में बनता। अब अगर अपना गवर्नमेंट अपुन का भी लॉबिंग कर देता, तो आज अपने को भी ठंडी आइसक्रीम जैसा नोबेल मिला होता, समझा? देख भाई, अगर लोगों के काम देखकर नोबेल मिलता होता न, तो बापू को दो-दो बार मिला होता। उनका नाम दो बार लिस्ट से ऐसे काटा, जैसे गरीब पब्लिक का राशन कार्ड कटता है। बापू बेचारा पूरा जिंदगी अहिंसा, भाईचारा, शांति का पाठ पढ़ाता रहा, लाखों जानें बचाईं, फिर भी नोबेल नहीं मिला। आज जो नोबेल लेके घूमता, वही उसके नाम पे मार्केटिंग करता। मतलब बापू का कांसेप्ट बेचके नोबेल जीतता। पर अगर गांधी बापू नोबेल ले भी लेते, तो भी क्या होता? गुलिवर लिलिपुट में पहुंच जाता। बापू जैसे ऊंचे आदमी, और सामने ये छोटे लॉबिंग वाले बौने। नोबेल की वैल्यू बापू से ऊपर थोड़ी न है, रे भिड़! अब देख, नोबेल वालों को क्या लॉजिक? जो सिस्टम का चमचा, उसे इनाम, जो सिस्टम से बाहर निकला, उसे इग्नोर करने का। फिर बोलते हैं 'पीस, पीस!' अपुन बोला, 'साला ये तो वही बात हुई, जैसे वो अफसर अपने बॉस को देखकर फाइल पास करता, अंदर चाहे कुछ भी लिखा हो।' नोबेल ग्लोबल सेटिंग का हिस्सा है। जनता को लगता है साफ-सुथरा खेला है। पर असल में खेल सब पर्दे के पीछे का। बिलकुल क्रिकेट के ड्रीम इलेवन के माफिक।

दृष्टि कोण

संयम आधारित हो नये दौर की शासन कला

युद्ध कभी-कभार ही वहां खत्म होते हैं जहां वे थमते हैं; जहां वे विराम लेते हैं वहां से अनुपात का आगाज़ होता है। वर्साय से लेकर गाजा तक, बगदाद से कीव तक, हर अधूरा युद्ध वही सबक दोहराता है: बिना संयम की जीत अपने ही विनाश के बीज बोती है। जब जीत अपमान में बदल जाए, तब शांति भरभरा कर गिर जाती है। भारत लंबे समय से इस सच्चाई को जानता है। ढाका से लेकर कारगिल व ऑपरेशन सिंदूर तक, भारतीय गणतंत्र की जीत सभ्यतागत रही है, युद्धविराम थकान से नहीं अपितु दूरदर्शिता से रोक लेने की क्षमता। संयम का अर्थ पीछे हटना नहीं; यह एक फैसला होता है, विवेक के साथ साहस का, अनुपात संग शक्ति का। अंत भला हो, यह कमान का सबसे मुश्किल काम है। अपरिमेय जीत का जाल : जैसे कि दुनिया के महाद्वीपों और समुदायों में खून बह रहा है, संयम की बात कहीं नहीं हो रही। युद्ध बेवजह जारी रहते हैं, और शांति का कोई नामलेवा नहीं। इस नैतिक शून्य में, भारत की आनुपातिक संतुलन की विरासत एक गुण से कहीं ज्यादा है, यह अतिरेक के युग के लिए प्रति-आख्यान बन जाती है। अपरिमेय जीत सत्ता का सबसे पुराना जाल है। वर्साय ने हिटलर को जन्म दिया; इराक के जातीय बंटवारे ने आईएसआईएस पैदा की। बिना सोचे-समझे बदला लेने की प्रवृत्ति सिर्फ वर्दी बदलती है, दुश्मनी नहीं। पूर्णविजय की तलाश अक्सर अगली पीढ़ी की पूर्ण हार तय करती है। भारत का अनुशासन सिद्धांतों पर युद्ध खत्म करने में है, न कि तालियों की खातिर। विघटन पैदा करने वालों को चुनौती : वर्तमान विश्व व्यवस्था के रचनाकार, जो गठबंधन को आज्ञाकारिता के बराबर मानते हैं, जिस विघटन को वे अब कोस रहे हैं वह खुद उन्होंने पैदा किया। जो लोग स्वायत्तता की आलोचना अलग-थलग पड़ जाने या तटस्थता रखने के रूप में करते हैं, उनके लिए जवाब सरल है: गुटों की वफादारी विफल रही। भारत का अनुशासन महज घरेलू गुण नहीं; यह शक्ति के विफल मॉडल को चुनौती देता है, एक दबाव रहित आमूल-चूल बदलाव पेश करता है, जिसमें स्वायत्तता व संयम रणनीतिक पसंद के उच्चतम रूप बन जाते हैं।

आधुनिक शक्ति का व्याकरण : संयम सिर्फ विरासत बनकर नहीं रह सकता। आज शक्ति प्रयोग न केवल हथियारों से बल्कि एल्गोरिदम, वित्त और इन्फलुएंस के जरिये किया जाता है। राज्य-व्यवस्था का व्याकरण बदल गया है। सप्लाई चेन घेराबंदी की रस्सियां हैं, डेटा नया रणक्षेत्र है, और सबसे आगे है कहानी गढ़कर फैलाने की होड़। आगामी युद्ध घोषित रूप में न होकर सहेज कर पाली खुन्नस है, जो धारणा, सटीकता और धैर्य के जरिये लड़े जाएंगे। जो देश अंत बढ़िया कर सकेगा वही लंबा टिक पाएगा। भारत के लिए चुनौती दोहरी है: सदी की रफ़्तार से कदम मिलाकर अपना सभ्यतागत स्वभाव कायम रखना। सिद्धांत को तैयारी संग, नैतिकता को फुर्ती के साथ, और धैर्य को सटीकता से जोड़ना होगा। संयम की कला तकनीक, कूटनीति और संचार के साथ पिरोनी होगी। रणनीतिक स्वायत्तता का मरहम – जब पी-5 वीटो से पंगु हो जाता है, संयुक्त राष्ट्र निष्प्रभावी हो जाता है और लहु-लुहान दुनिया में खून बहना जारी रहता है। व्यापार एक हथियार बन गया और शांति पुरस्कार की चाहत रखने से पहले काबिलियत का ढिंढोरा पीटने वाले प्रायोजक ढूंढ़े जा रहे हैं; तब फिर किससे उम्मीद की जाये? कोई नहीं। ऐसे ही हालात में भारत की सभ्यतागत नैतिकता की जरूरत है, हुक्म चलाने के लिए नहीं, बल्कि मिसाल पेश करने को। यह दिखाने के लिए कि ताकत को परिभाषित करने के लिए दूसरे पर हावी होने की ज़रूरत नहीं; वह संयमित राष्ट्र जो सीना तान चले, अभी भी तूफ़ान को थाम सकता है।

ट्रंप का दक्षिण कोरिया में स्वागत, किम जोंग-उन के साथ बैठक रद्द होने पर जताया अफसोस

सियोल (दक्षिण कोरिया), 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस समय दक्षिण कोरिया के उत्तरी ग्योंगसांग प्रांत के ऐतिहासिक शहर ग्योंगजू में हैं। वो यहां के ग्योंगजू राष्ट्रीय संग्रहालय में आयोजित एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। बुधवार दोपहर सम्मेलन शुरू होने से पहले दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने संग्रहालय के बाहर अपने अमेरिकी समकक्ष का स्वागत किया। इस अवसर पर ट्रंप और ली ने उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन के साथ बैठक रद्द होने पर अफसोस जताया।

रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ली और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने किम जोंग-उन के साथ अपेक्षित मुलाकात न हो पाने पर खेद व्यक्त करते हुए प्योंगयांग के साथ बातचीत में अपनी निरंतर रुचि को रेखांकित किया। ली संग्रहालय के बाहर अपने अमेरिकी समकक्ष का स्वागत करने बाद उन्हें अंदर ले गए। ली ने ट्रंप को कोरियाई प्रायद्वीप में शांति को बढ़ावा देने के उनके प्रयासों के सम्मान में ग्रैंड ऑर्डर ऑफ मुगुनघ्वा (कोरिया का सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान) प्रदान किया। किसी अमेरिकी राष्ट्रपति को यह सम्मान पहली बार दिया गया।

इससे पहले ट्रंप का बुसान के गिम्हे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर औपचारिक स्वागत किया गया। 21 तोपों की सलामी शामिल दी गई। विदेशमंत्री चो ह्यून और संयुक्त राज्य अमेरिका में कोरियाई राजदूत कांग क्यूंग-व्हा ने अमेरिकी राष्ट्रपति का स्वागत किया। हवाई अड्डे से ट्रंप अपने आधिकारिक हेलीकॉप्टर मरीन वन में सवार होकर ग्योंगजू के लिए लगभग 80 किलोमीटर की उड़ान पर रवाना हुए। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय ने बताया कि ली ट्रंप और सम्मेलन में भाग लेने वाले सात अन्य देशों के नेताओं के सम्मान में रात्रिभोज का आयोजन करेंगे। इसमें वियतनाम, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, कनाडा, थाईलैंड और सिंगापुर के राष्ट्राध्यक्ष भी शामिल होंगे। नेताओं के बीच हिंद-प्रशांत क्षेत्र में आर्थिक सहयोग पर खुली चर्चा होने की उम्मीद है।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान के लाहौर में पुलिस सब इंस्पेक्टर डकैती के आरोप में गिरफ्तार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की राजधानी लाहौर में एक पुलिस उप निरीक्षक (सब इंस्पेक्टर) को डकैती के जुर्म में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के आला अधिकारियों ने हाल ही में वायरल एक वीडियो क्लिप के आधार पर जांच कराई। जांच में पुष्टि होने पर उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। जुर्म कबूल करने पर गिरफ्तार कर लिया गया। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, इस उप निरीक्षक पर लाहौर के शाहदरा में डाका डालने का आरोप है। पुलिस सूत्रों ने आरोपित की पहचान उप निरीक्षक अम्मार के रूप में की है। वह न्यू अनारकली थाना के ऑपरेशन विंग में तैनात था। 27 अक्टूबर को सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद उसे हिरासत में लिया गया था। इसमें वह नकाबपोश और हथियारों से लैस होकर शाहदरा के इस्लामिया कॉलोनी में एक स्थानीय व्यापारी के घर डकैतों के साथ दिखाई दे रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में अम्मार को इमरान हैदर के घर से नकदी से भरा एक बैग छीनते हुए दिखाया गया है। जांचकर्ताओं ने कहा कि पीड़ित के घर चौथी बार डाका डाला गया। पीड़ित को कुल नुकसान 17 लाख रुपये से अधिक का हुआ। सबसे हालिया घटना 18 अक्टूबर को हुई। आरोपितों ने बंदूक के दम पर 477,000 रुपये लूट लिए।

इथेनॉल वाले उत्पादों से बढ़ा कैंसर का खतरा, यूरोप लगाएगा प्रतिबंध, पर भारत का क्या होगा

वॉशिंगटन। भारत में बिक रहे पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाया जा रहा है। जो नए वाहन बाजार में आ रहे हैं उनमे साफ लिखा होता है कि यह इंजन 20 प्रतिशत इथेनॉल वाले पेट्रोल के हिसाब से तैयार किया गया है। इसके अलावा हैंड सेनेटाइजर में भी इथेनॉल का उपयोग होता है। अब भारत की चिंता का कारण वो रिपोर्ट बन सकती है जिसमें दावा किया गया है कि इथेनॉल वाले उत्पाद कैंसर को बढ़ावा दे रहे हैं। यूरोपीय संघ (ईयू) द्वारा इथेनॉल-आधारित उत्पादों पर लगाए जाने वाले संभावित प्रतिबंध की खबर ने भारत में चिंता पैदा कर दी है। यह कदम यूरोपीय केमिकल एजेंसी (ईसीएचए) की उस रिपोर्ट के बाद उठाया गया है, जिसमें एथेनॉल में कैंसरकारी जोखिम की संभावना बताई गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह प्रतिबंध न केवल हैंड सैनिटाइजर और साफ-सफाई उत्पादों को प्रभावित करेगा, बल्कि भारत जैसे देशों में इथेनॉल ब्लेंडेड ईंधन की बढ़ती उपयोगिता पर भी सवाल खड़े कर सकता है। भारत में यह खबर खासकर बेंगलुरु जैसे शहरों में चिंता बढ़ा रही है, जहां इथेनॉल का उपयोग ईंधन ब्लेंडिंग और सैनिटेशन में व्यापक है। रिपोर्ट के मुताबिक, इथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल के जलने से एसिटाल्डिहाइड और फॉर्मेल्डिहाइड जैसी जहरीली गैसें निकल सकती हैं, जो कैंसर से जुड़ी हैं। हालांकि, रिपोर्ट के मुताबिक, जानकारों का कहना है कि इथेनॉल ईंधन स्वाभाविक रूप से अधिक हानिकारक नहीं हैं। यह प्रदूषकों के कुल मिश्रण पर निर्भर करता है, और इथेनॉल अन्य जहरीले तत्वों को कम कर सकता है। भारत सरकार की इथेनॉल मिश्रण नीति (20 प्रतिशत ब्लेंडिंग लक्ष्य) पर यह प्रतिबंध असर डाल सकता है, क्योंकि ईयू भारत का प्रमुख निर्यात बाजार है। कॉस्मेटिक उद्योग, खासकर इत्र और लोशन क्षेत्र में इथेनॉल का उपयोग प्रमुख है।

पाक की नापाक हरकतः तालिबानी नेताओं को गाली देने पर आगबबूला हुआ अफगानिस्तान

इस्तांबुल। पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों के लिए जगजाहिर है। इसका एक और उदाहरण इस्तांबुल की बैठक में देखा गया। जहां पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख मेजर जनरल शहाब असलम ने तालिबान नेताओं को खुलेआम अपशब्द कहे। पाकिस्तान की इस बदतमीजी से शांति वार्ता के मध्यस्थ कतर और तुर्की के प्रतिनिधि भी हैरान रह गए। अफगानिस्तान ने इसे बदतमीजी करार देते हुए वार्ता रद्द कर दी और कड़ा रुख अपनाते हुए पाकिस्तान को चेतावनी दी कि अगर अफगान सरजमीं पर हमला किया गया, तो इस्लामाबाद को निशाना बनाया जाएगा। यह घटना दोनों देशों के बीच सीमा पर हाल की हिंसक झड़पों के बाद आई है, जहां दोनों ओर से दर्जनों सैनिक मारे गए थे। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव तब चरम पर पहुंचा जब अक्टूबर के मध्य में पाकिस्तानी सेना ने अफगानिस्तान के कंधार और काबुल में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के ठिकानों पर हवाई हमले किए। पाकिस्तान का आरोप था कि तालिबान सरकार टीटीपी को पनाह दे रही है, जो पाकिस्तानी सेना पर हमले कर रहे हैं।

गाजा में हमास के ठिकानों पर इजराइल ने की बमबारी, 33 लोग मारे गए

क्वेटा, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)।

गाजा में एक इजराइली रिजर्व सैनिक की हत्या के बाद हवा में बारूदी गंध घुल गई है। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने इस हत्या का दोषी आतंकवादी समूह हमास को ठहराते हुए उसके खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। आईडीएफ के ताजा हवाई हमले में कम से कम 33 लोगों के मारे जाने का दावा किया गया है। यह हमले गाजा सिटी, बेत लाहिया, अल-बुरेज, नुसेरात और खान यूनिस आदि क्षेत्रों में किए गए।

रिपोर्ट के अनुसार, गाजा पट्टी में हमास संचालित नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने दावा किया है कि इजराइली हवाई हमलों में कम से कम 33 फिलिस्तीनी मारे गए। हमास ने दावा किया कि सैनिक की हत्या से उसका कोई लेना-देना नहीं है। वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता में हुए युद्धविराम समझौता को मानने के लिए प्रतिबद्ध है। एजेंसी के प्रवक्ता महमूद बसल ने कहा कि हमारे दल अभी भी मलबे के नीचे से मृतकों और घायलों को निकाल रहे हैं।

इस घटनाक्रम पर ट्रंप ने कहा कि कुछ भी हो जाए युद्धविराम को कोई खतरा नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर इजराइल के सैनिकों को निशाना बनाया जाता है तो उसे जवाबी हमला करने का अधिकार है। इससे पहले मंगलवार दोपहर रिजर्व सैनिक की हत्या की खबर आने के बाद शाम को प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने एक संक्षिप्त बयान जारी किया। इसमें कहा गया कि प्रधानमंत्री ने सेना को जबरदस्त हमले करने का आदेश दिया है। इस बयान से पहले रक्षामंत्री इजराइल कैट्ज ने कहा कि हमास ने मंगलवार को गाजा में इजराइली सैनिकों पर हमला करके लाल रेखा पार कर ली। उसे इसकी कीमत चुकानी होगी। एक इजराइली सैन्य अधिकारी ने कहा कि हमास का हमला येलो लाइन के पूर्व में हुआ। यह रेखा युद्धविराम समझौते के तहत गाजा के अंदर इजराइली नियंत्रित क्षेत्र को चिह्नित करती है। रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिणी गाजा के शहर राफाह में सैनिकों पर मंगलवार दोपहर मिसाइलें दागी गईं।

अल जजीरा टीवी चैनल ने चिकित्सा सूत्रों के हवाले से इजराइली सेना के हमले में कम से कम 63 लोगों के मारे जाने का दावा किया है। चैनल के अनुसार इनमें 24 बच्चे भी शामिल हैं। अक्टूबर 2023 में शुरू हुए गाजा पर इजराइल के हमले में कम से कम 68,527 लोग मारे गए हैं और 170,395 घायल हुए हैं। सात अक्टूबर, 2023 को हमास के हमलों के दौरान इजराइल में कुल 1,139 लोग मारे गए और लगभग 200 लोगों को बंधक बना लिया गया।

रिपोर्ट के अनुसार, गाजा शहर के पश्चिम में स्थित सबरा, दक्षिणी गाजा में खान यूनिस के उत्तर-पश्चिम में हुए हमले सात लोग मारे गे हैं। गाजा आपातकालीन सेवाओं ने बम विस्फोटों में अनेक लोगों के हताहत होने की सूचना दी है। अल-अवदा अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि मध्य गाजा में नुसेरात शरणार्थी शिविर के दक्षिण में एक शरणार्थी तंबू पर हुए हमले में अधिक लोग हताहत हुए। इजराइली युद्धक विमानों ने दक्षिणी गाजा के राफाह में हमास के कई ठिकानों पर बमबारी की और गाजा शहर के पूर्व में स्थित जैतून इलाके पर भी हमला किया।

आईडीएफ ने कल गाजा में हमास के हमले में रिजर्व सैनिक 37 वर्षीय मास्टर सार्जेंट (सेवानिवृत्त) योना एफ़्रैम फेल्डबाम (इजराइल रक्षा बल) के मारे जाने की पुष्टि की। फेल्डबाम वेस्ट बैंक के नेरिया बस्ती में सैन्य मशीनरी ऑपरेट करते थे। आईडीएफ की प्रारंभिक जांच में दावा किया गया कि आतंकवादियों ने सैनिकों पर आरपीजी और स्नाइपर फायरिंग की। आईडीएफ ने अनुमान लगाया है कि यहां आतंकवादी छुपे हुए हैं। पिछले हफ्ते इसी इलाके में हुए एक ऐसे ही हमले में दो सैनिक मारे गए थे। इजराइल ने दोनों हमलों के लिए हमास को जिम्मेदार ठहराया है।

नेपाल में अंतरिम सरकार का गठन, संसद विघटन के खिलाफ सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट ने गठित की सवैधानिक पीठ

काठमांडू, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

नेपाल के उच्चतम न्यायालय ने प्रधानमंत्री सुशीला कार्की के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार और प्रतिनिधि सभा भंग करने को असवैधानिक बताने वाली 16 याचिकाओं को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है और इसके लिए पाँच सदस्यीय संविधान पीठ का गठन किया है। प्रधान न्यायाधीश प्रकाशमान सिंह राउत के नेतृत्व में गठित इस पीठ में वरिष्ठ न्यायाधीश सपना प्रधान मल्ल, कुमार रेग्मी, हरि फुयाल और मनोज शर्मा शामिल हैं।

सर्वोच्च अदालत के प्रवक्ता अर्जुनप्रसाद कोइराला के अनुसार, प्रधानमंत्री की नियुक्ति, संसद विघटन को रद्द करने और संसद पुन:स्थापना को लेकर दायर याचिकाओं में प्रारंभिक सुनवाई की जाएगी।

जेन-ज़ी आंदोलन के बाद पूर्व प्रधान न्यायाधीश ने श्रीमती सुशीला कार्की को प्रधानमंत्री नियुक्त करने और प्रतिनिधि सभा को भंग करने को असंवैधानिक घोषित करने की मांग करने वाली अधिकांश याचिकाओं को स्वीकार कर लिया है जिनमें राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल द्वारा लिए गए निर्णयों को संशोधित करने की भी मांग की गई है।

इन याचिकाओं में सर्वोच्च अदालत के पूर्व न्यायाधीशों का मंत्री बनकर सरकार में शामिल होने को गलत एवं आपत्तिजनक बताने वाली याचिकाएं भी शामिल हैं जिनं पर भी अन्य याचिकाओं के साथ सुनवाई की जाएगी।

संवैधानिक पीठ में पेश कुछ याचिकाओं में जेन-ज़ी आंदोलन के दमन में भूमिका निभाने वाले पूर्व प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के लिए आदेश की भी मांग की गई है।

नेपाल में एवरेस्ट बेस कैंप के पास हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, पायलट सुरक्षित

काठमांडू। नेपाल में सगरमाथा एवरेस्ट बेस कैंप के पास सोलुखुम्बु के लोबुचे में अल्टिच्यूट एयर का हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पायलट सुरक्षित है। सोलुखुम्बु के पुलिस उपाधीक्षक मनोजित कुंवर ने इसकी पुष्टि की। पुलिस उपाधीक्षक कुंवर ने बताया कि हेलीकॉप्टर में केवल पायलट विवेक खड़का सवार थे। वे सुरक्षित हैं। यह हेलीकॉप्टर एक पर्यटक के बचाव के लिए गया था और लैंडिंग के दौरान बर्फ में फिसलने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

भारत के खिलाफ उल्टा पड़ा शाहबाज-मुनीर का दांव........सऊदी अरब ने कर दिया खेला

कराची, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), कतर और अजरबैजान के साथ मिलकर एक नया ट्रिपल मिलिट्री अलायंस बनाने जा रहा है। इसकी औपचारिक घोषणा अगले महीने दोहा में हो सकती है। यह अलायंस पाक-सऊदी अरब सैन्य करार के मॉडल पर आधारित होगा, जिसमें एक देश पर हमले को साझा हमला माना जाएगा। पाकिस्तान यूएई, कतर और अजरबैजान की सेना को ट्रेनिंग देगा। बहरीन भी इसमें शामिल होना चाहता है।

लेकिन सऊदी अरब-पाकिस्तान सैन्य करार में बड़ा खेल हो गया। सितंबर में हुए करार के तहत पाकिस्तान ने ढाई हजार (2,500) जवान सऊदी अरब भेज दिए थे। अब दावा किया जा रहा है कि सऊदी अरब 25,000 सैनिक उठा ले गया है। इन सैनिकों का काम मुख्य रूप से सऊदी अरब के दुश्मनों, खासतौर पर इजरायल से लड़ना होगा। पाकिस्तान को लगा था कि यह डील भारत और अफगानिस्तान के हमलों से बचाएगी, लेकिन सऊदी अरब ने स्पष्ट कर दिया है कि वह भारत और अफगानिस्तान के खिलाफ कोई सैन्य कार्रवाई नहीं करेगा। सऊदी अरब ने ऐसी स्थिति में डिप्लोमेटिक तरीके से दोस्ती कराने की कोशिश करने की बात कही है। सऊदी अरब ने हाल ही में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हुए संघर्ष में भी केवल राजनयिक प्रयास किए और पाकिस्तान को खुद ही निपटने को कहा। यह डील पाकिस्तान को सऊदी अरब का इक्वल डिफेंस पार्टनर नहीं बल्कि गुलाम बना दिया है, और इसका मकसद सऊदी अरब की खुद को इजरायल से सुरक्षा करना है, जिसके लिए पाकिस्तान के 25,000 सैनिक तैनात किए जाएंगे।

अब एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सऊदी अरब ने यह डिफेंस डील पाकिस्तान को बचाने या पाकिस्तान पर हमला करने वाले देश पर हमला करने के लिए नहीं की है बल्कि खुद को इजराइल से बचाने के लिए की है। इस डील का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा यह है कि पाकिस्तान अपने 25,000 सैनिक सऊदी अरब के अलग-अलग इलाकों में तैनात करेगा। पाकिस्तान के 25,000 सैनिक सऊदी अरब की सुरक्षा के लिए काम करने वाले है।

ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में आपराधिक समूह कमांडो वर्मेलो ड्रग कार्टेल के खिलाफ सैन्य और पुलिस अभियान में 64 की मौत

रियो डी जेनेरियो (ब्राजील), 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। ब्राजील के प्रमुख शहर रियो डी जेनेरियो में मंगलवार को आपराधिक समूह कमांडो वर्मेलो ड्रग कार्टेल के खिलाफ शुरू किए गए अब तक के सबसे बड़े सैन्य और पुलिस अभियान में कम से कम 64 लोग मारे गए। इनमें से 60 अपराधी और चार पुलिस अधिकारी बताए गए हैं। भीषण संघर्ष के बाद गिरोह के 81 खूंखार सदस्यों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली। ब्राजील से छपने वाले फोल्हा डी एस.पाउलो अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, सेना और पुलिस 69 गिरफ्तारी वारंट की तामील के लिए मंगलवार को रियो डी जेनेरियो के उत्तरी क्षेत्र के अलेमाओ और पेन्हा में घुसी। यहां कमांडो वर्मेलो कार्टेल का आधिपत्य है। अभियान के दौरान संघर्ष की आशंका के मद्देनजर सेना और पुलिस ने सारे इलाके को घेर लिया। यह अभियान लगभग 2500 पुलिस और सैन्य अधिकारियों के निगरानी में शुरू किया गया। सभी रास्तों को बैरिकेड्स लगाकर बंद कर दिया गया।

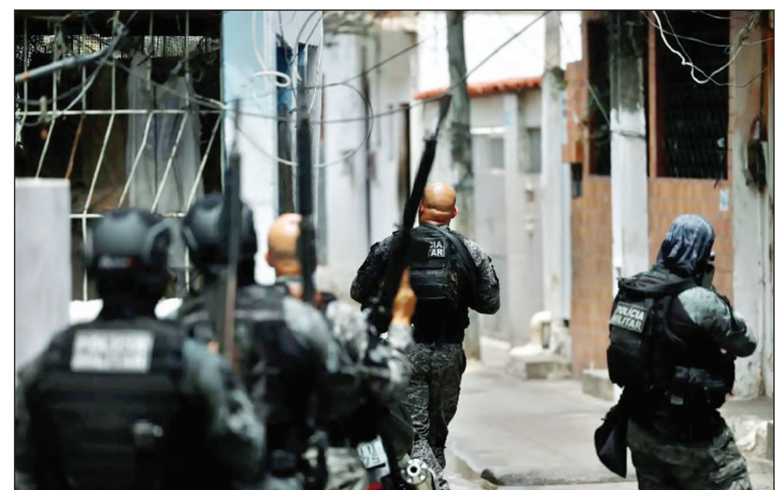

अपराधियों के गोलीबारी शुरू करने पर ड्रोन से बम गिराए गए।

गवर्नर क्लाउडियो कास्त्रो के अनुसार, इस अभियान में कम से कम 60 संदिग्ध और चार पुलिस अधिकारी मारे गए। इस दौरान 31 राइफलें भी ज़ब्त की गई। गिरफ्तार लोगों में आपराधिक समूह का एक सरगना भी है। कास्त्रो ने कहा कि अपराधियों ने अधिकारियों और नागरिकों पर विस्फोटक गिराने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया। राज्य संघीय सरकार के समर्थन के बिना अकेले इन अपराधियों का सामना कर रहा है। गवर्नर ने उच्चतम न्यायालय के उस फैसले की आलोचना भी की, जो इस इलाके में पुलिस कार्रवाई को प्रतिबंधित करता है। उन्होंने कहा कि इस फैसले ने मादक पदार्थों की तस्करी को बढ़ावा दिया है। रियो डी जेनेरियो के लोक अभियोजक कार्यालय के अनुसार, इस इलाके में आपराधिक समूह की मर्जी के बिना पत्ता भी नहीं हिलता। कमांडो वर्मेलो पर डोका के नाम से जाने जाने वाले नेता एडगर अल्वेस डी एंड्रेड और पेड्रो बाला के नाम से जाने जाने वाले पेड्रो पाउलो गुएडेस का नियंत्रण। इसके 67 सदस्य सर्वाधिक खूंखार हैं। इस अभियान के समय सुरक्षा के मद्देनजर स्कूलों को बंद कर दिया गया। द रियो टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, कमांडो वर्मेलो ड्रग कार्टेल के खिलाफ शुरू किए गए इस अभियान के दौरान रियो डी जेनेरियो के उत्तर दिशा की पहाड़ियों की गुफाओं में छुपे अपराधियों को भी पकड़ा गया है। इस अभियान को ओपेराकाओ कॉन्टेनकाओ% नाम दिया गया। अलेमाओ और पेन्हा में 1,00,000 से ज्यादा लोग रहते हैं। यहां की दरिद्र बस्तियों में अपराधियों का राज चलता है। इस अभियान की अधिकारियों ने हेलीकॉप्टर से निगरानी की। इलाके को घेरने बख्तरबंद गाड़ियों का प्रयोग किया गया। गवर्नर क्लाउडियो कास्त्रो ने कहा है कि अपराधियों के प्रतिशोध लेने की आशंका के मद्देनजर सेना की कई बटालियनों को तैनात किया गया है।

मानुष शाह-दिया चितले ने रचा इतिहास, डब्ल्यूटीटी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने वाली बनी पहली भारतीय जोड़ी

नई दिल्ली,29 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मानुष शाह और दिया चितले की जोड़ी ने पहली बार डब्ल्यूटीटी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई कर इतिहास रच दिया है। नवीनतम डब्ल्यूटीटी सीरीज़ फाइनल्स रेस रैंकिंग के अनुसार मंगलवार को शाह-चितले की जोड़ी इस साल के अंत में होने वाले हांगकांग (चीन) में निर्धारित टूर्नामेंट (10 से 14 दिसंबर) के लिए जगह पक्की करने वाली पांचवीं मिश्रित युगल टीम बन गई। डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर मस्कट (17 से 22 नवंबर) के बाद की फाइनल रेस रैंकिंग से सात सर्वश्रेष्ठ जोड़ियां सीधे क्वालीफाई करेंगी, जबकि आठवां स्थान मेज़बान देश के वाइल्डकार्ड जोड़ी को मिलेगा। विश्व टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) की नवीनतम रैंकिंग में भारतीय जोड़ी आठवें स्थान पर है। इस सीज़न में उन्होंने कई शानदार प्रदर्शन किए हैं। अप्रैल में हुए डब्ल्यूटीटी कंटेंडर ट्यूनिस में उन्होंने जापान की मिवा हारिमोटो और सोरा मात्सुशिमा को फाइनल में हराकर खिताब जीता — जो उनका सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय खिताब रहा। इसके बाद जुलाई में हुए यूएस स्मैश में उन्होंने जापान की सत्सुकी ओडो और कोरिया के ओह जुनसंग को मात दी, वहीं डब्ल्यूटीटी कंटेंडर ब्यूनस आयर्स में उन्होंने सत्सुकी ओडो और जापान के ही हीरोतो शिनोज़ुका को हराकर प्रभावशाली जीत दर्ज की। गौरतलब है कि डब्ल्यूटीटी फाइनल्स की शुरुआत वर्ष 2021 में हुई थी। इस वर्ष भी प्रतियोगिता में पुरुष और महिला एकल वर्ग में 16-16 खिलाड़ी भाग लेंगे। कुल 13 लाख अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि वाली इस प्रतियोगिता में इस बार पुरुष और महिला युगल की जगह मिश्रित युगल इवेंट को शामिल किया गया है। मिश्रित युगल वर्ग में दो ग्रुप (प्रत्येक में चार जोड़ियां) बनाए जाएंगे। ग्रुप चरण के बाद सेमीफाइनल खेले जाएंगे और सभी मुकाबले बेस्ट ऑफ फाइव (5 गेम्स) प्रारूप में होंगे। इस ऐतिहासिक अवसर पर दिया चितले ने एक बयान में कहा, फाइनल्स जैसे बड़े टूर्नामेंट में खेलना अपने आप में बहुत बड़ा सम्मान है, और उससे भी बड़ा गर्व है कि हम पहले भारतीय हैं जिन्होंने यह उपलब्धि हासिल की।

न्यूज़ ब्रीफ

भारत ए टीम के कप्तान ऋषभ पर रहेंगी नजरें

बेंगलुरु। यहां भारत ए और दक्षिण अफ्रीका ए के बीच शुरु हुए चार दिवसीय अनौपचारिक टेस्ट मैच से वापसी कर रहे विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पर सभी की नजरें रहेंगी। ऋषभ इंग्लैंड दौरे में लगी चोट के बाद से ही टीम से बाहर थे। वह इस मैच से एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। उन्हें इस मैच के लिए टीम का कप्तान भी बनाया गया है। इस चार दिवसीय मैच से उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए अभ्यास के साथ ही फार्म हासिल करने का अवसर मिलेगा। ऋषभ की वापसी से ध्रुव जुरेल को टीम में जगह नहीं मिली है यहां की पिच भी बल्लेबाजी के लिए अनुकूल है। ऐसे में ऋषभ अपनी बल्लेबाजी को निखारने के अलावा अपनी विकेटकीपिंग पर भी ध्यान देंगे। वहीं बल्लेबाज साई सुदर्शन के पास भी दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ होने वाले इस मैच से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली टेस्ट श्रृंखला से पहले अपने खेल को बेहतर बनाने का अवसर मिलेगा। सुदर्शन को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी का अवसर मिला है पर अभी तक वह बड़ी पारियां नहीं खेल पाये हैं।

पैट कमिंस की नेट्स में वापसी, एशेज में कमबैक की उम्मीदें बढ़ीं

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट कप्तान पैट कमिंस को नेट्स में गेंदबाजी करते हुए देखा गया है, जिससे इस साल की एशेज सीरीज में उनकी वापसी की उम्मीदें बढ़ गई हैं। स्काई न्यूज ऑस्ट्रेलिया की रिपोर्ट के मुताबिक 32 वर्षीय तेज गेंदबाज कमिंस नेट्स में अपनी फिटनेस हासिल करने के लिए लगातार मेहनत कर रहे हैं। कमिंस को कमर में बोन स्ट्रेस इंजरी के कारण पहले एशेज टेस्ट से बाहर कर दिया गया है, जो 21 नवंबर से पर्थ में खेला जाएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पुष्टि की है कि इस मुकाबले में स्टीव स्मिथ टीम की कप्तानी करेंगे। स्मिथ का बतौर स्टैंड-इन कप्तान रिकॉर्ड अब तक शानदार रहा है। उन्होंने कप्तान रहते हुए पांच मुकाबले जीते हैं और एक ड्रॉ रहा है। पर्थ टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम की घोषणा अगले हफ्ते होने की उम्मीद है। कमिंस की ब्रिसबेन में होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्धता उनके चार हफ्तों के गेंदबाजी कार्यक्रम के नतीजों पर निर्भर करेगी, जिसमें उनकी फिटनेस की परीक्षा ली जाएगी। एशेज में इंग्लैंड के खिलाफ कमिंस हमेशा एक बड़ी चुनौती रहे हैं। उन्होंने पिछली चार एशेज सीरीज में कुल 91 विकेट झटके हैं और 2017-18, 2019 तथा 2021-22 सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। गौरतलब है कि 2011 में बतौर युवा खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत करने वाले कमिंस को शुरुआती दौर में लगातार पीठ की चोटों से जूझना पड़ा, जिसके कारण वह पांच साल तक टेस्ट क्रिकेट से दूर रहे।

पूर्व इंग्लिश तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन को नाइटहुड सम्मान

लंदन। इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज और टीम के सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने वाले खिलाड़ी जेम्स

एंडरसन को विंडसर कैसल में मंगलवार को आयोजित एक विशेष समारोह के दौरान प्रिंसेस ऐनी ने नाइटहुड की उपाधि प्रदान की। 43 वर्षीय एंडरसन को यह उपाधि क्रिकेट के प्रति उत्कृष्ट योगदान के लिए दी गई है। एंडरसन ने जुलाई 2024 में लॉर्ड्स में अपने 21 साल लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कहा था। उन्होंने 188 टेस्ट मैचों में 704 विकेट झटके — जो किसी भी तेज गेंदबाज द्वारा सर्वाधिक हैं। उनसे आगे सिर्फ दो स्पिनर— मुथैया मुरलीधरन (800) और शेन वॉर्न (708) हैं। टेस्ट के अलावा एंडरसन ने वनडे अंतरराष्ट्रीय मैचों में 269 विकेट लिए, जो अब तक इंग्लैंड के लिए एक रिकॉर्ड है, भले ही उन्होंने अपना आखिरी वनडे 2015 में खेला था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद भी एंडरसन ने 2024 सीज़न में अपने काउंटी क्लब लंकाशायर के लिए खेलना जारी रखा। उन्होंने लगभग 10 साल बाद टी20 क्रिकेट में वापसी करते हुए अपनी टीम को एजबेस्टन में आयोजित फाइनल्स डे तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। इसके साथ ही उन्हें द हंड्रेड लीग में मैनचेस्टर ओरिजिनल्स टीम के लिए वाइल्डकार्ड कॉन्ट्रैक्ट भी मिला। बताया जा रहा है कि एंडरसन 2025 सीज़न में भी काउंटी क्रिकेट खेलने के लिए बातचीत कर रहे हैं।

नौ साल बाद प्लेऑफ में पहुंचना तेलुगु टाइटंस के लिए ऐतिहासिक पल : कोच कृष्ण कुमार हुड्डा

कैनबरा,29 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीज़न 12 में तेलुगू टाइटंस ने नौ साल का इंतजार खत्म करते हुए प्लेऑफ में जगह बना ली है। मंगलवार को त्यागराज इंडोर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टाइटंस ने पटना पाइरेट्स की आठ मैचों की विजयी लय तोड़ते हुए 46-39 से शानदार जीत दर्ज की। इस जीत के साथ टीम ने क्वालिफायर-2 में जगह पक्की की, जहां उनका मुकाबला सीज़न 10 की चैंपियन पुणेरी पलटन से होगा। टीम की इस अहम जीत पर मुख्य कोच कृष्ण कुमार हुड्डा ने एक आधिकारिक बयान में कहा, यह हमारे लिए करो या मरो वाला मैच था। मैंने सीज़न की शुरुआत में ही कहा था कि इस बार हम अपने दर्शकों को निराश नहीं करेंगे। कौन जीतेगा, यह वक्त बताएगा, लेकिन हम अपनी पूरी ताकत झोंक देंगे।

कोच हुड्डा ने विजय और भरत की जोड़ी की तुलना मशहूर फिल्म शोले के जय-वीरू से करते हुए कहा, विजय और भरत की जोड़ी टीम के लिए अमूल्य है। विजय की कप्तानी और भरत की रेडिंग ने टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है।

टीम के कप्तान विजय मलिक ने भी कोच की बातों को दोहराते हुए कहा, हमने शुरुआत से अच्छा प्रदर्शन किया है और हमारा मकसद लगातार उसी लय को बनाए रखना था। हम सिर्फ अपना खेल खेलना चाहते थे। भावुक होते हुए कोच हुड्डा ने कहा, तेलुगू टाइटंस नौ साल बाद प्लेऑफ में पहुंचे हैं। पहले टीमें हमें देखकर सोचती थीं कि ये मुकाबला तो आसान होगा। लेकिन इस बार खिलाड़ियों ने ऐसा खेल दिखाया है कि मेरी आंखें नम हो गईं।

हुड्डा ने आगे कहा, पिछले सीज़न में हम बहुत कम अंतर से बाहर हुए थे, इस बार खिलाड़ियों की मेहनत रंग लाई है। मैं हर खिलाड़ी का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं जिन्होंने टीम को इस मुकाम तक पहुंचाया। कोच ने सीनियर खिलाड़ियों विजय, भरत और शुभम की भी सराहना की, जिन्होंने युवा खिलाड़ियों के साथ मिलकर टीम को संभाला। उन्होंने कहा, हमारे पास चार युवा खिलाड़ी हैं, लेकिन इन तीन सीनियरों ने टीम को संतुलन दिया है। खासकर कप्तान विजय ने हर मैच में फ्रंट से लीड किया। पुणेरी पलटन के खिलाफ क्वालिफायर 2 से पहले भरत ने कहा, हम हर मैच को जीतने के इरादे से खेलते हैं। सामने कौन है, इससे फर्क नहीं पड़ता। हमारा लक्ष्य सिर्फ खिताब जीतना है और इसके लिए हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। तेलुगू टाइटंस अब इतिहास रचने से बस दो कदम दूर हैं और टीम का आत्मविश्वास इस बात का संकेत है कि वे इस सीज़न में किसी को भी हल्के में नहीं ले रहे।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 सीरीज का पहला मैच बारिश की भेंट चढ़ा

कैनबरा,29 अक्टूबर (एजेंसियां) । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 सीरीज का पहला मुकाबला बेनतीजा रहा। कैनबरा के मनुका ओवल मैदान पर भारतीय पारी के 10वें ओवर में बारिश आई। बारिश नहीं रुकने की वजह से खेल शुरू नहीं हो पाया और मैच को बेनतीजा घोषित करना पड़ा। इससे पहले भी मैच में बारिश आई थी। भारत की पारी में जब 5 ओवर हुए तो बारिश आ गई थी। इसके बाद करीब 45 मिनट तक खेल रुका रहा।

18-18 ओवर का कर दिया गया मैच

पहली बार बारिश आई तो खेल दोबारा शुरू हो गया था। भारतीय समय अनुसार जब तीन बजे मैच शुरू हुआ तो इसे 18-18 ओवर का कर दिया गया। ब्रेक 45 मिनट का ही था, इसके बाद भी मैच को 4 ओवर कम कर दिया गया। बारिश के बाद जब नए नियम बताए गए तो पावरप्ले 5.2 ओवर का कर दिया गया। गेंदबाजों के लिए भी नए नियम थे। तीन गेंदबाज ज्यादा से ज्यादा चार-चार ओवर डाल सकते थे और बाकी दो गेंदबाज तीन-तीन ओवर ही फेंक सकते थे।

चार ओवर क्यों कट गए

करीब 45 मिनट का ब्रेक होने के बाद भी मैच के 4 ओवर क्यों कम कर दिए गए। इंटरनेशनल क्रिकेट में ऐसा देखने को नहीं मिलता है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान आरोन फिंच ने इसका कारण बताया। उन्होंने कहा कि फ्लडलाइट के बंद होने का समय ही ओवर कम करने का कारण बना। फिंच ने समझाया, 'स्थानीय समयानुसार रात 11 बजे तक स्टेडियम की लाइटें अपने आप बंद हो जानी चाहिए क्योंकि यह इलाका रिहायशी है।'भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला 31 अक्टूबर को खेला जाएगा। मेलबर्न क्रिकेट स्टेडियम में यह मुकाबला खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया में अभी बरसात है। वनडे सीरीज के पहले मैच का नतीजा भी डकवर्थ लुईस नियम से निकला था। यही वजह है कि आने वाले मैच भी बारिश के कारण प्रभावित हो सकते हैं।

मेग लैनिंग ने भारत के खिलाफ सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को बताया जीत का प्रबल दावेदार

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग ने भारतीय टीम के खिलाफ गुरुवार को होने वाले सेमीफाइनल मुकाबले में अपनी टीम को जीत का प्रबंल दावेदार बताया है। लैनिंग ने अपनी टीम की प्रशंसा करते हुए कहा कि उसमें जबरदस्त गहराई है। उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलियाई टीम एक या दो खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं है। टीम के शुरुआती बल्लेबाजों के विफल होने पर निचले क्रम के बल्लेबाज भी मैच को बदल सकते हैं। उन्होंने बेथ मूनी को ऑस्ट्रेलिया की सबसे भरोसेमंद खिलाड़ी बताते हुए कहा कि वह किसी भी प्रकार के हालात में टीम को संकट से उबार सकती हैं। वहीं लैनिंग ने इंग्लैंड की संभावनाओं को लेकर कहा कि उनकी टीम में अच्छा संतुलन है। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट में इंग्लैंड के लिए हीथर नाइट। वहीं दक्षिण अफ्रीका के लिए मैरिज़ेन कैप, भारत के लिए हरमनप्रीत कौर और ऑस्ट्रेलिया के लिए बेथ मूनी अहम भूमिका निभा सकती हैं। लैनिंग ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में इंग्लैंड की टीम जीत की प्रबल दावेदार है। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड की बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में गहराई और संतुलन टीम की सबसे बड़ी ताकत है। लैनिंग ने कहा, मुझे लगता है कि इंग्लैंड पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर रहा है।

कनाडियन ओपन 2025 : अनाहत सिंह ने विश्व नंबर-7 टिन्ने गिलिस को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

टोरंटो (कनाडा),29 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

भारत की उभरती स्क्वैश स्टार अनाहत सिंह ने कनाडियन ओपन 2025 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बड़ा उलटफेर कर दिया है। दिल्ली की 17 वर्षीय अनाहत ने मौजूदा चैंपियन और विश्व नंबर-7 टिन्ने गिलिस को सीधे गेमों में हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली।

मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन अनाहत ने इससे पहले क्वार्टरफाइनल में विश्व नंबर-20 मेलिसा एल्वेस (फ्रांस) को हराकर चौंकाया था। यह अनाहत के करियर की पहली टॉप-10 खिलाड़ी पर जीत है। उन्होंने यह मुकाबला 12-10, 11-9, 11-9 से अपने नाम किया। अब सेमीफाइनल में उनका सामना इंग्लैंड की जॉर्जिना केनेडी से होगा। मुकाबले के बाद अनाहत ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, मैं इस हफ्ते अपने खेल से बहुत खुश हूं। कोचों से बात हुई थी, उन्होंने कहा कि अगर मैं कल की तरह खेलूं तो किसी को भी हरा सकती हूं। और वही हुआ।

उन्होंने आगे कहा, इस टूर्नामेंट से पहले मैंने नहीं सोचा था कि मैं यहां तक पहुंचूंगी। पिछले हफ्ते मेरा प्रदर्शन अच्छा नहीं था, लेकिन यूएस ओपन के दौरान ग्रेग (गॉल्टियर) के साथ चार दिन ट्रेनिंग की। मुझे पता था कि अगर मेहनत और फोकस बनाए रखूं तो मौका जरूर मिलेगा — और आज वही हुआ। अनाहत ने पिछले सीजन (2024-25) में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए पीएसए अवॉर्ड्स में दो सम्मान वुमेंस चैलेंजर प्लेयर ऑफ द सीजन और वुमेंस यंग प्लेयर ऑफ द सीजन (मिस्त्र की अमीना ऑरफी के साथ साझा) जीते थे।

कनाडियन वुमेंस ओपन के सेमीफाइनल मुकाबले 30 अक्टूबर (भारतीय समयानुसार) को खेले जाएंगे। मुकाबले सुबह 3:00 बजे से शुरू होंगे, जबकि अनाहत का मैच 4:30 बजे से खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड ने 17 साल बाद घरेलू मैदान पर सीरीज़ जीती, दूसरे वनडे में इंग्लैंड को 5 विकेट से हराया

सेडन पार्क (हैमिल्टन),29 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

इंग्लैंड की कमजोर बल्लेबाज़ी एक बार फिर टीम के लिए भारी पड़ी। तीन मैचों की वनडे सीरीज़ के दूसरे मुकाबले में बुधवार को न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को 5 विकेट से हराकर सीरीज़ 2-0 से अपने नाम कर ली।

वर्ष 2008 के बाद यह पहली बार है जब न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को घरेलू मैदान पर वनडे सीरीज़ में पराजित किया। दोनों टीमों के बीच तीसरा और आखिरी। वनडे 1 नवंबर को खेला जाएगा।

इंग्लैंड की टीम पहले बल्लेबाज़ी करते हुए मात्र 175 रन पर ढेर हो गई, जिसके जवाब में न्यूजीलैंड ने डैरिल मिशेल (56), रचिन रवींद्र (54) और मिचेल सैंटनर (34) की शानदार पारियों की बदौलत लक्ष्य को सिर्फ 33.1 ओवर में हासिल कर लिया। यह 2008 के बाद न्यूजीलैंड की इंग्लैंड पर घरेलू मैदान पर पहली वनडे सीरीज़ जीत है।

इंग्लैंड पहले बल्लेबाज़ी करते हुए मात्र 175 रन पर ऑलआउट हो गई। न्यूजीलैंड के सभी छह गेंदबाज़ों ने विकेट चटकाए, जबकि ब्लेयर टिकनर ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए 4 विकेट अपने नाम किए। नाथन स्मिथ ने 2 विकेट लिए। इंग्लैंड की ओर से जेमी ओवरटन (42) और हैरी ब्रूक (34) ही कुछ देर टिक सके। कप्तान जोस बटलर और जो रूट सस्ते में लौट गए।

बारिश के बाद जब मैच शुरू हुआ तो शुरुआत से ही इंग्लैंड की हालत पतली दिखी। तीसरे ओवर में जैकब डफी ने बेन डकेट को पवेलियन भेजा और जल्द ही फॉल्क्स ने दूसरे ओपनर जेमी स्मिथ को चलता किया। टिकनर ने जो रूट को आउट कर इंग्लैंड को तीसरा झटका दिया। इसके बाद लगातार विकेट गिरते रहे और टीम 36 ओवरों में 175 पर सिमट गई।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड टीम की शुरुआत भी लड़खड़ाई, जब जॉफ्रा आर्चर ने पहली ही ओवर में विल यंग को आउट किया, लेकिन इसके बाद रचिन रवींद्र (54) और डैरिल मिशेल (56 नाबाद) ने पारी को संभाला। रवींद्र ने 54 रन की शानदार पारी खेली, जबकि मिशेल ने लगातार दूसरी फिफ्टी जड़ी। इंग्लैंड की ओर से आर्चर ने बेहतरीन गेंदबाज़ी की और 3 विकेट (3/23) झटके, लेकिन उनका प्रयास टीम को जीत नहीं दिला सका। अंत में मिचेल सैंटनर (34 नाबाद, 17 गेंदों में) ने ताबड़तोड़ बल्लेबाज़ी करते हुए मैच को 33.1 ओवर में ही खत्म कर दिया। ब्लेयर टिकनर को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

संक्षिप्त स्कोरकार्ड:

इंग्लैंड - 175/10 (36 ओवर, जेमी ओवरटन 42, हैरी ब्रूक 34; ब्लेयर टिकनर 4/34, नाथन स्मिथ 2/27)

न्यूजीलैंड - 177/5 (33.1 ओवर, डैरिल मिशेल 56*, रचिन रवींद्र 54, मिचेल सैंटनर 34*; जॉफ्रा आर्चर 3/23)।

भारत और ईयू मुक्त व्यापार समझौते पर चर्चा जारी रखने पर सहमत, कार्बन कर मुद्दों पर बातचीत रखेंगे जारी

नई दिल्ली,29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) ने प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर चर्चा जारी रखने पर सहमति जताई है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की ब्रुसेल्स यात्रा के दौरान यह बातचीत हुई।

दोनों पक्षों ने इस्पात, मोटर वाहन और कार्बन सीमा समायोजन तंत्र (सीबीएएम) जैसे संवेदनशील मुद्दों पर और वार्ता की आवश्यकता को स्वीकार किया। भारत ने एफटीए में पारदर्शी और पूर्वानुमानित नियामक ढांचे के निर्माण की वकालत की। इसके अलावा, शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं को हटाने पर जोर दिया गया। गोयल ने विशेष रूप से श्रम-प्रधान क्षेत्रों में भारत की प्राथमिकताओं को तरजीह देने की आवश्यकता पर बल दिया। ईयू ने हाल ही में सीबीएएम और ईयूडीआर (वन विनाश विनियमन) जैसे नियम लागू किए हैं। सीबीएएम के तहत इस्पात, एल्युमीनियम और सीमेंट के भारतीय निर्यात पर 20-35 फीसदी तक शुल्क लगाया जा सकता है। भारत ने इन नियमों पर कड़ी आपत्ति जताई है और दोनों पक्षों ने इसे वार्ता का अहम हिस्सा माना। दोनों पक्षों ने गैर-संवेदनशील औद्योगिक शुल्क लाइनों पर सहमति बनाने और 2025 के अंत तक एफटीए समझौते को पूरा करने का साझा लक्ष्य तय किया। वार्ता जून 2022 में फिर शुरू हुई थी, जबकि यह पहले 2013 में बाजार खोलने के मुद्दों के कारण रुकी हुई थी। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत और ईयू का द्विपक्षीय वस्तु व्यापार 136.53 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जिसमें 75.85 अरब डॉलर का निर्यात और 60.68 अरब डॉलर का आयात शामिल है। यह ईयू को भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बनाता है।

न्यूज ब्रीफ

उत्तर प्रदेश सरकार ने गन्ना मूल्य 30 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने 2025-26 पेराई सत्र के लिए गन्ने की कीमतों में 30 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की घोषणा की है। अब अगेती गन्ना प्रजाति का मूल्य 400 रुपये प्रति क्विंटल और सामान्य प्रजाति का मूल्य 390 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। सरकार का कहना है कि इस वृद्धि से गन्ना किसानों को लगभग 3,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त लाभ होगा। गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने बताया कि अब तक गन्ना किसानों को कुल 2,90,225 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। इसके मुकाबले 2007 से 2017 के बीच पिछली सरकारों ने केवल 1,47,346 करोड़ रुपये का भुगतान किया था। मौजूदा सरकार ने मात्र साढ़े आठ वर्षों में पिछले सरकारों से 1,42,879 करोड़ रुपये अधिक भुगतान कर नया इतिहास रचा है। प्रदेश में वर्तमान में 122 चीनी मिलें हैं और यह देश में दूसरे स्थान पर है। पिछली सरकारों के कार्यकाल में कई मिलें बेची गई थीं। मौजूदा सरकार की पारदर्शी नीतियों और निवेश के कारण इस उद्योग में 12,000 करोड़ रुपये का निवेश आया है। गन्ना किसानों को लगभग 3,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त लाभ होगा सरकार की 'स्मार्ट गन्ना किसान' पहल से पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन कर दी गई है। अब किसानों को गन्ने की पर्ची मोबाइल पर मिलती है और भुगतान सीधे उनके बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से होता है।

सरकार चीनी निर्यात की अनुमति दे सकती है, एथनॉल के कम उपयोग से अधिशेष बढ़ा

नई दिल्ली। केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने बुधवार को बताया कि 2024-25 में एथनॉल उत्पादन के लिए केवल 34 लाख टन चीनी का उपयोग हुआ, जबकि अनुमानित 45 लाख टन था। इसके परिणामस्वरूप 2025-26 विपणन वर्ष के लिए शुरुआती भंडार अधिक है। 2025-26 में भारत का अनुमानित चीनी उत्पादन 3.4 करोड़ टन है, जबकि वार्षिक घरेलू मांग 2.85 करोड़ टन है। इससे लगभग 55 लाख टन का अधिशेष बनने की संभावना है। सरकार अधिशेष चीनी के निर्यात की अनुमति देने पर विचार कर रही है। चोपड़ा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में परिष्कृत चीनी के लिए कीमतें अनुकूल नहीं हैं, लेकिन कच्ची चीनी का निर्यात संभव हो सकता है। मंत्रियों की समिति अगले सप्ताह इस मामले पर बैठक कर सकती है। चोपड़ा ने बताया कि 2024-25 में उद्योग ने 471 करोड़ लीटर एथनॉल आपूर्ति का प्रस्ताव दिया था, लेकिन केवल 289 करोड़ लीटर ही उपलब्ध कराई गई। एथनॉल उत्पादन में मक्का को 45 फीसदी, गुड़ को 28 फीसदी और चावल को 22 फीसदी हिस्सा मिला। उन्होंने कहा कि प्राथमिकता हमेशा घरेलू खपत, उसके बाद एथनॉल और फिर शेष निर्यात के लिए रही है। एथनॉल के लिए चीनी की अधिक मांग पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के क्षेत्र में आती है।

भारत के द्विपक्षीय उड़ान अधिकार न देने की धारणा गलतः इंडिगो, विदेशी विमानों के अधिकारों पर भ्रम

नई दिल्ली। इंडिगो के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि यह धारणा गलत है कि भारत विदेशी एयरलाइन कंपनियों को द्विपक्षीय उड़ान अधिकार नहीं दे रहा है। भारत चुनिंदा गंतव्यों के लिए अधिकार देता है। खाड़ी देशों की कुछ एयरलाइंस ने अधिकारों में वृद्धि न होने को लेकर चिंता जताई थी। उन्होंने बताया कि भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागरिक विमानन बाजारों में से एक है। सरकार का दृष्टिकोण संतुलित है और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए अपार संभावनाएं मौजूद हैं। इंडिगो के पास 400 से अधिक विमान हैं और यह भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन है। कंपनी ने हाल ही में लंदन, कोपेनहेगन, एम्स्टर्डम और मैनचेस्टर के लिए उड़ानें शुरू की हैं। भारत में इंडिगो स्थापित हो चुकी है, लेकिन विदेशी यात्रियों के लिए यह नया विकल्प है।

बीपीसीएल करेगी हर देश से तेल की खरीद रूस से आयात जारी रखने का दावा

हैदराबाद,29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने कहा है कि उसकी रिफाइनरियों के लिए कच्चे तेल की खरीद तकनीकी और व्यावसायिक व्यवहार्यता पर आधारित होती है। कंपनी रूस समेत सभी देशों से तेल खरीदना जारी रखेगी। बीपीसीएल के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि हम हर क्षेत्र से तेल खरीदते हैं और जो रिफाइनरी के लिए सबसे अधिक उपयुक्त होता है, वही प्राथमिकता पाता है। यह निर्णय केवल बीपीसीएल ही नहीं बल्कि सभी रिफाइनरियों द्वारा लिया जाता है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्पष्ट किया कि कच्चे तेल का चयन कंपनी स्तर पर किया जाता है, न कि देश स्तर पर। अधिकारी ने कहा कि कंपनियां कानून के अनुसार तय करती हैं कि सबसे किफायती तेल कौन सा है। सरकार ने किसी आयातक को रूस से तेल खरीदने या न खरीदने का निर्देश नहीं दिया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के 2070 तक शुद्ध शून्य लक्ष्य के अनुरूप, बीपीसीएल ने 2040 तक शुद्ध शून्य प्राप्त करने के लिए विस्तृत योजना बनाई है। इस योजना के मुख्य घटक में रिफाइनरियों की ऊर्जा दक्षता सुधारना शामिल है। खन्ना ने कहा कि कंपनी की तीनों रिफाइनरियां इस दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रही हैं। बीपीसीएल आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले में रामायपटनम बंदरगाह के पास प्रस्तावित ग्रीनफील्ड रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स के लिए विस्तृत व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार कर रही है। इसके साथ ही कंपनी आवश्यक पर्यावरणीय मंजूरी भी हासिल कर रही है।

होंडा ने पेश की नई इलेक्ट्रिक एसयूवी 'होंडा 0 ए', भारत में 2027 से उपलब्ध

तोक्यो। जापान की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी होंडा मोटर कंपनी लिमिटेड ने अपनी अगली पीढ़ी की इलेक्ट्रिक कार 'होंडा 0 ए' (अल्फा) का जापान मोबिलिटी शो 2025 में अनावरण किया। यह कार एसयूवी के रूप में विकसित की गई है, जिसे शहरी और प्राकृतिक दोनों तरह के वातावरण में चलाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। कंपनी ने बताया कि यह मॉडल 2027 से भारत में बिक्री के लिए उपलब्ध होगा। इसके साथ ही, 'होंडा 0 ए' होंडा का भारत में पहला बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन (बीईवी) होगा। वैश्विक स्तर पर इसे मुख्य रूप से जापान और भारत में बेचा जाएगा। 'होंडा 0 ए' को होंडा 0 श्रृंखला का हिस्सा बनाया गया है। इससे पहले इस श्रृंखला में 'होंडा 0 सैलून' और 'होंडा 0 एसयूवी' शामिल हैं। होंडा का लक्ष्य 2050 तक कार्बन तटस्थता हासिल करना है और यह श्रृंखला इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। होंडा का मानना है कि इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग लंबे समय तक बढ़ती रहेगी। कंपनी ने भारत में अगले कुछ वर्षों में कई नए इलेक्ट्रिक मॉडल लॉन्च करने की योजना भी बनाई है।

ट्राई का बड़ा फैसला, अब हर कॉल पर दिखेगा कॉलर का नाम

मुंबई,29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने मोबाइल कॉलिंग को अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। अब कॉलिंग नेम प्रेजेंटेशन (सीएनएपी) सेवा सभी उपभोक्ताओं को डिफॉल्ट रूप से उपलब्ध कराई जाएगी। इस सुविधा के तहत कॉल आने पर केवल नंबर ही नहीं, बल्कि कॉलर का नाम भी स्क्रीन पर दिखाई देगा। यदि कोई उपभोक्ता यह सेवा नहीं चाहता, तो उसे ऑप्ट-आउट करने का विकल्प मिलेगा।

पहले यह सेवा केवल उपयोगकर्ता की सहमति के बाद सक्रिय करने (ऑप्ट-इन) का प्रस्ताव था, लेकिन अब डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्युनिकेशन (डीओटी) के सुझावों के अनुसार ट्राई ने इसे डिफॉल्ट मोड में लागू करने पर सहमति दे दी है। ट्राई का मानना है कि

स्पैम और फ्रॉड कॉल पर लगेगी रोक, 4जी-5जी नेटवर्क पर होगी शुरुआत

इससे स्पैम, फ्रॉड और फर्जी कॉल्स पर रोक लगेगी, क्योंकि उपभोक्ता कॉल उठाने से पहले कॉलर की पहचान जान सकेंगे। सेवा का पहला चरण 4जी और 5जी नेटवर्क्स पर लागू होगा, क्योंकि इन नेटवर्क्स में आवश्यक तकनीकी ढांचा पहले से मौजूद है। बाद में इसे 2जी और 3जी नेटवर्क्स तक बढ़ाया जाएगा।

ट्राई ने स्पष्ट किया है कि टेलीकॉम लाइसेंस की शर्तों में संशोधन किया जाएगा और आने वाले समय में भारत में बेचे जाने वाले सभी स्मार्टफोन्स में सीएनएपी सपोर्ट अनिवार्य होगा। कॉलर का नाम टेलीकॉम कंपनियों के केवायसी और कस्टमर एप्लीकेशन फॉर्म (सीएएफ) डेटा के आधार पर दिखाया जाएगा, जिससे गलत जानकारी प्रदर्शित होने की संभावना कम रहेगी। बड़ी कंपनियों और बिजनेस लाइनों को अपने कॉलर आईडी में सत्यापित ब्रांड नाम दिखाने की अनुमति होगी।

हवाई में कुवैत इंटरनेशनल स्पोर्टस एक्सपो में पेश स्कूटर देखते हुए लोग

हवाई में कुवैत इंटरनेशनल स्पोर्टस एक्सपो में पेश स्कूटर देखते हुए लोग। एक्सपो के इस पांचवे सत्र में 100 से अधिक कंपनियां शामिल हुईं।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली,29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने और चांदी के भाव में गिरावट लगातार जारी है। कारोबार में सोना 2,250 रुपये से लेकर 2,460 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,20,810 रुपये से लेकर 1,20,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,10,740 रुपये से लेकर 1,10,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,50,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,20,960 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,10,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,20,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,10,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,20,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,10,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,20,810 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,10,740 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,20,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,10,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,20,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,10,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,20,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,10,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,20,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,10,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सैन्य कमांडरों की...

भारतीय विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि सीमा विवाद का अंतिम समाधान दोनों देशों की संप्रभुता व सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए किया जाएगा। वर्तमान में, वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के निकट सहित कुछ क्षेत्रों पर सैन्य तैनाती को लेकर मतभेद बने हुए हैं।इस बैठक में भारतीय पक्ष का नेतृत्व लेह स्थित 14वीं कोर के कमांडर ने किया, जबकि चीनी प्रतिनिधि दक्षिण शिनजियांग सैन्य जिले के कमांडर थे। दोनों देशों ने भविष्य में भी ऐसी बैठकों को जारी रखने पर सहमति व्यक्त की है।

डिजिटल पोर्ट्स की...

मोदी ने बताया कि सागरमाला परियोजना, स्वदेशी शिपबिल्डिंग, ब्लू इकोनॉमी और बंदरगाहों के आधुनिकीकरण के फोकस के साथ भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा शिप रिसाइक्लिंग हब बन चुका है। भारत अपने बंदरगाहों को विश्वस्तरीय बना रहा है और वैश्विक सप्लाई चेन में अहम भूमिका निभा रहा है। ग्रीन शिपिंग और डिजिटल पोर्ट्स की दिशा में भी भारत तेज गति से आगे बढ़ रहा है।प्रधानमंत्री ने वैश्विक समुद्री समुदाय को भारत के साथ सुरक्षित, सतत और समावेशी समुद्री व्यापार को आगे बढ़ाने का सन्देश दिया और संयुक्त रूप से प्रगति का संकल्प जताया।

अब पूरे देश के लिए...

पीठ जिस मामले की सुनवाई कर रही थी, उसमें आरोपी करीब दो साल से जेल में बंद था। याचिकाकर्ता के वकील ने बताया कि चार्जशीट 2023 में दाखिल की गई थी, लेकिन अब तक आरोप तय नहीं हुए हैं।इस पर जस्टिस अरविंद कुमार ने सख्त टिप्पणी की कि दीवानी मामलों में मुद्दे तय नहीं होते, आपराधिक मामलों में आरोप तय नहीं होते। आखिर कठिनाई क्या है? अगर यह स्थिति जारी रही, तो हम पूरे देश के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश जारी करेंगे।सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 251(बी) में यह प्रावधान है कि सत्र न्यायालय के मामलों में पहली सुनवाई से 60 दिनों के भीतर आरोप तय किए जाने चाहिए, लेकिन अदालतों में इसका पालन नहीं हो रहा है।=ख सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया है कि आने वाले समय में इस विषय पर देशव्यापी नीति या मानक दिशा-निर्देश जारी किए जा सकते हैं, ताकि न्याय प्रणाली में अनावश्यक देरी पर अंकुश लगाया जा सके।

बिहार में न सीएम...

ने सड़कों, पुलों और रेलवे के जरिए राज्य को विकास की राह पर आगे बढ़ाया।उन्होंने आरजेडी और कांग्रेस पर बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा हर घुसपैठिए की पहचान कर उन्हें बाहर निकालेगी। शाह ने कहा, मोदी जी ने पूरे देश में छापेमारी कर पीएफआई पर प्रतिबंध लगाया, जबकि लालू यादव उन्हें जेल से छुड़ाने की बात कर रहे हैं।शाह ने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भी विपक्ष को घेरा। उन्होंने कहा, लालू-राबड़ी राज में चारा घोटाला, बाढ़ राहत घोटाला, होटल घोटाला - हर चीज में भ्रष्टाचार हुआ। वहीं कांग्रेस ने 2004 से 2014 के बीच 12 लाख करोड़ के घोटाले किए। लेकिन मोदी जी और नीतीश कुमार के कार्यकाल में एक भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा।अपने भाषण में शाह ने राम मंदिर का भी उल्लेख किया और कहा कि राम मंदिर का निर्माण मोदी सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धि है, जो कांग्रेस और उसके सहयोगी 70 साल में नहीं कर सके।उन्होंने जनता से अपील की कि वे *एनडीए के उम्मीदवारों को विजय दिलाकर विकास, सुशासन और सुरक्षा की राह को मजबूत करें।

भारत वापस लाया ...

इसमें से 575.8 टन सोना अब भारत के भीतर सुरक्षित वॉल्ट्स में रखा गया है, जबकि शेष लगभग 290.3 टन सोना बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स जैसी विदेशी संस्थाओं के पास है।मार्च 2024 तक यह कुल आंकड़ा 822.10 टन था - यानी एक वर्ष में 57.48 टन का इज़ाफ़ा हुआ है।आरबीआई ने इस सोने की सुरक्षा के लिए मुंबई और नागपुर स्थित गोल्ड वॉल्ट्स को हाई-सिक्योरिटी मानकों के साथ विकसित किया है। मार्च 2023 से अब तक आरबीआई कुल 274 टन सोना विदेशों से भारत ला चुका है।इस कदम को स्वदेशी स्वर्ण नीति की दिशा में एक बड़ा परिवर्तन माना जा रहा है।कई देशों के केंद्रीय बैंक भी हाल के महीनों में सोना खरीदने और अपने भंडार को वापस स्वदेश लाने की दिशा में कदम उठा रहे हैं।वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण सोने की मांग में तेज़ी देखी जा रही है।पिछले एक वर्ष में सोने की कीमतों में लगभग 52% की बढ़ोतरी हुई है।20 अक्टूबर को सोना 4,381.21 डॉलर प्रति औंस के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया।

विशेषज्ञों का कहना है कि आरबीआई का यह कदम न केवल भारत की आर्थिक सुरक्षा को सुदृढ़ करेगा बल्कि देश को संभावित वैश्विक वित्तीय जोखिमों से भी बचाएगा।

अक्षय नवमी आज

जानें इस दिन का विशेष महत्व

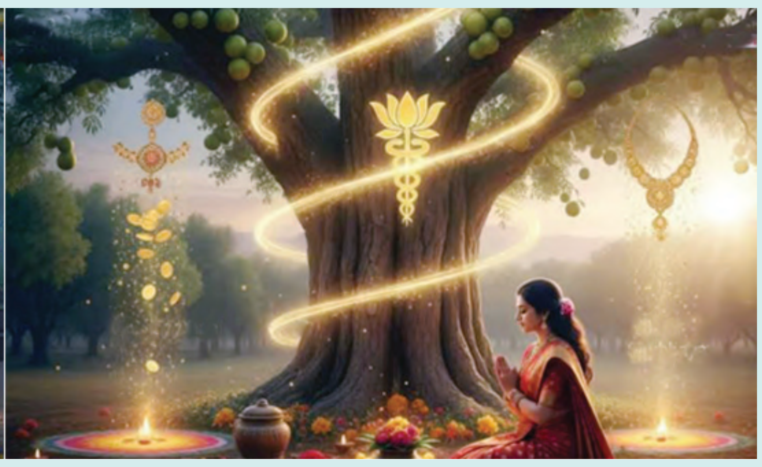

कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को अक्षय नवमी का पर्व मनाया जाता है। इस दिन आंवले के पेड़ की पूजा की जाती है, इसलिए इसे आंवला नवमी के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी दिन सतयुग की शुरुआत हुई थी। इस दिन अक्षय नवमी व्रत कथा का पाठ अवश्य करना चाहिए। ऐसा करने से भगवान विष्णु की कृपा से अक्षय धन-समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

अक्षय नवमी की कथा और मान्यता

पुराणों में वर्णन है कि धन की देवी माता लक्ष्मी पृथ्वी पर आईं। उन्होंने देखा कि सभी लोग भगवान शिव और विष्णु की पूजा कर रहे हैं। फिर उनके मन में आया कि क्यों न दोनों देवों की पूजा एक साथ की जाए। उन्हें आंवला वृक्ष की याद आई, क्योंकि इस वृक्ष में बेल और तुलसी दोनों के ही गुण पाए जाते हैं। इसके बाद उन्होंने आंवले के वृक्ष की पूजा की।पौराणिक कथा के अनुसार, एक राजा और रानी प्रतिदिन सवा मन आंवले दान करने का प्रण रखते थे। बेटे-बहू के मना करने पर वे महल छोड़ जंगल चले गए। भगवान ने उनकी परीक्षा ली और फिर उन्हें वहीं महल, राज्य और आंवला के पेड़ों वाला बगीचा दे दिया। पश्चाताप के बाद बेटे-बहू ने माफी मांगी और राजा-रानी को बताया कि दान से धन घटता नहीं बल्कि बढ़ता है। सभी मिलकर फिर सुखपूर्वक रहने लगे।

पूजन एवं महत्त्व

ऐसा माना जाता है कि जो भी भक्त आंवले के वृक्ष की पूजा करता हैं, उसे अक्षय फल प्राप्त होते हैं, साथ ही अखंड सौभाग्य, उत्तम स्वास्थ्य और धन की प्राप्ति होती है। इसी कारण इस पर्व को अक्षय नवमी कहा जाता है।

आज से इन राशियों की पलट सकती है किस्मत

18 साल बाद बुध-यम बनाएंगे त्रिएकादश योग, तरक्की के साथ आकस्मिक धन लाभ के योग

ग्रहों के युवराज बुध को बुद्धि, व्यापार, तर्क-वितर्क, शिक्षा, बौद्धिक क्षमता आदि का कारक माना जाता है, जो एक निश्चित अवधि के बाद राशि परिवर्तन करते हैं। बुध एक राशि में करीब 15 दिनों तक रहते हैं। ऐसे में एक माह में वे दो बार राशि परिवर्तन करते हैं, जिससे किसी न किसी ग्रह के साथ युति या फिर दृष्टि पड़ती रहती है, और इस प्रकार शुभ योगों का निर्माण होता है।

वर्तमान समय में बुध वृश्चिक राशि में विराजमान हैं, जहां मंगल भी स्थित हैं।

बुध के इस राशि में होने से वह शनि की राशि मकर में विराजमान यम ग्रह के साथ संयोग करके लाभ दृष्टि योग बना रहे हैं, जिसे त्रिएकादश योग कहा जाता है। इस योग के बनने से 12 राशियों के जीवन में प्रभाव देखने को मिलेगा, लेकिन इन तीन राशियों के जातकों को विशेष लाभ प्राप्त हो सकता है। आइए जानते हैं इन भाग्यशाली राशियों के बारे में-

वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, 30 अक्टूबर को शाम 6 बजकर 23 मिनट पर बुध और यम एक-दूसरे से 60 डिग्री पर होंगे। ऐसे में तुला, कुंभ और मेष राशि के जातकों को विशेष लाभ प्राप्त होने के योग हैं।

मेष राशि

इस राशि के जातकों के लिए बुध-यम का त्रिएकादश योग कई मायनों में विशेष हो सकता है। इस राशि के आठवें भाव में बुध और दसवें भाव में यम विराजमान हैं। ऐसे में इस राशि के जातकों को उम्मीद से अधिक लाभ प्राप्त होने के संकेत हैं।

आपको परिवार और दोस्तों का पूरा सहयोग मिलेगा। लंबे समय से जिस कार्य में आप परिश्रम कर रहे थे, उसमें अब सफलता की संभावना है। मंगल भी इस राशि पर सकारात्मक प्रभाव डालेंगे। इस योग के चलते पद-प्रतिष्ठा बढ़ने के साथ सूर्य भी सफलता दिलाने में सहायक रहेंगे।

कुंभ राशि

इस राशि के जातकों के लिए बुध-यम का केंद्र दृष्टि योग अनुकूल सिद्ध हो सकता है। कुंभ राशि के जातकों को पद-प्रतिष्ठा प्राप्त होने और कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धियों पर विजय मिलने की संभावना है। व्यापार में भी उत्कृष्ट लाभ के योग बन रहे हैं।

मान-सम्मान में वृद्धि होगी तथा बौद्धिक क्षमता का भी विस्तार होगा। अप्रत्याशित रूप से धन लाभ के संकेत हैं। जीवन में सुख-शांति और स्थिरता बनी रहेगी।

तुला राशि

इस राशि के जातकों के लंबे समय से रुके कार्य पूर्ण होने के साथ ही धन-धान्य में वृद्धि हो सकती है। इस अवधि में बुध दूसरे भाव में विराजमान रहेंगे। तुला राशि के जातक अपनी वाक्पटुता और समझदारी के बल पर विभिन्न क्षेत्रों में सफलता पा सकते हैं।

विद्यार्थियों के लिए यह समय अत्यंत लाभकारी रहेगा। शिक्षा संबंधी मामलों में तरक्की के अवसर प्रबल हैं। पारिवारिक जीवन में सौहार्द रहेगा। आकस्मिक धन लाभ के योग बन रहे हैं, साथ ही वाहन एवं गृह-सुख की प्राप्ति संभव है।

गौसेवा और श्रीकृष्ण की भक्ति का दिव्य संगम

हिन्दू संस्कृति में गाय को मातृत्व और पूजन का स्थान प्राप्त है। वेद, पुराण और लोककथाओं में गाय की महिमा को प्रकट किया गया है। माना जाता है कि गायों में सभी देवताओं का वास होता है, इसी कारण इन्हें गोमाता कहा जाता है।

गोपाष्टमी उसी भावना का सजीव प्रतीक है, जो कार्तिक शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाई जाती है। यह दिन सेवा, करुणा और भक्ति का पवित्र उत्सव है। हिन्दू पंचांग के अनुसार, वर्ष 2025 में गोपाष्टमी का पर्व 30 अक्टूबर, गुरुवार के दिन मनाया जाएगा। तिथि का आरंभ 29 अक्टूबर सुबह 9:23 बजे होगा और समापन 30 अक्टूबर सुबह 10:06 बजे पर होगा।

गोपाष्टमी की पौराणिक कथा व धार्मिक महत्त्व

लोक कथाओं एवं पुराणों के अनुसार, गोपाष्टमी का दिवस भगवान श्रीकृष्ण के जीवन का विशेष अध्याय है। इसी दिन श्रीकृष्ण ने गायों को चराने की शुरुआत की थी, इससे पूर्व वे केवल बछड़ों को ही चराते थे। जैसे ही वह 8 वर्ष के हुए, उन्होंने नंद बाबा से गायें चराने की इच्छा जताई। पंडित जी ने पंचांग देखकर बताया कि गाय चराने का शुभ मुहूर्त यही अष्टमी तिथि है। तब श्रीकृष्ण ने अपने गोप साथियों संग गौ-चर्या प्रारंभ की एवं गौधन की सेवा का दायित्व संभाला।श्रीकृष्ण ने स्वयं कहा है कि गाय मेरी आत्मा हैं, अतः यह दिन गोपालकों और गौ भक्तों के लिए विशेष पर्व के रूप में मनाया जाता है। विशेष तौर पर ब्रज क्षेत्र में इस दिन गौधन की पूजा और आराधना के साथ भव्य उत्सव मनाया जाता है।

गोपाष्टमी पूजन विधि

-प्रातःकाल स्नान कर स्वच्छ वस्त्र पहनें।
-गाय और उनके बछड़ों को नहलाकर, फूलों की माला, हल्दी-चंदन और रोली से सजाएं।
-उनके माथे पर तिलक लगाएं और गले में घंटी व पुष्पहार पहनाएँ।
-दीपक एवं अगरबत्ती जलाकर गौमाता की आरती करें।
-दूध, गुड़, हरी घास व मिठाइयों से गौपूजन करें।
-पूजा के समय 'गायत्री मंत्र', 'गोपाल सहस्र नाम' या 'गोमाता स्तुति' का पाठ करें।
-पूजा के बाद गौमाता की परिक्रमा करें एवं उनके चरणों में प्रणाम करें।

वृंदावन में गोपाष्टमी की धूम

मथुरा और वृंदावन में गोपाष्टमी का पर्व अत्यंत धूमधाम से मनाया जाता है। श्रद्धालु सुबह गौशालाओं में जाकर गौमाता की पूजा करते हैं, आरती गाते हैं और 'जय गोमाता' के नारों के साथ आस्था प्रकट करते हैं। मंदिरों में श्रीकृष्ण-राधा को गोपाल स्वरूप में सजाया जाता है। गायों के साथ परिक्रमा और गौदान की परंपरा भी निभायी जाती है।

जीवन में गोपाष्टमी का संदेश

गौसेवा करना केवल धार्मिक कर्म नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक साधना है, जो हमें विनम्रता, करुणा और आत्मिक शांति का पाठ पढ़ाती है। गोमाता की सेवा-पारंपरिक संस्कार और सांस्कृतिक पहचान से जोड़ती है। यह पर्व याद दिलाता है कि गाय केवल संपत्ति नहीं, बल्कि संस्कृति, परंपरा और आस्था का प्रतीक है।

महाभारत के चार अत्यंत शक्तिशाली शस्त्र

महाभारत में युद्ध के दौरान कई ऐसे असाधारण और अत्यधिक शक्तिशाली शस्त्रों का उल्लेख मिलता है, जिनकी शक्ति के आगे बड़े से बड़े योद्धा भी असहाय हो जाते थे। इनमें से कुछ अस्त्रों की जानकारी नीचे दी गई है-

1. पाशुपतास्त्र

भगवान शिव द्वारा दिया गया पाशुपतास्त्र संपूर्ण सृष्टि का विनाश कर सकता था। यह केवल अर्जुन के पास ही था, जिसे उसने प्रभु शिव की कठिन तपस्या के बाद प्राप्त किया। लेकिन इसकी भीषण शक्तियों के कारण अर्जुन ने इसका प्रयोग युद्धभूमि में नहीं किया।

2. ब्रह्मास्त्र

ब्रह्मा का यह अस्त्र सबसे घातक अस्त्रों में गिना जाता है। इसकी गति और शक्ति को केवल दूसरा ब्रह्मास्त्र ही काट सकता था। महाभारत में अर्जुन, कर्ण, श्रीकृष्ण, युधिष्ठिर, अश्वत्थामा और द्रोणाचार्य के पास इसे चलाने की योग्यता थी।

3. नारायणास्त्र

यह भगवान विष्णु का शक्तिशाली अस्त्र था, जो प्रचंड बाणों की वर्षा करता था। एक बार छोड़ने पर इसे कोई अन्य अस्त्र रोक नहीं सकता था। इसका सामना करने का केवल एक उपाय-पूरी तरह समर्पण

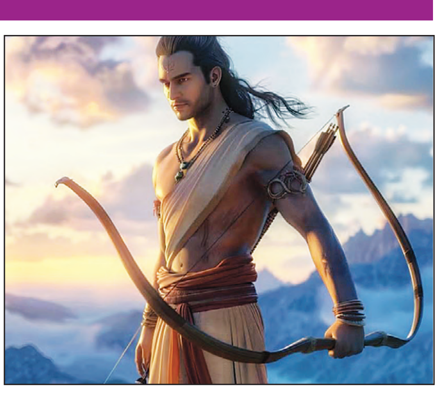

करना। महाभारत में अश्वत्थामा ने अपने पिता द्रोणाचार्य की मृत्यु के प्रतिशोध में इसे पांडवों की सेना पर चलाया था, जिससे हजारों सैनिक मारे गए।

4. आग्नेय अस्त्र और वासवी शक्ति

आग्नेय अस्त्र: यह अग्नि का बाण था, जिसे मंत्रों द्वारा संधान किया जाता था और जिसका सामना केवल पर्जन्य (जल-प्रधान) अस्त्र से ही किया जा सकता था। अर्जुन को यह अस्त्र गुरु द्रोणाचार्य से प्राप्त हुआ था।

वासवी शक्ति: इंद्र का दिया परम अमोघ अस्त्र, जिसे कर्ण ने अर्जुन के लिए सुरक्षित रखा था, लेकिन अंततः घटोत्कच पर प्रयोग कर दिया। इसका प्रयोग केवल एक बार किया जा सकता था और यह कभी विफल नहीं होता था।

इन सभी अस्त्रों की शक्ति इतनी अधिक थी कि इनका प्रयोग केवल अत्यंत विशेष परिस्थितियों में ही किया जाता था। इनके सामने समर्पण अथवा गहरी रणनीति ही बचाव का उपाय थी।

देवउठनी एकादशी को तुलसी पर बांधें यह चीज श्री हरि के साथ मां लक्ष्मी होंगी प्रसन्न

दरिद्रता से मिलेगा छुटकारा, मिलेगा सुख-समृद्धि का वरदान

हिंदू धर्म में देवउठनी एकादशी का अत्यंत विशेष महत्व है। हिंदू पंचांग के अनुसार, यह व्रत कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को रखा जाता है, जिसे देवोत्थान एकादशी या प्रबोधिनी एकादशी भी कहा जाता है। इस वर्ष देवउठनी एकादशी 1 नवंबर 2025, शनिवार को मनाई जाएगी।

शास्त्रों के अनुसार, इसी दिन भगवान श्री हरि विष्णु चार माह की योगनिद्रा से जागते हैं और पुनः सृष्टि का संचालन करते हैं। इसके साथ ही चातुर्मास का समापन होता है और विवाह, गृह प्रवेश, नामकरण आदि मांगलिक कार्य शुभ माने जाते हैं।

पूजा एवं व्रत विधान

देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर श्री हरि विष्णु, मां लक्ष्मी और तुलसी के पौधे की विधिवत पूजा करनी चाहिए। भगवान विष्णु को तुलसी अतिप्रिय हैं तथा बिना तुलसी के वे किसी भी भोग को स्वीकार नहीं करते।

मान्यता है कि इस दिन तुलसी पूजन के कुछ विशेष उपाय करने से घर में सुख, शांति व समृद्धि आती है और

दरिद्रता दूर होती है।

कब है देवउठनी एकादशी

वैदिक पंचांग के अनुसार, कार्तिक शुक्ल पक्ष एकादशी तिथि 1 नवंबर को सुबह 9:12 बजे प्रारंभ होकर 2 नवंबर की शाम 7:32 बजे तक रहेगी। गृहस्थ लोग 1 नवंबर को और वैष्णव संप्रदाय के लोग 2 नवंबर को व्रत रख सकते हैं।

देवउठनी एकादशी के विशेष उपाय

तुलसी पर कलावा (मौली) बांधें

देवउठनी एकादशी के दिन अपनी लंबाई के बराबर एक कलावा लें। अपनी मनोकामना बोलकर वह कलावा तुलसी के पौधे के चारों ओर बांध दें। तत्पश्चात भगवान विष्णु एवं तुलसी माता की पूजा करें। मनोकामना पूर्ण होने पर कलावा बहते जल में प्रवाहित करें।

तुलसी पर पीला धागा बांधें

इस दिन एक पीले रंग का धागा लेकर उसमें 108 गांठ लगाइए और श्रद्धापूर्वक तुलसी को बांध दीजिए। साथ ही भगवान विष्णु से इच्छापूर्ति की प्रार्थना कीजिए।

तुलसी को गन्ने का रस अर्पित करें

तुलसी के पौधे की जड़ में थोड़ा सा गन्ने का रस और जल चढ़ाएं। यह उपाय घर में सुख-समृद्धि लाता है और दरिद्रता दूर करता है।

तुलसी पर दूध अर्पित करें

एक लोटे जल में थोड़ा गाय का कच्चा दूध मिलाकर तुलसी पर चढ़ाएं। यह उपाय सुख-समृद्धि, धन-संपदा और घर में शांति बढ़ाने में सहायक है।

इस प्रकार देवउठनी एकादशी के दिन इन उपायों को

स्टाइल

हर लड़की की पसंद बनेगी ये खूबसूरत जूतिया

आजकल ट्रैंडी जूती का चलन आम हो गया है। दुल्हन हो या उसकी सहेलियां और रिश्तेदार सभी खास मौके पर इन्हें पहनना पसंद करते हैं, ताकि खुद को स्टाइलिश दिखा सकें। अलग-अलग स्टाइल और पैटर्न से बनीं ये फ्लैट जूतियां उन लोगों को खासी पसंद आएगी, जिन्हें हाई हील पहनना बिल्कुल भी पसंद नहीं। यह जूतियां पहनने में कर्फ्टेबल और फैशनेबल भी हैं। इनकी सबसे अच्छी बात यह है कि आप इन कलरफुल जूतियों के साथ मैचिंग accessories भी पहन सकती हैं। इनमें से कुछ मंहगी भी हैं, जिन्हें आप रोजर्मरा की रूटीन में नहीं पहन सकती। लेकिन शादी जैसे खास मौके पर तो ले ही सकती हैं।

कुछ फैशन ब्रैड्स की जूतियों और उनकी कीमत पर

वियान लेबल

इस लेबल की स्टाइलिश जूतियां बेशक आप सभी को पसंद आएगी। इनकी शुरूआती कीमत 1500 रुपए से लेकर 3500 रुपए तक है। इसके अलावा इनके कुछ प्रीमियम डिजाइन्स भी इनकी बैवसाइट पर उपलब्ध है।

कोरल हाजे

इस ब्रैंड की खासियत इसकी फ्लोरल स्टाइल की जूतियां हैं, जिनकी शुरूआती कीमत 1500 रुपए से लेकर 4000 रुपए तक है।

फिज्जी गोबलेट

आप pastel shade juttis के अलावा कई अन्य स्टाइल की जूतियां भी इस लैबल में खरीद सकती हैं। इनकी शुरूआती कीमत 2500 रुपए से लेकर 3000 रुपए तक है।

जुट्टी चू

यहां हर दुल्हन अपने लहंगे के साथ की मैचिंग embroidered juttis खरीद सकती है। इनकी शुरूआती कीमत 2500 रुपए से लेकर 3500 रुपए तक है।

नीडिलडस्ट

इनके यहां umbrella patterned juttis से लेकर kids juttis तक की भी क्लेकशन है, जिनकी शुरूआती कीमत 2600 रुपए से लेकर 5000 रुपए तक है। वहीं Kids juttis की शुरुआत 900 रुपए से होती है।

पास्टेल्स एंड पॉप

इस लेबल की सभी जूतियां बेहद खूबसूरत है, जिन्हें आप इनके ऑनलाइन स्टोर से खरीद सकते हैं। इनकी शुरूआती कीमत 1500 से लेकर 3200 रुपए तक है।

लाइफ के हर मूमेंट को एन्जॉय करना जानती है इनडिपेंडेंट वुमन

तेजी से बदलते लाइफस्टाइल में औरते भी पुरूषों के साथ कदम से कदम मिला कर चल रही है। आज के समय में महिलाएं भी पुरूषों की तरह ही स्वतंत्र जिंदगी व्यतीत करती है। आज हम आपको बताएंगे कि किस तरह इनडिपेंडेंट वुमन अपनी जिंदगी की हर खुशी को पूरी तरह एन्जॉय करने के साथ ही अपने लक्ष्य को भी पूरा कर लेती है।

- इनडिपेंडेंट वुमन अपने हर लम्हें को अपने तरीके से खास बनाना जानती है। ऐसी महिलाएं हाथ में वाइन गिलास के साथ अपनी फेवरेट बुक पढ़ अपनी जिंदगी के लेसन लेती है।
- अचानक किसी स्थिति में परिवर्तन आने के बाद भी उसे ऐसी महिलाओं को बखूबी आता है।
- अपनी जिंदगी जीने के लिए इनडिपेंडेंट वुमन को किसी के सहारे की जरूरत नहीं होती। अपनी लाइफ को हैंडल करनी इन्हें अच्छी तरह आता है।
- अपने साथ-साथ दूसरों के लिए स्टैंड लेने से भी इस तरह की महिलाए पीछे नहीं हटती। इन्हें पता है कब और कहां स्टैंड लेने की जरूरत है।
- अपनी ड्रीम्स और सपनों को पूरा करने के लिए किसी का सहारा नहीं लेती है।
- इन्हें अच्छी तरह पता है कि अगर कोई इनकी रिस्पेक्ट नहीं करता, तो उन्हें छोड़ देना ही अच्छा है।
- लोगों की पहचान अच्छी तरह से करना भी इनकी कई खूबियों में से एक है। इसके अलावा खुद को संभालना भी इन्हें खूब आता है।
- इस तरह की महिलाएं ऑफिस के साथ-साथ घर की जिम्मेदारियों को भी बाखूबी निभाना जानती है। इनडिपेंडेंट वुमन अपनी जिम्मेदारियों को निभाने से कभी पीछे नहीं हटती।

हर कोई चाहता है कि उसका पार्टनर उसे प्यार करने वाला हो

लड़की या लड़का हर कोई चाहता है कि उसका पार्टनर उसे प्यार करने वाला हो लेकिन इसके अलावा भी लड़के अपने पार्टनर को लेकर बहुत सी बातें सोचते है। समझदार और खूबसूरत के साथ-साथ लड़के अपने पार्टनर में और बहुत सी क्वालिटी चाहते है। आइए जानते है कि लड़के की ऐसी ख्वाहिशें जो वो अपने पार्टनर में देखना चाहते है।

1. इनडिपेंडेंट

आज के इस बदलते समय में हर लड़का चाहता है कि उसका पार्टनर इनडिपेंडेंट हो। लड़को को इनडिपेंडेंट और स्वाभिमानी महिलाएं बहुत पंसद होती है।

2. केयरिंग

हर लड़का चाहता है कि उसका पार्टनर उसकी एक्स्ट्रा केयर करें। बीमार होने पर उसका ख्याल रखें और बार-बार उससे हाल-चाल पूछती रहें।

3. फ्लर्टी और नॉटी

फ्लर्टी स्वभाव के लड़के अपने पार्टनर में भी यह क्वालिटी देखना चाहते है। उन्हें लगता है कि फ्लर्टी और नॉटी महिलाएं ज्यादा रोमांटिक होती है।

4. ईमानदार

लड़का हो या लड़की हर कोई अपने पार्टनर में यह क्वालिटी तो हर कोई देखना चाहता है। हर कोई चाहता है कि उसका पार्टनर उसे कभी धोखा न दें।

5. पंसद नापंसद

हर लड़का चाहता है कि उसका पार्टनर उसका पंसद नापंसद का ध्यान रखें। इसके अलावा वो अपनी पंसद के बारे में भी खुल कर बात करें।

सेहत

क्रैनबेरी के जूस से, सेहत की कई समस्याएं होंगी दूर

क्रैनबेरी खाना तो हर किसी को पंसद होता है लेकिन रोजाना क्रैनबेरी जूस का सेवन कई हेल्थ प्रॉब्लम को दूर करता है। कार्बोहाइड्रेट, विटामिन ए, बी और सी, बीटा कैरोटीन, कैल्शियम, लोहा, पोटेशियम और फॉस्फोरस के गुणों से भरपूर क्रैनबेरी जूस यूरीन इंफेक्शन से लेकर दिल की बीमारियों में फायदेमंद होता है। रोजाना क्रैनबेरी जूस पीने से आप कई बीमारियों से बच सकते है।

यूरिनेरी ट्रेक्ट इंफेक्शन

इसमें पाए जाने वाला एंटीऑक्सीडेंट और सेलीसायलिक एसिड पाचन संबधी समस्याओं के लिए फायदेमद होता है। इससे यूरिन के रास्ते गंदे बैक्टीरिया शरी से बाहर निकल जाते है।

मसूड़ों की समस्या

इसका सेवन आपको दांतों की सड़न, सांस की दुर्गन्ध और मुंह के इंफ्केशन से बचाता है। रोजाना इसका एक गिलास पीने से आप मुंह की इन समस्याओं से बचे रहेंगे।

स्वस्थ दिल

क्रैनबेरी में मौजूद पॉलफिनॉल दिल को स्वस्थ रख कर आपको बीमारियों से बचाने का काम करता है। रोजाना इसे पीने से दिल की बीमारियों का खतरा 10 फीसदी तक कम हो जाता है।

डायबिटीज

क्रैनबेरी इम्यून सिस्टम को मजबूत करकी ब्लड शुगर को कंट्रोल करती है। रोज 2 गिलास लो-कैलरी क्रैनबेरी जूस पीने से आपका ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है।

स्तन कैंसर

नियमित रूप से इसका सेवन करके स्तन कैंसर के खतरे से बचा जा सकता है। इसमें मौजूद तत्व स्वस्थ प्रतिरक्षा प्रणाली का निर्माण कर रोगों से लड़ने की शक्ति प्रदान करता है।

ब्राइडल की ऐसी ज्वैलरी जो है देती राज्य को अलग पहचान

हमारा देश अलग-अलग संभ्यता और परंपराओं से रंगा हुआ है। यहां पर हर राज्य का अपना अलग लाइफस्टाइल है। कपडे,रीति-रिवाज, परंपराएं, गहने आदि की झलक विवाह,शादियों में भी देखने को मिलती है। हर राज्य की दुल्हन का कॉस्ट्यूम और गहने अलग-अलग तरह के होते हैं आइए जाने कौन से राज्य में किस करह की ज्वैलरी पहनी जाती है।

महाराष्ट्र की मुंडावल्या

महाराष्ट्र में शादी बहुत रीति-रिवाज के साथ की जाती है। यहां पर दुल्हा-दुल्हन को पहनाई जाने वाली खास ज्वैलरी का नाम मुंडावल्या है। शादी के समय बंधन में बंधने से पहले इन दोनों के माथे पर जब मुंडावल्या बंध जाता है तो इसका मतलब है कि अब दोनों शादी के वचन लेने लिए तैयार हैं। मोतियों से बनी ये ज्वैलरी बहुत अच्छी लगती है।

उत्तर प्रदेश का पासा

पासा मांग टीके की तरह ही सिर पर लगाए जाने वाली ज्वैलरी है। इसे माथे की साइड पर लगाया जाता है। आजकल तो यह सिर्फ उत्तर प्रदेश में ही नहीं बल्कि देश के हर हिस्से में इसे दुल्हने पहनना पसंद करती हैं।

हिमाचल प्रदेश का नथ

हिंदू धर्म में नथ पहनना बहुत शुभ माना जाता है लेकिन शादी के समय हिमाचल प्रदेश में बडे साइज का नथ पहना जाता है। यहां की दुल्हनों की खास पहचान यहां पहने जाने वाली नथ है।

हैदराबाद का सतलड़ा

सतलड़ा एक तरह का नेकलेस होता है, जिसका सात लड़ियां होती हैं। रॉयल लुक पाने के लिए दुल्हने इस तरह का नेकलेस पहनती हैं। मोतियों से सजी यह सात लड़कियां नाभि लंबी होती हैं।

रेसिपी

आलू कूल्चा

सामग्री

मैदा- 280 ग्रामढ, चीनी- 1 टीस्पून, बेकिंग सोड़ा- 1 टीस्पून, बेकिंग पाउडर - 1 टीस्पून, नमक- 1 टीस्पून, दही- 90 ग्राम, घी- 2 टेबलस्पून, पानी- 140 मि.ली, आलू(उबले और मैश किए)- 480 ग्राम, हरी मिर्च- 1 टीस्पून, अदरक- 1 टीस्पून, लाल मिर्च- 1/2 टीस्पून, गरम मसाला- 1/4 टीस्पून, आमचूर पाउडर- 1/4 टीस्पून, अजवाइन- 1/4 टीस्पून, धनिया- 2 टेबलस्पून, नमक- 1/2 टीस्पून, काले तिल के बीज

विधि

एक बाउल में मैदा,चीनी,बेकिंग पाइडर,बेकिंग सोड़ा, नमक, दही, घी और पानी डालकर अच्छे से गूंथ लें और 4-5 घंटे के लिए ढक्कर साइड पर रखें। इसके बाद एक अलग बाउल में आलू,हरी मिर्च,अदरक,लाल मिर्च,गरम मसाला, धनिया, आमचूर, अजवाइन और नमक डालकर सारी सामग्री को मिक्स कर लीजिए। अब पहले से गूंथ कर रखे हुए मैदे की लोई लेकर इसमें आलू भरकर रोटी के आकार में बेल लें। कुल्चे पर अब काले तिल और धनिया बुरक दें और तवे पर रखें। कुल्चे पर कांटे के साथ छेद कर दें। हल्की सी हीट लगने के बाद कुल्चे को बेकिंग शीट पर रखें और पहले से 350°c/180°c पर प्रीहीट किए हुए ओवन में 5 मिनट के लिए बेक करें। आलू कुल्चे पर मक्खन लगाकर गर्मा-गर्म सर्व करें।

आमलेट सैंडविच

सामग्री

अंडा - 2, शिमला मिर्च - 4 चम्मच, हरी मिर्च - 2, नमक - 1/2 छोटा चम्मच

काली मिर्च - 1/2 छोटा चम्मच, तेल - 1 बड़ा चम्मच, ब्रेड स्लाइस - आवश्यकतानुसार, कैचअप - आवश्यकतानुसार, पनीर स्लाइस - आवश्यकतानुसार, मक्खन - आवश्यकतानुसार

विधि

एक बाउल में 2 अंडें तोड़कर डालें। फिर इसमें 4 चम्मच शिमला मिर्च, 2 हरी मिर्च, 1/2 छोटा चम्मच नमक, 1/2 छोटा चम्मच काली मिर्च डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। मध्यम आंच पर एक पैन में 1 बड़ा चम्मच तेल डालकर गर्म करें। इसके बाद अंडे के मिश्रण को इसमें डालकर फैलाएं। इसे तब तक पकाएं जब तक कि यह दोनों साइड्स से सुनहरा भूरा न दिखन लगे। अब चाकू की सहायता से इसे समान भाग में काट लें। अब एक ब्रैड स्लाइस लें और उस पर आवश्यकतानुसार कैचअप लगाएं। इसके बाद इस पर आमलेट और पनीर स्लाइस रखकर दूसरी ब्रैड स्लाइस के साथ कवर कर दें। फिर मध्यम आंच पर एक पैन रखें और इस पर थोड़ा सा मक्खन लगाकर गर्म करें। उस पर तैयार की गई ब्रैड स्लाइस को रखकर दोनों साइड्स से सुनहरा भूरा होने तक सेक लें। आपका आमलेट सैंडविच तैयार है। इसे सर्व करें।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। पुराने परिचितों से मिलने–जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है। अगर आप ख़रीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें। आज का दिन उन्माद में घिर जाने का है; क्योंकि आप अपने जीवनसाथी के साथ प्रेम के चरम का अनुभव करेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सेहत अच्छी रहेगी। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। आपके लिए अपने प्रिय से दूर रहना बहुत मुश्किल होगा। आज आपके बॉस का बढ़िया मिज़ाज पूरे कार्यालय के माहौल को अच्छा बना देगा। अपने व्यक्तित्व और रंग–रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी। आपके जीवनसाथी की ओर से मिला कोई ख़ास तोहफ़ा आपके खिन्न मन को ख़ुश करने में काफ़ी मददगार साबित होगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस–पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। नया आर्थिक क़रार अंतिम रूप लेगा और धन आपकी तरफ़ आएगा। घरेलू कामकाज आपको ज़्यादातर वक़्त व्यस्त रखेंगे। आपका महबूब आज आपको बड़ी ख़ूबसूरती से कुछ ख़ास करके चौंका सकता है। आज कुछ नया और सृजनात्मक करने के लिए अच्छा दिन है। अगर हाल में आप व आपका जीवनसाथी बहुत ख़ुश महसूस नहीं कर रहे थे, तो आज हालात बदल सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

भागमभाग भरे दिन के बावजूद आपकी सेहत पूरी तरह दुरुस्त रहेगी। जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आपकी आकर्षक छवि मनचाहा परिणाम देगी। आज के दिन काम करते वक़्त आपको कोई ख़ास दिक़्क़त नहीं आएगी और आप एक विजेता की तरह उभरेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। आपको अपने जीवनसाथी की ओर से कुछ ख़ास देखने को मिल सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

किसी सृजनात्मक काम में ख़ुद को व्यस्त रखना बेहतर रहेगा। साथ ही बीमारी से जूझने के लिए ख़ुद को उत्साहित करते रहें। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। पुराने दोस्त मददगार और सहयोगी साबित होंगे। आपको उदार और स्नेह से भरे प्यार का तोहफ़ा मिल सकता है। सहकर्मियों और वरिष्ठों से मिला सहयोग आपके उत्साह में इज़ाफ़ा करेगा। आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। समय और धन की कद्र आपको करनी चाहिए नहीं तो आने वाला वक्त परेशानियों भरा रह सकता है। परिवार और बच्चों के साथ बिताया समय आपको फिर ऊर्जा से लबरेज़ कर देगा। यह दिन प्रसन्नता और ज़िन्दादिली के साथ किसी ख़ास संदेश को भी देगा । अगर आप सीधा जवाब नहीं देंगे तो आपके सहयोगी आपसे नाराज़ हो सकते हैं। आज आपको अपने कामों को समय पर निपटाने की कोशिश करनी चाहिए।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

स्वास्थ्य का ख़याल रखें, नहीं तो लेने के देने पड़ सकते हैं। आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। आज आपने जो नई जानकारी हासिल की है, वह आपको अपने प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त दिलाएगी। असजता की वजह से आप वैवाहिक जीवन में ख़ुद को फँसा हुआ अनुभव कर सकते हैं

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपनी ऊर्जा का इस्तेमाल किसी मुश्किल में फँसे इंसान की मदद करने के लिए करें। दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। बच्चे आपके दिन को बहुत मुश्किल बना सकते हैं। प्यार–दुलार के हथियार का इस्तेमाल कर उन्हें समझाएँ और अनचाहे तनाव से बचें। कार्यक्षेत्र में प्रगतिशील और बड़े बदलाव करने में सहकर्मी आपका पूरा सहयोग करेंगे। आपको भी तेज़ी से क़दम उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

खेलों और आउटडोर गतिविधियों में भागीदारी आपकी खोयी ऊर्जा को फिर से इकट्ठा करने में आपकी मदद करेगी। ग्रह नक्षत्रों की चाल आपके लिए आज अच्छी नहीं है, आज के दिन आपको अपने धन को बहुत सुरक्षित रखना चाहिए। परिवार के सदस्य कई चीज़ों की मांग कर सकते हैं। किसी दिलचस्प इंसान से मिलने की प्रबल संभावना है। बहादुरी भरे क़दम और फ़ैसले आपको अनुकूल पुरुस्कार देंगे। घर के कामों को पूरा करने के बाद ऐसा लगता है कि आपके जीवनसाथी आज आपके ऊपर ख़ास ध्यान देंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आर्थिक दृष्टि से आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। आज आपको धन लाभ तो हो सकता है लेकिन इसके लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आपकी वजह से जिसे नुक़सान हुआ हो, उससे माफ़ी मांगने की ज़रूरत है। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा। अपने जीवनसाथी के साथ आप आज एक शानदार शाम गुज़ार सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। एक ख़ुशनुमा और बढ़िया शाम के लिए आपका घर मेहमानों से भर सकता है। अपने प्रेम–प्रसंग के बारे में इधर–उधर ज़्यादा बातें न करें। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

सेहत अच्छी रहेगी। जिन व्यापारियों के संबंध विदेशों से हैं उन्हें आज धन हानि होने की संभावना है इसलिए आज के दिन सोच समझकर चलें। घर वालों के साथ समय बिताना ख़ुशनुमा अनुभव रहेगा। आप महसूस करेंगे कि आपकी रचनात्मकता कहीं खो गयी है और फ़ैसले करने में आपको ख़ासी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। जिन रिश्तों को आप अहमियत देते हैं उन्हें समय देना भी आपको सीखना होगा नहीं तो रिश्ते टूट सकते हैं। आपको महसूस होगा कि आपका वैवाहिक जीवन बहुत ख़ूबसूरत है।

आज का पंचांग

दिनांक : 30 अक्टूबर 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : अष्टमी प्रातः 10:07 तक
नक्षत्र : श्रवण रात्रि 06:34 तक
योग : शूल प्रातः 07:20 तक
करण : बव प्रातः 10:07 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 06:13, सूर्यास्त 05:45 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:12 , सूर्यास्त 05:53 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:06 , सूर्यास्त 05:45 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:04, सूर्यास्त 05:37 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गोपाष्टमी, दुर्गाष्टमी,
कार्तिक मासे दीप–दानम् विशेष

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

गाय का दूध, घी, दही, छाछ स्वास्थ्यवर्धक : जोराराम कुमावत

कोटा, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। गोपालन विभाग की ओर से गोपाष्टमी के अवसर पर प्रदेशभर गोशालाओं में गौमाता का पूजन किया गया। इसी कड़ी में बुधवार को पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने कोटा के झालावाड़ रोड स्थित लखावा गौशाला में गौमाता का पूजन किया। इस दौरान उन्होंने गौशाला का निरीक्षण कर गौशाला संचालकों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। कुमावत ने गाय की पूजा की और गोमाता को तिलक लगाकर माला पहनाकर कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने गौमाता को हरा चारा खिलाकर सेवा की। इस दौरान मौजूद गोभक्तों ने गो माता को रोटी, लड्डू, गुड़, हरा चारा खिलाकर पुण्य फल कमाया। साथ ही दीपक जलाकर फूलों की वर्षा करके गो माता की पूजा की। इससे पहले मंत्री कुमावत ने भगवान श्रीकृष्ण मंदिर में पूजा–अर्चना की । इसके बाद उन्होंने सप्त ऋषि मंदिर में परिक्रमा लगाई। इस मौके पर गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने गोपाष्ठमी पर्व का महत्व बताते हुए कहा कि गोपाष्ठमी के दिन गौ सेवा करने वाले व्यक्ति के जीवन में कभी कोई संकट नहीं आता। जिस प्रकार एक मां अपनी संतान को हर सुख देना चाहती है। उसी प्रकार गौ माता भी सेवा करने वाले जातकों को अपने कोमल हृदय में स्थान देती हैं और उनकी हर मनोकामना पूरी करती हैं। गाय का दूध, घी, दही, छाछ और यहां तक कि उनका मूत्र भी स्वास्थ्यवर्धक होता है। यह त्योहार हमें याद दिलाता है कि हम गौमाता के ऋणी हैं। हमें उनका सम्मान करना चाहिए और सेवा करनी चाहिए। पौराणिक कथाओं में यह व्याख्या है कि किस तरह से भगवान कृष्ण ने अपनी बाल लीलाओं में गौमाता की सेवा भी की है। इस दिन गऊ पूजन से भगवान कृष्ण खुश होते हैं। उन्होंने कहा कि देश व प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद गौ संरक्षण को बढ़ावा दिया गया है। प्रदेश की तीन हजार से अधिक गौशालाओं को सरकारी की ओर से अनुदान दिया जा रहा है। कुमावत ने कहा कि देसी गाय के गोबर एवं मूत्र से जीरो बजट की खेती कर भारत की अर्थव्यवस्था के 16 लाख करोड़ रुपए बचाए जा सकते हैं। देसी गाय के गोबर एवं मूत्र की खेती से भारत का आदमी पूर्ण स्वस्थ बनेगा। उन्होंने कहा कि 10 ग्राम गाय के दूध से बने घी का दीपक जलाने से वायुमंडल में एक टन ऑक्सीजन उत्पन्न होती है। इससे पहले गौशाला पहुंचने पर मंत्री कुमावत का तिलक लगाकर, दुप्पटा व फूलमालाएं पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश जैन, सरस डेयरी, कोटा के अध्यक्ष चैन सिंह राठौड़, अंता पंचायत समिति के प्रधान प्रखर कौशल, पशुपालन विभाग के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. ओमप्रकाश मीणा, सीनियर वेटनरी ऑफिसर डॉ. जयप्रकाश मीणा, गौशाला समिति के अध्यक्ष डॉ. सचित भोला, व्यवस्थापक लोकेश कुमार सहित अनेक प्रबुद्धजन मौजूद रहे।

राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय में स्टूडेंट एक्टिविटी सेंटर का लोकार्पण

जयपुर, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि सभी विद्यार्थियों में विशिष्ट प्रतिभा एवं कौशल होता है जिसे प्रोत्साहन मिलने पर विद्यार्थी अपनी कला का प्रदर्शन कर देश एवं दुनिया में नाम रोशन करते हैं। उनके भीतर छुपे कौशल को उभारने के प्रयास विश्वविद्यालयों को करने चाहिए। उन्होंने कहा कि नवनिर्मित स्टूडेंट एक्टिविटी सेंटर भी विद्यार्थियों में सृजनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देते हुए नवाचारों के केन्द्र के रूप में अपनी अलग पहचान कायम करेगा। इस सेंटर के माध्यम से विद्यार्थी अपने भीतर छुपी हुई प्रतिभा एवं गुणों को निखार सकेंगे। राज्यपाल बागडे बुधवार को राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा में नवनिर्मित स्टूडेंट एक्टिविटी सेंटर के लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि प्रैक्टिकल ज्ञान के अभाव में डिग्री का कोई उपयोग नहीं है। इसलिए, विद्यार्थी केवल पाठ्यपुस्तक पढ़कर डिग्री हासिल करने की अपेक्षा व्यावहारिक एवं प्रैक्टिकल ज्ञान प्राप्त करने पर अधिक ध्यान दें। उन्होंने कहा कि इस सेंटर के माध्यम से विद्यार्थी के कला–कौशल में इतना निखार लाया जाए कि वे विद्यार्थी बाहर जाकर राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय की अलग पहचान कायम करें।

त्यौहारों पर यात्रियों की सुविधा के लिए जोधपुर–बान्द्रा टर्मिनस–जोधपुर स्पेशल रेलसेवा का संचालन

जोधपुर, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। रेलवे द्वारा आगामी त्यौहारों पर अतिरिक्त यात्री यातायात को ध्यान में रखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु जोधपुर–बान्द्रा टर्मिनस–जोधपुर स्पेशल रेलसेवा का संचालन किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शशि किरण के अनुसार गाडी संख्या 04833, जोधपुर–बान्द्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल रेलसेवा दिनांक 02.11.25 को (01 ट्रिप) जोधपुर से 06.45 बजे रवाना होकर जयपुर स्टेशन पर 12.00 बजे आगमन व 12.10 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 07.00 बजे बान्द्रा टर्मिनस पहुँचेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 04834, बान्द्रा टर्मिनस–जोधपुर सुपरफास्ट स्पेशल रेलसेवा दिनांक 03.11.25 को (01 ट्रिप) बान्द्रा टर्मिनस से 10.00 बजे रवाना होकर अगले दिन जयपुर स्टेशन पर 05.25 बजे आगमन व 05.40 बजे प्रस्थान कर 11.25 बजे जोधपुर पहुँचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में मेडता रोड, डेगाना, मकराना, कुचामन सिटी, फुलेरा, आसलपुर जोबनेर, जयपुर, दुर्गापुरा, वनस्थली निवाई, सवाईमाधोपुर, कोटा, रामगंज मंडी, भवानी मंडी, नागदा, रतलाम, वडोदरा, भरूच, सूरत, नवसारी, वलसाड, वापी, पालघर व बोरीवली स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेलसेवा में 01 फर्स्ट मय सैकण्ड एसी, 02 सैकण्ड एसी, 07 थर्ड एसी, 06 द्वितीय शयनयान, 03 साधारण श्रेणी व 02 गार्ड डिब्बो सहित कुल 21 डिब्बे होगे।

पेंशनर को नवंबर माह में देना होगा जीवित प्रमाण पत्र

जयपुर, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान सिविल सेवा पेंशन नियम 1996 के नियम 134 के अनुसार पेंशनर एवं पारिवारिक पेंशनर को प्रत्येक वर्ष नवम्बर माह में जीवन प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक है। निदेशालय पेंशन एवं पेंशनर्स वैलफेयर विभाग के निदेशक लीला राम मीणा ने बताया कि पेंशनर एवं पारिवारिक पेंशनर राज्य सरकार में कार्यरत समस्त राजपत्रित व अराजपत्रित कर्मचारियों (चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को छोड़कर) के द्वारा आईएफएमएस 3.0 पर कर्मचारी स्वयं की एसएसओ आईडी के माध्यम से संबंधित कोषालय में व्यक्तिशः उपस्थित होकर अथवा अन्य पूर्व में निर्धारित तरीकों के अनुसार प्रस्तुत कर सकते है।

पुष्कर मेले में पुंगनूर नस्ल की गाय बनी आकर्षण का केंद्र

पुष्कर, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। विश्व प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय पुष्कर पशु मेला 2025 इस बार एक अनोखी देसी नस्ल की पुंगनूर गाय के कारण सुर्खियों में है। आंध्र प्रदेश मूल की यह विलुप्तप्राय प्रजाति अपने छोटे कद, कम देखभाल में अधिक उत्पादन और औषधीय गुणों वाले दूध के लिए जानी जाती है। जयपुर से आए अभिराम ब्रीडिंग फार्म के संचालक अभिनव तिवारी ने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि पुंगनूर नस्ल की गाय की ऊंचाई केवल 16 से 36 इंच तक होती है, जबकि इसका वजन लगभग 150 से 200 किलोग्राम तक होता है। आश्चर्यजनक रूप से यह गाय प्रतिदिन केवल तीन किलो चारा खाती है और डेढ़ से छह लीटर दूध देती है। तिवारी ने बताया कि पुंगनूर नस्ल की गाय के दूध में ए2 प्रोटीन पाया जाता है, जो औषधीय दृष्टि से अत्यंत लाभकारी माना जाता है। यह दूध न सिर्फ पचने में आसान होता है बल्कि शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में भी सहायक है। इस नस्ल की गायों की कीमत उनके गुण और शुद्धता के आधार पर दो लाख से दस लाख रुपए तक है।

उन्होंने बताया कि इन गायों की लोकप्रियता में एक बड़ा बदलाव तब आया जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने घर में पुंगनूर नस्ल की गाय पालने का जिक्र किया। पीएम मोदी के वीडियो और संदेशों के बाद इस प्रजाति की पहचान पूरे देश में फैल गई और इसकी कीमतों में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी गई। तिवारी ने कहा कि हम इस मेले में इन गायों को बेचने के लिए नहीं लाए हैं, बल्कि उनका उद्देश्य इनके संरक्षण, प्रचार और पहचान बढ़ाने का है, ताकि देश के अन्य हिस्सों में भी देसी नस्लों के संरक्षण के लिए जागरूकता बढ़े।

जीएसटी सुधारों से साबित हुआ प्रधानमंत्री की गारंटी हमेशा पूरी होती है : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जिस गति से आज भारत प्रगति के मार्ग पर अग्रसर है, उसके पीछे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दूरदर्शी नेतृत्व और केंद्र सरकार की क्रांतिकारी आर्थिक नीतियाँ प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश ने एक राष्ट्र, एक टैक्स की अवधारणा को साकार करते हुए जी.एस.टी. लागू किया, जिससे पूरा भारत एक एकीकृत बाजार में परिवर्तित हो गया है। जी.एस.टी. सुधारों से न केवल अर्थव्यवस्था को नई गति मिली है, बल्कि राज्यों के बीच व्यापार आसान हुआ है और व्यापारियों को अनावश्यक करों के जाल से मुक्ति मिली है। हाल ही में किए गए जी.एस.टी. सुधार इस बात का प्रमाण हैं कि प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी सदैव पूरी होती है। ये सुधार आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में मील का पत्थर साबित होंगे। मुख्यमंत्री बुधवार को बिहार के पटना में बिहार चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए स्वदेशी और मेक इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड के आह्वान ने देश में विनिर्माण क्षेत्र को नई दिशा दी है। हाल ही में जापान यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा प्रस्तुत यह विजन आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया अभियान के अंतर्गत यूपीआई से लेकर डीबीटी तक डिजिटल लेन–देन की क्रांति ने पारदर्शिता को बढ़ावा दिया है और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया है। आज भारत का डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पूरी दुनिया के लिए एक उदाहरण बन चुका है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ने विनिर्माण और उत्पादन पर बल देकर आयात पर निर्भरता घटाई है तथा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का एक मजबूत केंद्र बनकर उभरा है। केंद्र सरकार की दूरदर्शी नीतियों और सुधारों के परिणामस्वरूप आज भारत न केवल आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक सशक्त साझेदार के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर चुका है।

उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में, सड़क, रेल, हवाई अड्डों और बंदरगाहों के निर्माण में अभूतपूर्व निवेश हुआ है। ये सुविधाएं बेहतरीन कनेक्टिविटी, उद्योगपतियों के लिए व्यापार और लॉजिस्टिक्स की लागत को कम कर रही है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के लिए अनावश्यक कानूनों को खत्म करना, प्रक्रियाओं को सरल बनाना, और लाइसेंस राज से मुक्ति दिलाने के लिए लगातार प्रयास किए गए हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने हमें 'विकसित भारत–2047' का लक्ष्य दिया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए, हमें अपने राज्यों को विकसित करना होगा। हरियाणा और बिहार को मिलकर देश की प्रगति की गति को तेज करना होगा।

उन्होंने कहा कि आज यहां आकर उन्हें बिहार की मिट्टी की महक और हरियाणा की उद्यमशीलता की भावना का एक अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। यह संगम, वास्तव में, हमारे देश की प्रगति और 'विकसित भारत' के संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि बिहार और हरियाणा का रिश्ता केवल राज्यों की भौगोलिक सीमा तक सीमित नहीं है। यह रिश्ता प्रेम, श्रम और विश्वास का है।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज बिहार में डबल इंजन की सरकार के कारण यह पूरे देश में यह प्रदेश दूसरे सबसे तेजी से बढ़ने वाले राज्य के रूप में जाना जा रहा है। आज बिहार की जीडीपी वृद्धि दर 14 प्रतिशत से भी अधिक है। अब बिहार की जीडीपी में औद्योगिक क्षेत्र का हिस्सा 23 प्रतिशत है, जो कृषि के हिस्से से भी अधिक है।

यह सिद्ध करता है कि बिहार में उद्योगों के लिए एक सुरक्षित और अनुकूल माहौल बना है।

उन्होंने कहा कि राज्य में युवाओं को उद्योग की जरूरतों संबंधी ट्रेनिंग के लिए भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर स्किल यूनिवर्सिटी का उद्घाटन किया गया है। यह युवाओं को उद्योग–आधारित पाठ्यक्रम प्रदान कर रही है। सरकार की 'एक जिला–एक उद्योग' योजना ने इस दिशा में क्रांति ला दी है।

हरियाणा सरकार के जन विरोधी निर्णय से गरीबों के इलाज पर पड़ा संकट: कुमारी सैलजा

सिरसा, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा चिरायु हरियाणा योजना के अंतर्गत 11 गंभीर बीमारियों के इलाज को निजी (प्राइवेट) अस्पतालों से बंद कर केवल सरकारी अस्पतालों तक सीमित करने का निर्णय पूरी तरह से जनता–विरोधी और गरीब विरोधी है। यदि सरकार ने यह जनविरोधी निर्णय वापस नहीं लिया तो कांग्रेस पार्टी जनता की आवाज बनकर इस मुद्दे को संसद और सड़क दोनों स्तरों पर जोरदार ढंग से उठाएगी। मीडिया को जारी बयान में सांसद सैलजा ने इस आदेश की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि यह फैसला गरीब और जरूरतमंद वर्ग के स्वास्थ्य अधिकारों पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि सरकार ने यह निर्णय बिना तैयारी और बिना वास्तविक स्थिति का आकलन किए लिया है। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा के सरकारी अस्पतालों की स्थिति बेहद दयनीय है न तो पर्याप्त चिकित्सक हैं, न विशेषज्ञ डॉक्टर, और न ही गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आवश्यक संसाधन। ऐसे में यह सवाल उठता है कि गरीब मरीज आखिर कहां जाएगा? कुमारी सैलजा ने विशेष रूप से कहा कि हरियाणा के घग्गर बेल्ट में पहले से ही कैंसर का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है, और हजारों गरीब परिवार इस बीमारी से जूझ रहे हैं। ऐसे समय में सरकार द्वारा निजी अस्पतालों में इलाज बंद करना न केवल असंवेदनशीलता है बल्कि जीवन के अधिकार का हनन भी है।कुमारी सैलजा ने कहा कि चिरायु हरियाणा योजना के तहत गरीब परिवारों को निजी अस्पतालों में घुटने, कूल्हे, हृदय, कैंसर, दुर्घटना और अन्य गंभीर बीमारियों का मुफ्त इलाज मिल रहा था। अब सरकार के इस निर्णय से उन्हें गुणवत्तापूर्ण उपचार से वंचित कर दिया गया है और उन्हें फिर से लंबी कतारों, कमी और अव्यवस्था वाले अस्पतालों पर निर्भर होना पड़ेगा। सांसद ने कहा कि भाजपा सरकार लगातार ऐसे फैसले ले रही है जो जनता के हितों के खिलाफ हैं। चाहे वह शिक्षा, स्वास्थ्य या रोजगार का क्षेत्र हो हर दिशा में जनता के अधिकारों को सीमित किया जा रहा है। गरीब और मध्यम वर्ग के लिए यह सरकार पूरी तरह असंवेदनशील साबित हो चुकी है।

जेजेपी संगठन में विस्तार, 15 युवा जिला प्रभारी और 21 युवा जिला अध्यक्ष घोषित

चंडीगढ़, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी ने अपने संगठन में विस्तार करते हुए कई महत्वपूर्ण नियुक्तियां की है। जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला, पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला, जेजेपी प्रदेश अध्यक्ष बृज शर्मा, राष्ट्रीय संगठन सचिव राजेंद्र लितानी, युवा प्रदेशाध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला व अन्य वरिष्ठ नेताओं ने विचार–विमर्श करके युवा प्रकोष्ठ में 15 जिला प्रभारियों और 21 जिला अध्यक्षों की नियुक्तियों की सूची जारी की। दिग्विजय चौटाला ने बताया कि अंबाला जिले में परविंदर सिंह, भिवानी में ओमी राजपूत, फतेहाबाद में मोहित खिचड़ सरपंच, फरीदाबाद में रणजीत ठाकुर, झज्जर में काला रोहद और हिसार में अनिल शर्मा को युवा जिला प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई हैं। इसी तरह जींद में टिंकू नंबरदार, कैथल में कुलदीप सीवन, करनाल में कुलदीप मदान, कुरुक्षेत्र में सूर्य प्रताप राठौड़, महेंद्रगढ़ में विष्णु सरपंच, नूंह में जावेद सालाहेड़ी, पानीपत में सरदार गुरप्रीत सिंह, रोहतक में मनोज बालंद और सिरसा में शांतनु गोदारा भी जेजेपी के युवा जिला प्रभारी होंगे। वहीं जेजेपी युवा जिला अध्यक्ष के पद पर अंबाला जिले में जसदीप तंदवाल, भिवानी में सेठी धनाणा, दादरी में विनय सांगवान, फतेहाबाद में जतिन खिलेरी और फरीदाबाद में पवन जाखड़ को नियुक्त किया गया हैं। इसी तरह गुरुग्राम में सन्नी शमशेर कटारिया, झज्जर में भूपेंद्र गहलावत, जींद में दीपक देशवाल, कैथल में सम्पूर्ण कोयल, करनाल में मनदीप जोली, कुरुक्षेत्र में राजेश पायलट, महेंद्रगढ़ में सचिन जिला पार्षद और नूंह में डॉ सागर पंवार, पलवल में दुष्यंत सरपंच को युवा जिला अध्यक्ष बनाया गया हैं।

लालू और नीतीश समस्याओं की जड़ : प्रशांत किशोर

पटना (एजेंसियां)।
पूर्व चुनाव रणनीतिकार और जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहार के मौजूदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव को राज्य की समस्याओं की जड़ बताया है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया है कि वे इन नेताओं की पार्टियों को वोट न दें ताकि बिहार में शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में प्रगति हो और सकारात्मक बदलाव आ सके।

प्रशांत किशोर ने बुधवार को मधेपुरा में कहा कि बिहार की सारी समस्याओं की जड़ पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और वर्तमान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं। उन्होंने बिहार के लोगों से अपील की कि वे लालू यादव की राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) और नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) को वोट न दें। प्रशांत किशोर ने कहा कि यदि लोग फिर से लालू या नीतीश को वोट देते हैं, तो उन्हें फिर से जानवरों की तरह ट्रेनों में यात्रा करनी पड़ेगी। उन्होंने लोगों से पूछा कि क्या वे बिहार में बनी फैक्ट्रियों में काम करना चाहते हैं या दूसरी जगहों पर।

प्रशांत किशोर ने जोर देकर कहा कि बिहार में जन सुराज की सरकार आनी चाहिए ताकि राज्य की स्थिति सुधर सके। इससे लोगों को रोजी-रोटी के लिए अपना राज्य छोड़कर दूसरी जगहों पर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा कि अगर बिहार में हालात नहीं सुधरे, तो बिहार से बाहर काम कर रहे लोगों को चेन्नई, गुजरात, दिल्ली, मुंबई जैसी जगहों पर ही फैक्ट्रियों में काम करते रहना पड़ेगा। उन्होंने छठ पूजा पर बिहार में अपने घर आए लोगों से अपील की कि वे चुनाव खत्म होने तक बिहार में ही रहें और वहीं काम करें, अगर जन सुराज की सरकार बनती है तो उन्हें बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा कि इस बार बिहार में वोट सिर्फ शिक्षा, रोजगार और बदलाव के लिए ही डालना चाहिए।

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण की वोटिंग में दस दिन से भी कम समय बचा है। मधेपुरा विधानसभा क्षेत्र एक महत्वपूर्ण चुनावी मैदान है। यह क्षेत्र मधेपुरा लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जो कभी लालू प्रसाद यादव और शरद यादव जैसे दिग्गज नेताओं का गढ़ रहा है। इस सीट का विधानसभा चुनाव में विशेष महत्व है। मधेपुरा सीट पर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) का दबदबा रहा है। पिछले तीन चुनावों से यह सीट आरजेडी के पास है। इस सीट से तीन बार विधायक चुने गए चंद्र शेखर एक विवादास्पद नेता रहे हैं। उन्होंने 2015 से 2017 तक आपदा प्रबंधन मंत्री और 2022 से 2024 तक गन्ना उद्योग मंत्री के रूप में कार्य किया है। साल 2023 में हिंदी दिवस के कार्यक्रम में राम चरित मानस पर उनकी टिप्पणियों ने राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी थी। उस समय आरजेडी के सहयोगी दल जेडीयू ने उनकी टिप्पणियों से दूरी बना ली थी, जबकि उनकी पार्टी ने इसे अपनी विचारधारा का प्रतिबिंब बताया था।

मधेपुरा में इस बार चंद्र शेखर यादव एक बार फिर आरजेडी के टिकट पर महागठबंधन के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। दूसरी ओर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने जेडीयू की ओर से कविता कुमारी साहा को मैदान में उतारा है। कविता कुमारी साहा अत्यंत पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) समुदाय से आती हैं और उन्होंने समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की है। उन्होंने पहले मधेपुरा नगर परिषद की अध्यक्ष के रूप में अपनी राजनीतिक शुरुआत की थी। जन सुराज पार्टी की ओर से शशि कुमार भी साहा और चंद्र शेखर के खिलाफ चुनाव मैदान में हैं। बिहार विधानसभा चुनाव दो चरणों में 6 और 11 नवंबर को होंगे। वोटों की गिनती 14 नवंबर को की जाएगी।

वक्त के बहाव में संसार के ऊंचे से ऊंचे पद भी छूट जाएंगे : साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में जैन भवन में आयोजित प्रवचन में विचार व्यक्त करते हुए साध्वी श्री इंदुप्रभा ने कहा कि संसार के पद प्रतिष्ठा सभी अस्थाई हैं और एक न एक दिन छूटने वाले हैं। सत्ता पर आसक्ति अनीति कराती है और व्यक्ति पद को बचाने और चिपके रहने के लिए साम दाम दंड और भेद की नीति अपना कर अपनी दुर्गती कर लेता है।

उन्होंने बताया कि प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव ने अपने सांसारिक पुत्रों को संबोधित करते हुए कहा- साधक को शाश्वत सिद्ध पद हेतु पुरुषार्थ करना चाहिए। वक्त के बहाव में संसार के ऊंचे से ऊंचे पद भी छूट जाएंगे।

फिर क्यों पदों के लिए संघर्ष, मोह माया, छीना झपटी करना। यह मनुष्य भव दुर्लभ है। सही बोध पा कर हम इसे सार्थक कर सकते हैं। प्रवचन को प्रारंभ करते हुए साध्वी श्री वृद्धिप्रभाजी ने कहा कि आत्मा शाश्वत है और बुद्धिमान व्यक्ति आत्मा से आसक्ति रखते हुए मात्र आत्मा का ध्यान रखता है। हम बार-बार यह चिंतन करते रहें कि मैं कौन हूं, कहां से आया हूं और मुझे क्या करना चाहिए। संसार के परिजन हमारे कर्म कर्ज में साझेदार नहीं बन सकते हैं। हम ही करता हैं और हम ही भोक्ता रहेंगे। जो संसार में हमें सुख दिख रहा है वह नकली है और इसके पीछे असली दुख छिपा हुआ है। हम सपनों के जीवन से जागें और ऐसा पुरुषार्थ करें कि भव भ्रमण ही खत्म हो जाए। सभा में देशनोक गुरुकुल के प्रधानाध्यापक मोहनलाल लूनिया ने अपने विचार रखे। नवकार बहु मंडल भी प्रवचन में उपस्थित रहा। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा संचालन करते हुए साध्वी वृंद के समक्ष आगामी 7 नवंबर को आने वाली आचार्य जयमल दीक्षा जयंती का लाभ अलसूर संघ को देने की विनती रखी। साध्वी श्री शशिप्रभाजी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

छठ महापर्व

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *सतवा ग्रीनेज सोसाइटी, बोम्मनाहल्ली के तत्वावधान छठ महापर्व धूमधाम से मनाया गया। ग्रीनेज सोसाइटी में रहने वाले परिवारों ने मिलकर छठ महापर्व पर व्रतधारियों के लिए कृत्रिम तलाब की व्यवस्था की। शुद्धता एवं नियम का पालन करते हुए आस्था के साथ सूर्य भगवान को जल अर्पण किया। सूर्य भगवान एवं छठ मैया से सभी के मंगल कामना की स्तुति की। हजारों की संख्या में महिलाओं -पुरुषों एवं बच्चों ने उपस्थित होकर छठ पर्व मनाया।*

मनेर में बवाल : जनसुराज पार्टी की प्रचार गाड़ी पर हमला

पोस्टर फाड़े और ड्राइवर से मारपीट

पटना (एजेंसियां)।
बिहार विधानसभा चुनाव के बीच मंगलवार रात मनेर विधानसभा क्षेत्र में जनसुराज पार्टी की प्रचार गाड़ी पर असामाजिक तत्वों ने हमला कर दिया। घटना ब्रह्मचारी गांव के पास की है, जहां एक दर्जन से अधिक लोगों ने प्रचार वाहन को रोककर एक विशेष पार्टी का गाना बजाने के लिए दबाव डाला।

जब ड्राइवर ने ऐसा करने से इनकार किया, तो हमलावरों ने गाड़ी में लगे पोस्टर और बैनर फाड़ दिए और तोड़फोड़ शुरू कर दी। ड्राइवर बिट्टू के साथ गाली-गलौज और मारपीट भी की गई। किसी तरह ड्राइवर ने सूझबूझ दिखाते हुए वाहन को लेकर वहां से भाग निकला और मनेर थाना पहुंचकर पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी।

सूचना मिलने के बाद मनेर थानाध्यक्ष रजनीश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक हमलावर फरार हो चुके थे। थानाध्यक्ष ने बताया कि पीड़ित की लिखित शिकायत मिलने पर उचित कार्रवाई की जाएगी। जनसुराज पार्टी के प्रत्याशी गोपाल उर्फ संदीप सिंह को घटना की जानकारी दी गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनावी माहौल बिगाड़ने और पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की जा रही है।

वोट मांगने पहुंचे बीजेपी विधायक को ग्रामीणों ने खदेड़ा

वैशाली (एजेंसियां)।
वैशाली जिले की दयालपुर पंचायत में बीजेपी विधायक अवधेश सिंह को वोट मांगने के दौरान ग्रामीणों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। जब विधायक वोट मांगने पहुंचे तो लोगों ने उन्हें घेर लिया और जोरदार नाराजगी जताई। ग्रामीणों ने कहा कि विधायक जी दस साल में पहली बार वोट मांगने आए हैं। पहले जब लोग अपनी समस्या लेकर मिलने गए थे, तो उनके बॉडीगार्ड ने भगा दिया था। लोगों ने सवाल किया कि जिस विधायक से मिलने के लिए अपॉइंटमेंट लेना पड़े, वह जनता के किस काम का।

ग्रामीणों ने विधायक से दस साल के कामकाज का हिसाब मांगा और सड़कों की बदहाली को लेकर कड़ी नाराज़गी जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक ने बिना सड़क बने ही उसका उद्घाटन कर दिया। कई लोगों ने कहा कि पिछले 30 वर्षों में क्षेत्र में नई सड़क तक नहीं बनी है।

गांव वालों ने यह भी सवाल उठाया कि दस साल पहले मंदिर निर्माण के लिए फंड नहीं था, तो अब अचानक फंड कैसे आ गया। उनका आरोप है कि बिना काम किए ही पैसे स्वीकृत कर लिए गए। विवाद बढ़ने पर विधायक अवधेश सिंह ने सरकार की प्रक्रिया और सिस्टम समझाने की कोशिश की, लेकिन जनता विकास के मुद्दों पर जवाब मांगती रही। जब विरोध बढ़ गया, तो विधायक के समर्थक भारत माता की जय और जय श्री राम के नारे लगाते हुए वहां से चले गए।

बिहार में मोंथा का असर, अगले तीन दिन तक 38 जिलों में बारिश-वज्रपात का असर

पटना (एजेंसियां)।
बिहार में मोंथा चक्रवात का असर दिखने लगा है। आज सुबह से पटना समेत कई जिलों में बादल छाए हुए हैं। भोजपुर, भागलपुर, गोपालगंज, सुपौल, सहरसा समेत कुछ जिलों में हल्की बूंदाबादी हुई। मौसम विभाग ने अगले तीन दिन यानी 29 से 31 अक्तूबर तक भारी बारिश और वज्रपात का अलर्ट जारी किया है। बुधवार को बिहार के सभी जिलों के अधिकांश भागों में अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान मध्य दर्जे की बारिश और 30 से 40 किली प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने के आसार हैं। मौसम विभाग ने किसानों से भी सावधानी बरतने की अपील की है।

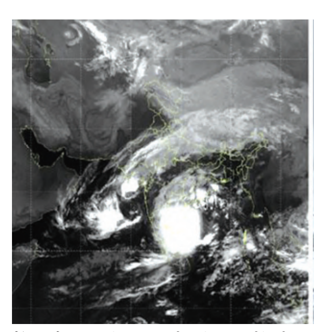

29 अक्तूबर, 30 अक्तूबर, 31 अक्तूबर उत्तर-पश्चिम, उत्तर मध्य बिहार में अधिकांश स्थानों पर बारिश और वज्रपात का अलर्ट जारी किया गया है। इधर, उत्तर-पश्चिम, उत्तर-मध्य, उत्तर पूर्व बिहार, दक्षिण पश्चिम, दक्षिण मध्य, दक्षिण मध्य, दक्षिण पूर्व बिहार में अगले तीन दिनों तक अधिकांश स्थानों पर बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। 30 और 31 अक्तूबर को पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीवान, सारण, गोपालगंज, सीतामढ़ी, मधुबनी, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, वैशाली, शिवहर, समस्तीपुर, सुपौल, अररिया, किशनगंज, मधेपुरा, सहरसा, पूर्णिया, कटिहार में अधिकांश स्थानों पर बारिश के आसार हैं।

बता दें कि गंभीर चक्रवाती तूफान मोंथा मंगलवार रात से बुधवार सुबह के बीच आंध्र प्रदेश के मध्य तट से टकराया। इस दौरान हवाओं की रफ्तार 90 से 100 किलोमीटर प्रति घंटा रही, जबकि झोंके 110 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचे। मौसम विभाग ने आम लोगों से सावधान रहने की अपील की है।

धर्मेन्द्र प्रधान ने राहुल गांधी पर कसा तंज

सारी हदें पार की, बिहार की प्रगति बर्दाश्त नहीं

पटना (एजेंसियां)।
भाजपा के बिहार चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और छठ पर्व के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने आज सारी हदें पार कर दीं। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि राहुल गांधी ने जो कहा, उसकी निंदा करने के लिए कोई शब्द पर्याप्त नहीं हैं। बिहार की जनता पिछले दो दशकों से राजद और कांग्रेस के 'जंगल राज' के खिलाफ मतदान करती आ रही है। धर्मेंद्र प्रधान ने विपक्ष पर बिहार के युवाओं की आकांक्षाओं को बार-बार कुचलने का आरोप लगाया। उन्होंने

कहा कि इससे पहले भी विपक्ष के नेताओं ने प्रधानमंत्री नेरन्द्र मोदी की मां का अपमान किया था। बिहार चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार की प्रगति को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने राहुल गांधी द्वारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर की गई टिप्पणी पर पलटवार करते हुए कहा कि राहुल गांधी कौन होते हैं नीतीश कुमार पर बयान देने वाले? उन्होंने कहा कि बिहार की जनता उन्हें गुमराह करने वालों को सबक सिखाएगी। धर्मेंद्र प्रधान ने तेजस्वी यादव पर भी खूब बोला। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव और इनकी बातों को कोई गंभीरता से नहीं ले रहा है।

राहुल-तेजस्वी ने भूमि की कमी पर अमित शाह को घेरा, कहा-

बिहार को बिहार का लाल ही चलाएगा

दरभंगा (एजेंसियां)।
लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दरभंगा ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में सभा को संबोधित करते हुए लोगों को सचेत किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अंबानी और अडानी के औजार हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नोटबंदी, जीएसटी और एक रुपये में जमीन जैसे कदम सिर्फ बड़े उद्योगपतियों के लिए उठाते हैं।

राहुल गांधी बुधवार को राजद नेता तेजस्वी यादव, और वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी के साथ दरभंगा के लौआम स्थित स्टेडियम में एक विशाल चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर पूर्व मंत्री ललित यादव ने मंच पर इन नेताओं का पाग, चादर और माला पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया। इस साझा मंच से महागठबंधन के नेता दरभंगा ग्रामीण, बेनीपुर और केवटी विधानसभा क्षेत्रों के प्रत्याशियों के लिए वोट मांग रहे थे।

राहुल गांधी ने बिहार सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग यह सोचते हैं कि बिहार की सरकार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार चला रहे हैं, वे गलत सोचते हैं। उन्होंने दावा किया कि बिहार की सरकार को रिमोट कंट्रोल से प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह चलाते हैं। उन्होंने जनता से महागठबंधन के मुख्यमंत्री उम्मीदवार तेजस्वी यादव के नेतृत्व में सरकार बनाने की अपील की, जो हर जाति और धर्म के लोगों के लिए काम करेगी।

तेजस्वी ने पलटवार करते हुए पूछा कि जब लालू यादव बिहार में रेल मंत्री थे, तब उन्होंने बिहार में तीन कारखाने लगाए थे, तो क्या उस वक्त भूमि की कमी थी? उन्होंने आरोप लगाया कि छऊअ के लोग काम करना नहीं चाहते, बल्कि बिहार पर कब्ज़ा करना चाहते हैं। तेजस्वी ने अमित शाह को चुनौती देते हुए कहा कि बिहार को बिहार का लाल ही चलाएगा, न कि कोई बाहरी व्यक्ति।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com